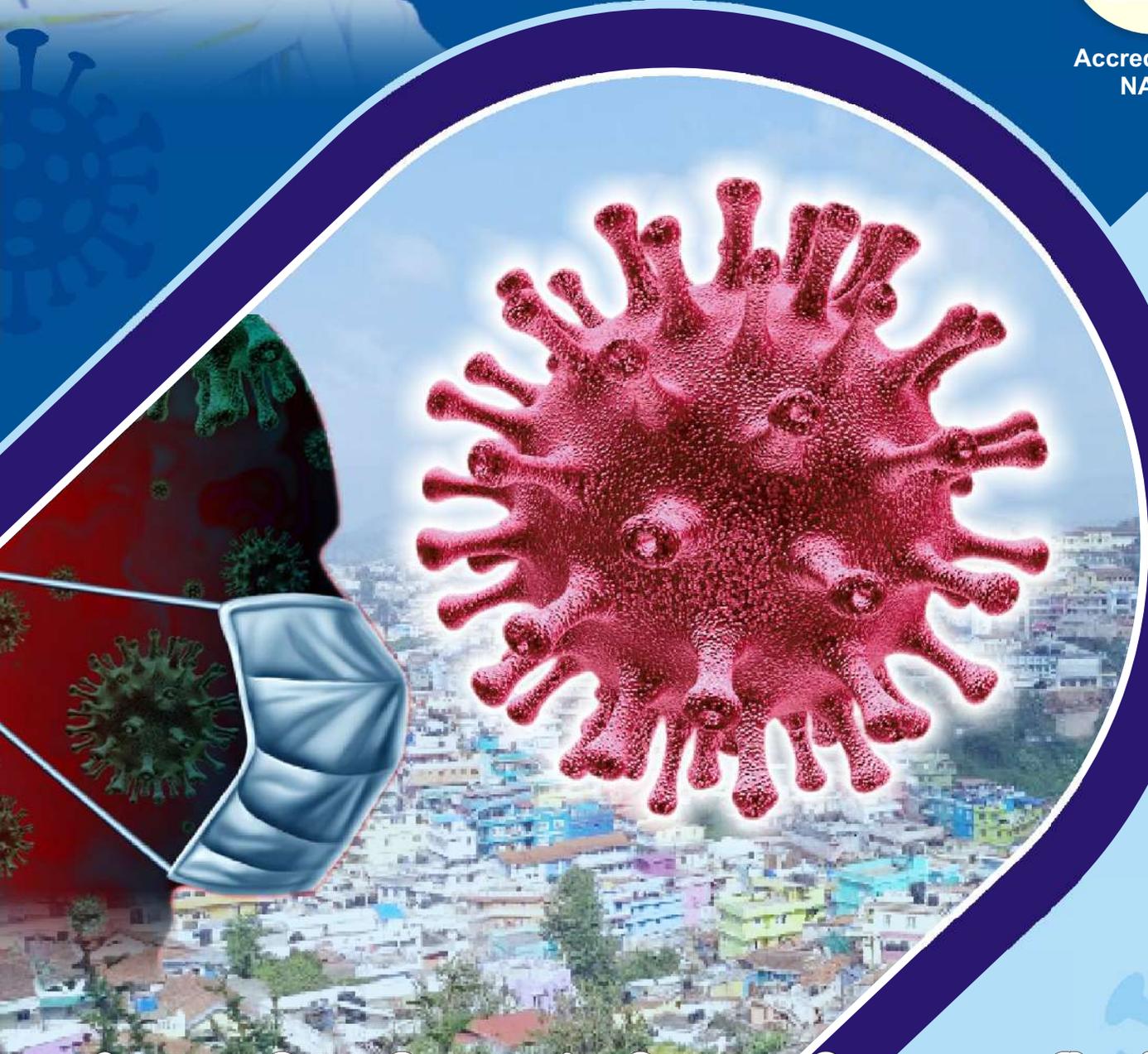


# नवोन्मेष

2020



Accredited by  
NAAC



लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

यू.जी.सी. नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त एवं विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से स्थायी सम्बद्ध

## महाविद्यालय की गतिविधियाँ



करियर अवेयरनेस (ICSI) प्रोग्राम



गांधी की प्रतिमा का अनावरण



युवा उत्सव के अंतर्गत रांगोली प्रतियोगिता



जिला स्तरीय समूह नृत्य में प्रथम स्थान



संभाग स्तर पर समूह नृत्य में द्वितीय स्थान



शेयर मार्केट पर व्याख्यान





नवोन्मेष  
2020



# नवोन्मेष

2019-20

अंक : पंद्रहवां

संरक्षक एवं प्राचार्य

डॉ. गोविन्द गढे

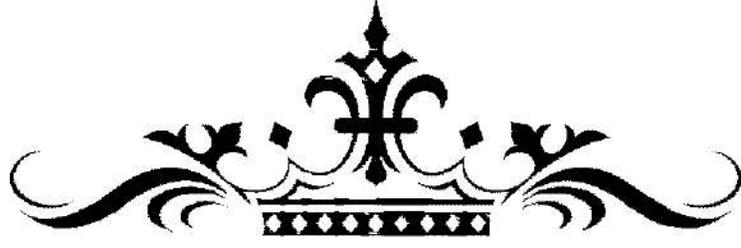
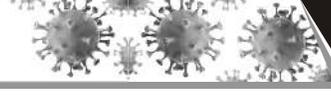
सम्पादक

डॉ. अनिता अग्रवाल

सम्पादक मंडल

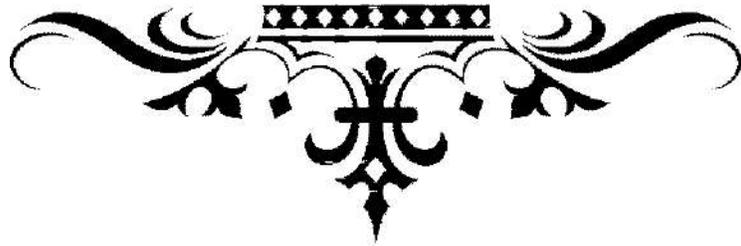
डॉ. ममता षण्ड्या  
श्रीमती सोनल गोधा

लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन



## लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास, उज्जैन

- |                     |                       |
|---------------------|-----------------------|
| ■ अध्यक्ष           | श्री किशोर खण्डेलवाल  |
| ■ सचिव              | श्री भरतलाल व्यास     |
| ■ कोषाध्यक्ष        | श्री आदित्य नामजोशी   |
| ■ न्यासी            | श्री श्रीपाद कुलकर्णी |
| ■ न्यासी            | श्री विश्वनाथ सोमण    |
| ■ न्यासी            | श्रीमती साशा जैन      |
| ■ कार्यपालन अधिकारी | श्री गिरीश भालेराव    |





## लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास द्वारा संचालित इकाइयाँ

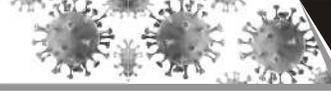
संस्था		संस्था प्रमुख
• लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय	-	डॉ. गोविन्द गन्धे
• लोकमान्य टिळक पूर्व प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान	-	डॉ. पल्लवी आढाव
• लोकमान्य टिळक संगीत एवं कला महाविद्यालय	-	डॉ. गोविन्द गन्धे

## लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास द्वारा संचालित प्रकल्प

- संस्था
- लोकमान्य टिळक विज्ञान पौधशाला (नर्सरी)
  - दिगम्बर राव तिजारे कायाकल्प केन्द्र जिम

## लोकमान्य टिळक शिक्षण समिति द्वारा संचालित इकाइयाँ

संस्था		संस्था प्रमुख
* लोकमान्य टिळक शिक्षा महाविद्यालय	-	डॉ. पल्लवी आढाव
* लोकमान्य टिळक हायर सेकेण्डरी स्कूल (सी.बी.एस.ई), नीलगंगा	-	डॉ. संगीता पातकर
* लोकमान्य टिळक विद्या विहार उ.मा. विद्यालय, नीलगंगा	-	डॉ. अरुण शुक्ला
* लोकमान्य टिळक प्राथमिक विद्यालय, नीलगंगा	-	श्रीमती शुभा मराठे
* लोकमान्य टिळक शिशु मंदिर, पानदरीबा	-	श्रीमती वसुधा केसकर



## विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन



### कुल-गान

जागो.....

जागो, जागो, मंगल लोक में  
अमृतमय आलोक में  
देख भुवन, जाग रहा  
जाग रहा, जीवन सागर

हम भी जागो, इस नव प्रभात में,  
जागो विश्व के संग अभय में

जागो.....

जागो, जागो, मंगल लोक में  
अमृतमय आलोक में



मूल बांग्ला गीत का हिन्दी रुपान्तरण  
कवि - विश्वकवि रविन्द्रनाथ ठाकुर  
भावानुवाद - आचार्य विनोबा भावे



डॉ. मोहन यादव  
मंत्री  
उच्च शिक्षा विभाग  
मध्यप्रदेश शासन



मंत्रालय : कक्ष क्र. E-216, VB-III,  
भोपाल - 462004  
निवास : विंध्य कोठी, भोपाल  
दूरभाष : 0755-2430757, 2430457 (निवास)  
0755-2708682 (मंत्रालय)  
ई-मेल : mohan.yadav@mpvidhansabha.nic.in  
drmyadavujn@gmail.com

पत्र क्र. 258  
दिनांक 11/08/2020

### संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय अपनी वार्षिक "नवोन्मेष" का प्रकाशन ई-संस्करण के रूप में करने जा रहा है!

इस वर्ष की वैश्विक महामारी के इस दौर में भी महाविद्यालय अपनी सृजन-शीलता एवं सकारात्मकत सक्रियता बनाये हुए है यह अत्यन्त हर्ष का विषय है!

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशमान यह पत्रिका महामारी (कोविड-१९) पर केन्द्रित है। अतः निश्चित रूप से पत्रिका का अंक संग्रहणीय एवं सामग्री उपयोगी रहेगी। मैं महाविद्यालय परिवार को इस अवसर पर अपनी समस्त शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

  
(डॉ. मोहन यादव)



प्रो. बालकृष्ण शर्मा  
कुलपति

**Prof. Balkrishna Sharma**  
Vice Chancellor



**विक्रम विश्वविद्यालय**  
नेक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदत्त  
उज्जैन (म.प्र.) 456010 भारत  
दूरभाष : 0734-2514270 (कार्यालय)  
फेक्स : 0734-2514276

**VIKRAM UNIVERSITY**  
Accredited 'A' Grade by NAAC  
Ujjain - 456010 (M.P.) India  
Phone : 0734-2514270 (Off.)  
Fax : 0734-2514276  
E-mail : [vcvikramujn@gmail.com](mailto:vcvikramujn@gmail.com)  
Website : [www.vikramuniv.ac.in](http://www.vikramuniv.ac.in)

क्रमांक : 173 / कुल.का. / 2020  
दिनांक : 22.08.2020

### सन्देश

लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा अपनी वार्षिक पत्रिका 'नवोन्मेष' का प्रकाशन किया जा रहा है, यह अत्यन्त हर्ष का विषय है।

महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों की रचनात्मकता के प्रोत्साहन के लिए वैश्विक महामारी कोविड-१९ विषयक 'नवोन्मेष' का ई - पत्रिका के रूप में प्रकाशन किया जा रहा है। मेरा विश्वास है कि ई - पत्रिका का यह संस्करण वर्तमान संदर्भ में विद्यार्थियों की सृजन-सक्रियता को नई गति, नई ऊर्जा, नई दिशा देने में सार्थक सिद्ध होगा।

मैं इस पत्रिका के सफल एवं सार्थक प्रकाशन के लिए हार्दिक मंगलकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(प्रो. बालकृष्ण शर्मा)



(डॉ.आर.सी.जाटवा)

अतिरिक्त संचालक

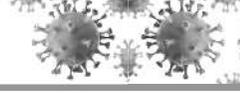
उच्च शिक्षा, उज्जैन-संभाग, उज्जैन

### संदेश

यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा विगत 20 वर्षों से 'नवोन्मेष' पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों में मौलिक रचनात्मक लेखन की प्रवृत्ति का विकास निश्चय ही शैक्षणिक वातावरण को उत्कृष्ट और समृद्ध बनाने हेतु प्रशंसनीय प्रयास सिद्ध होगा।

मैं महाविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

(डॉ.आर.सी.जाटवा)



**प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा**

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

हिंदी अध्ययनशाला

कुलानुशासक

विक्रम विश्वविद्यालय

उज्जैन [म.प्र.]

### शुभ संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्था लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा विविधतापूर्ण गतिविधियों की कड़ी में विगत 20 वर्षों से अनवरत नवोन्मेष पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विशेष प्रसन्नता की बात है कि विगत वर्ष से नवोन्मेष पत्रिका का ई - संस्करण प्रकाशित हो रहा है। इस वर्ष नवोन्मेष के ई संस्करण का केंद्रीय विषय वैश्विक महामारी कोविड-19 है।

मैं पत्रिका के ई संस्करण - 2019 - 20 की सार्थक प्रकाशन के लिए आत्मीय बधाई और मंगलकामनाएं प्रेषित करता हूं।

भवदीय

प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा



(डॉ.डी.एम.कुमावत)

निदेशक

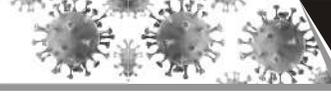
महाविद्यालयीन विकास परिषद  
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

### संदेश

वैश्विक महामारी कोविड-19 जैसे समसामयिक विषय पर लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा वार्षिक पत्रिका 'नवोन्मेष' का ई-संस्करण 2019-20 प्रकाशित हो रहा है। निश्चित रूप से यह पत्रिका विद्यार्थी वर्ग एवं समाज के विभिन्न घटकों में जागरूकता व कर्तव्य बोध का संचार करेगी।

इस ज्वलंत विषय पर पत्रिका प्रकाशन करने के लिये मैं महाविद्यालय प्रबंधन व पत्रिका से जुड़े प्रत्येक सहभागी व पाठक को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(डॉ.डी.एम.कुमावत)

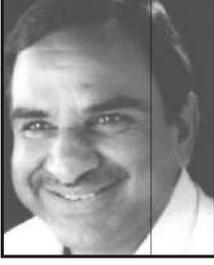


नवोन्मेष  
2020



रजि. : 59/1983  
लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास

शिक्षा परिसर, नीलगंगा रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 दूरभाष 0734-2562478



किशोर खण्डेलवाल  
अध्यक्ष  
लो.टि.सा.न्यास, उज्जैन

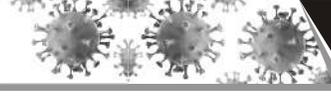
संदेश

ई-पत्रिका "नवोन्मेष" के 21वें संस्करण पर शुभकामना।

वैश्विक महामारी कोविड-19 से आज सम्पूर्ण मानव जाति पीड़ित है।  
अतः इस समय में जन जागरूकता तथा "मेरी सुरक्षा-मेरा दायित्व" का पालन  
करना अति आवश्यक है। निश्चित ही हम सभी के सामुहिक प्रयत्नों से कोरोना  
को परास्त करने में हम सफल होंगे।

पुनःश्च शुभकामना।

(किशोर खण्डेलवाल)



नवोन्मेष  
2020



रजि. : 59/1983  
लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास

शिक्षा परिसर, नीलगंगा रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 दूरभाष 0734-2562478



श्री भरतलाल व्यास  
कार्यकारी न्यासी  
लो.टि.सा.न्यास, उज्जैन

### संदेश

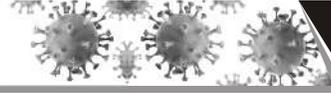
कोविड-19 के विश्व महामारी के इस दौर में विपदा को चुनौती मानते हुए अपने कार्य को निरंतर रखकर सृजनशीलता का परिचय देते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा नवोन्मेष पत्रिका का ई संस्करण प्रकाशित हो रहा है यह हर्ष का विषय है।

प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी संपादक मंडल ने पत्रिका हेतु समसामयिक विषय वैश्विक महामारी को चुना है।

निश्चित रूप से पत्रिका में संकलित सामग्री उपयोगी होगी।

पत्रिका के सफल संपादन के लिए अनेकानेक शुभकामनाएं।

भरतलाल व्यास



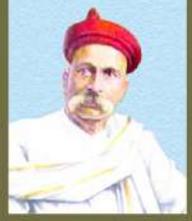
नवोन्मेष  
2020



## लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास

रजि. : 59/1983

शिक्षा परिसर, नीलगंगा रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 दूरभाष 0734-2562478



श्री गिरीश भालेराव  
कार्यपालन अधिकारी  
लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास,  
उज्जैन

### संदेश

आपकी इकाई द्वारा प्रतिवर्षानुसार 'नवोन्मेष' पत्रिका का ई-पत्रिका के रूप में इस वर्ष संपादन किया जा रहा है, जानकर प्रसन्नता हुई। वर्तमान परिस्थिति में एवं इस वैश्विक महामारी को देखते हुए आने वाले समय में भी इस प्रकार की दिशा में हमें आगे बढ़ना ही होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाईन क्लासेस, व्याख्यान, वीडियो लेक्चर आदि संचार संप्रेषण के माध्यम मानव जगत के लिये अत्यंत लाभदायक हो सकते हैं।

यद्यपि गुरुकुल पद्धति से लेकर आज तक शिक्षक विद्यार्थी के प्रत्येक उपस्थिति का भविष्य में भी कई सामानांतर विकल्प संभव नहीं है। परन्तु वर्तमान सभी पद्धतियाँ शिक्षण में सहायक अवश्य हैं, ऐसा लगता है।

पुराने को छोड़कर नया आत्मसात करने में कुछ झिझक व संकोच बना रहता है, किन्तु अब इसे परिस्थितिजन्य मानकर अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिये आवश्यक ऐसे सभी प्रयोग हम सब सहज व प्रसन्नता से स्वीकार कर तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़कर अपना उच्च स्थान बनाए रखेंगे, ऐसा विश्वास है।

पत्रिका प्रकाशन के अवसर पर संस्था प्रमुख एवं सभी सहयोगी तथा संपादक मण्डल को बधाई एवं शुभकामनाएँ।

गिरीश भालेराव



## मनोगत



हमारा महाविद्यालय अपनी स्थापना से निरंतर नियमित गतिविधियों के साथ ही विभिन्न प्रकार के समसामयिक उपक्रम, गतिविधियाँ संचालित करता है। इन उपक्रमों में हमने महाविद्यालय स्तर से लेकर राज्य स्तरीय गतिविधियों का संचालन अत्यंत कुशलता एवं सफलतापूर्वक संपन्न किया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहाँ हमने अपनी उपस्थिति दर्ज न की हो। खेल, एनसीसी, सांस्कृतिक, एनएसएस, शैक्षणिक भ्रमण, सामाजिक गतिविधियाँ, यातायात, शिक्षा, स्वास्थ्य, एड्स, रक्तदान, जन जागरूकता, पर्यावरण ऐसे अनेक विषय तथा इनसे संबंधित और भी विषयों को हमने अत्यंत गंभीरता के साथ संचालित किया है।

यह सर्वविदित है कि विगत पांच-छह माह से संपूर्ण विश्व एक संक्रमण रोग से ग्रसित है। कोविड-19 के नाम से विख्यात यह कोरोना महामारी संपूर्ण विश्व में फैली हुई है। इस महामारी ने न केवल मनुष्य की हानि की है अपितु कोई भी देश ऐसा नहीं बचा जो आर्थिक, सामाजिक, प्राकृतिक और ना जाने ऐसे कितने ही दुष्प्रभावों से पीड़ित है। संपूर्ण मानवता को झकझोर कर रखने वाली महामारी इस सदी की सबसे बड़ी गंभीर महामारी है।

संपूर्ण मानव जाति को भयभीत करने वाली इस महामारी ने विश्व में अवसाद, अपंगता, निष्क्रियता फैला रखी है किन्तु इस विषम परिस्थिति में भी कुछ देश, कुछ समाज और अधिकांश साहसी व्यक्तियों ने धैर्य के साथ परिस्थिति के साथ दो-दो हाथ किए हैं। तथा संपूर्ण मानव जाति को दुष्प्रभाव से, अवसाद से बाहर निकालने का काम किया है। महाविद्यालय परिवार के शिक्षकों ने भी अपने छात्रों को इस कठिन परिस्थिति में भी सृजनशीलता तथा क्रियाशीलता से जोड़े रखा। संपूर्ण देश में लॉकडाउन के इस दौर में महाविद्यालय के शिक्षकों ने छात्रों के लिए अलग-अलग विषयों के वीडियो बनाकर उनके साथ संपर्क संवाद बनाए रखा। साथ ही महामारी को ही केंद्र में रखकर उससे जुड़ी ऐसी गतिविधियाँ एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से युक्त आलेख, कविताएं, कहानियों आदि का सृजन कराया। परिणाम स्वरूप प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाली महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका नवोन्मेष में छात्रों की सहभागिता में वृद्धि हुई है छात्रों ने इस महामारी को किस दृष्टि से देखा वे इस कठिन दौर को किस तरह से देख रहे हैं। इसकी झलक उनकी रचनाओं में दिखाई देती है। शिक्षकों ने भी इंटरनेट का प्रयोग करके, समाचार पत्रों एवं सूचना तंत्रों के द्वारा जानकारियां प्राप्त कर उन्हें संपादित करते हुए छात्रों के लिए उपयोगी एवं रोचक बनाया है। कुल मिलाकर यह अंक वास्तव में विद्यार्थियों के सृजनशीलता क्रियाशीलता का परिचय देता है। लगभग एक सामान्य व्यक्ति को इस महामारी के संबंध में जितना जानना जरूरी होता है उतनी सामग्री अवश्य ही इस अंक में संकलित हुई है ऐसा मेरा मानना है। इसके अतिरिक्त वर्ष भर छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में जो उपलब्धियाँ अर्जित की हैं तथा सहभागिता की है उसका भी विवरण इस अंक में संपादक मंडल ने समाहित करने का प्रयास किया है।

संपादक मंडल का प्रयास, शिक्षकों का सहभाग और विद्यार्थियों की सहभागिता से यह अंक आकार ले रहा है।

निरंतर...



मैं कामना करता हूँ कि महाविद्यालय परिवार इसी प्रकार चुनौतियों को अवसर मानते हुए संकटों में भी धैर्य का परिचय देते हुए, निरंतर शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में सक्रिय रहकर नित नए कीर्तिमान अर्जित करेगा।

महाविद्यालय की इस पत्रिका में छात्रों की सहभागिता और अधिक बढ़ें इसके लिए जिन छात्रों ने इस पत्रिका के लिए अपनी रचनाएं दी हैं वे अन्य छात्रों को भी आगामी वर्षों में प्रेरित करें उनसे रचनाएं लिखवाए। अगले वर्ष मैं चाहूँगा कि छात्रों की इतनी रचनाएं नवोन्मेष के लिए प्राप्त हो की संपादक मंडल को रचनाओं को करने में बहुत परिश्रम करना पड़े। परिश्रम करने के लिए हमारे शिक्षक तैयार हैं आवश्यकता है छात्रों की सहभागिता सभी रचनात्मक गतिविधियों में तथा अध्ययन में भी अधिक हो। महाविद्यालय की जितनी भी गतिविधियाँ संचालित होती हैं वह सब छात्रों के लिए ही है।

अतः छात्रों की प्रत्येक गतिविधियों में दमदार उपस्थिति ही उस गतिविधि की सफलता का परिचायक है। मैं आशा करता हूँ कि महाविद्यालय के छात्र इस दिशा में निश्चित ही प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर मैं महाविद्यालय परिवार के शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों को बधाई देता हूँ एवं आने वाले वर्षों के लिए अपनी समस्त शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

डॉ. गोविंद गन्धे  
प्राचार्य



## सम्पादकीय



प्यारे विद्यार्थियों,

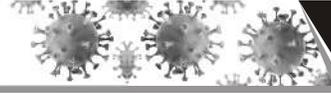
वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) के इस दौर में आप अपने निवास पर सकुशल और सुरक्षित होंगे। आज आपके समक्ष ई-पत्रिका नवोन्मेष है, जिसका विषय कोविड-19 रखा गया है, इसमें जो लेख प्रेषित हैं वह आपके द्वारा ही लॉकडाउन में दिये गये हैं। शिक्षा के साथ आप इस महामारी के बारे में कितने जागरूक हैं? यह जानना भी महाविद्यालय का कर्तव्य था।

इस विषय पर आपके द्वारा जो लेख प्राप्त हुए, वह बहुत ही ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी हैं। इसी प्रकार प्राध्यापकों के भी लेख आकर्षक एवं ज्ञान में वृद्धि करने वाले हैं, जिसे पढ़कर आपको अच्छा लगेगा।

शिक्षा विद्यार्थियों को अच्छा इंसान बनने, शाश्वत मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने और भविष्यत जीवन संघर्ष में शुचिता पूर्ण साधन का उपयोग करते हुए सफल होने का मार्ग प्रशस्त करती हैं साथ ही विद्यार्थियों में जिज्ञासा का अंकुरण करती हैं। सच्चे ज्ञानार्जन का यही सुफल होता है। आज कुछेक शिक्षित युवाओं में कुंठा, हताशा, दिशा भ्रम दिखाई देता है वह इस बात की ओर स्पष्ट इशारा करता है कि ज्ञानार्जन के सही मार्ग से उनका कहीं न कहीं विचलन हुआ है। वे हमारे देश के महान लोगों की जीवन गाथाओं से अछुते रहें हैं। आज की इस विषम परिस्थितियों में आपको स्वतंत्रता सेनानियों, महान विद्वानों के ग्रंथों को पढ़ने की अत्यंत आवश्यकता है जिससे आपको सही मार्गदर्शन मिल सके।

नवीन सत्र की शुरुआत नवीन विचारों, नवीन ऊर्जा और उत्साह के साथ करें महाविद्यालय परिवार आपके साथ है। शुभकामनाओं के साथ

डॉ. अनीता अग्रवाल  
सम्पादक



## मुख्य परीक्षा 2018-19 में कक्षावार प्रथम विद्यार्थी



Swati Gyani  
M.Com IV Sem.



Bittu Sisodiya  
M.Com II Sem.



Anjali Jhanjhot  
B.Com III Year (CA)



Payal Soni  
B.Com III Year (P)



Kirti Parmar  
B.Com III Year (Tax)



Ikra Qureshi  
B.Sc. III Year (MB)



Yashwant Sharma  
B.Sc. III Year (P)



Vandana Mandloi  
B.Sc. III Year (CS)



Priyanshi Rathore  
BBA III Year



Bhumika Gupta  
BCA 6 Sem.



Yuvraj S.Ranawat  
B.Com (CA) II Year



Sakshi Swami  
B.Com (P) II Year



Mahip Jain  
B.Com (Tax) II Year



Abha Bais  
B.Sc.(CS) II Year



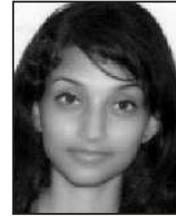
Divya Choudhary  
B.Sc.(MB) II Year



Gopal Sharma  
B.Sc.(P) II Year



Nikita Singh  
BBA II Year



Tista Nandi  
BCA IV Sem.



Isha Sharma  
B.Com. I Year (CA)



Mehlam Salar  
B.Com I year (P)



Riya Tiwari  
B.Com I Year (Tax)



Vishvjeet Rathore  
B.Sc.I Year (CS)



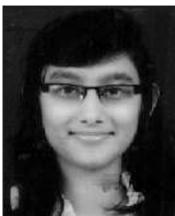
Priyanka Jain  
B.sc I (MB)



Yuvraj S Parihar  
B.Sc. I Year (P)



Divya Prajapat  
BBA I Year



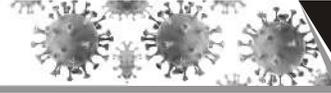
Khushi Khabiya  
B.Com (Hons) I Year



Parth Hinge  
BCA II Sem.



Urvashi Jain  
BA (MC) II Sem.



## महाविद्यालय की खेल कूद गतिविधियाँ

### विश्वविद्यालय स्तर पर



सृष्टि तिवारी  
B.Sc. (MB) I Year  
तैराकी



अर्थव तिलगुडकर  
B.Com I Year (CA)  
टेबल - टेनिस



दिव्यांशु शर्मा  
B.Com II Year (P)  
सॉफ्टबॉल



गितेश अग्निहोत्री  
B.Com I Year (P)  
सॉफ्टबॉल



विशाल गेहलोट  
B.Sc. III Year (MB)  
खो-खो

## महाविद्यालय की एन.सी.सी. इकाई की गतिविधियाँ



रविराज सिंह देवड़ा  
EPSB Camp  
जम्मू-कश्मीर



तरुण भताने  
EPSB Camp  
आंध्रप्रदेश



भारत जैन  
National Camp  
आर्मी अटेचमेंट कैम्प (सागर)



अक्षय राज सिंह  
National Camp  
आर्मी अटेचमेंट कैम्प (सागर)



अखिलेन्द्रसिंह डोडिया  
ऑल इंडिया ट्रेकिंग कैम्प  
अमरकंटक (गोल्ड मेडल)



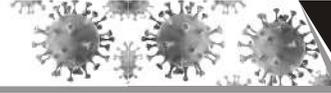
विश्वजीत सिंह  
स्काउट गार्ड अधिकारी  
भोपाल



अमित कुशवाह  
म.प्र.होमगार्ड पुलिस  
उज्जैन



घनश्याम दांगी  
भारतीय थल सेना  
में चयन



## राष्ट्रीय केडेट कोर की गौरवमय उपलब्धियाँ



महाविद्यालय NCC ईकाई के सैनिक छात्र घनश्याम दांगी का भारतीय थल सेना में चयन



All India Tracking camp, kadpa, Andhra Pradesh



NCC day celebration 2019-2020



मेरी पृथ्वी मेरा दायित्व दिवस पौधा रोपण

# महाविद्यालय की गतिविधियाँ



प्लेसमेंट टेस्ट III। ईयर विद्यार्थी



राजीव गांधी जन्म शताब्दी वर्ष



विज्ञान प्रदर्शनी



आईक्यूएसई मीटिंग



लोकमान्य टिळक शोध एवं अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन



हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत व्याख्यान



दीपावली मिलन समारोह



चन्द्रयान पर पीपीटी के माध्यम से व्याख्यान

# विद्यार्थियों के लिए आयोजित विभिन्न सेमिनार



दिव्या प्रजापत (BBA II Years)



पलक झामनानी (B.Com II - Hons.)



अक्षत सेठी (B.Com II - Hons.)



विश्व निवेशक सप्ताह के अतर्गत व्याख्यान



विद्यार्थी सेमिनार गुप फोटो (कॉमर्स क्लब)

## विद्यार्थियों के लिए आयोजित विभिन्न सेमिनार



माइक्रो बायोलॉजी - सृष्टि तिवारी, श्रेया देशमुख (B.Sc.I Year (M.B.))



भौतिकी - नेहा चौधरी (B.Sc.I Year - C.S.)

## विद्यार्थियों के लिए आयोजित विभिन्न औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण



विधान सभा (भोपाल) शैक्षणिक भ्रमण (वाणिज्य संकाय)



इको फ्रेंडली गार्डन शैक्षणिक भ्रमण (विज्ञान संकाय)



शौर्य स्मारक (भोपाल)



बांगड़ ग्रुप - अर्पित प्लास्टिक औद्योगिक भ्रमण (वाणिज्य संकाय)

# एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. की विभिन्न गतिविधियाँ



रक्तदान शिविर (एन.सी.सी.)



सद्भावना रैली सायकल यात्रा



एन.सी.सी. कैम्प कनासिया में पुरस्कृत विद्यार्थी



प्रार्थना - एन.एस.एस. प्रशिक्षण शिविर



व्याख्यान - एन.एस.एस. शिविर



राष्ट्रीय एकता दिवस एन.एस.एस. कार्यक्रम



# विद्यार्थियों के लिए आयोजित वाणिज्य एवं विज्ञान क्वीज





## वार्षिक प्रतिवेदन : 2019

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त एवं विक्रम विश्वविद्यालय उच्च शिक्षण से स्थायी संबद्धता प्राप्त इस महाविद्यालय का सम्पूर्ण सत्र सफलता एवं उपलब्धियों से भरा रहा। मा.प्र. शासन के उच्च शिक्षा विभाग एवं विक्रम विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश अनुसार सत्र 2019-20 हेतु प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई। इसी प्रकार महाविद्यालय में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार संबद्ध पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न हुई। दोनों ही विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में कक्षावार प्रवेश की स्थिति इस प्रकार है :-

### New Admission

Class	2019-2020			
	I	II	III	Total
B.Com CA	55	69	54	178
B.Com. Plain	55	58	39	152
B.Com Tax	14	8	13	35
B.Sc. C.S.	21	39	12	72
B.Sc. M.B	23	20	14	57
B.Sc. Plain	2	10	6	18
B.Com. Hons.	12	18	-	30
BBA	31	21	17	69
M.Com.	11	20	0	31
BCA	19	19	33	71
M.Sc. CS.	2	2	0	4
DCA	16	0	0	16
PGDCA	13	0	0	13
B.A. MC	0	1	0	1
<b>Total</b>	<b>274</b>	<b>285</b>	<b>188</b>	<b>747</b>

### परीक्षा परिणाम मई-जून 2018-19

कक्षा	पंजीकृत छात्र	उत्तीर्ण छात्र	प्रतिशत
<b>VIKRAM UNIVERSITY</b>			
B.Com I Year	161	161	100%
B.Com II Year	105	105	100%
B.Com VI Sem	104	104	100%
B.Com (Hons) I Year	15	15	100%
B.Sc.I Year	64	54	84%
B.Sc.II Year	32	28	88%
B.Sc.VI Sem	51	51	100%
BBA I Year	15	14	94%
BBA II Year	17	17	100%
BBA VI Sem	09	09	100%
M.Com II Sem	24	24	100%
M.Com IV Sem	15	15	100%
<b>MCRPV</b>			
BCA II Sem	20	20	100%
BCA IV Sem	41	41	100%
BCA VI Sem	25	25	100%
PGDCA II Sem	11	11	100%
DCA II Sem	16	16	100%
M.Sc. II Sem	02	02	100%
M.Sc. IV Sem	07	07	100%
BA (MC.)	02	01	50%



## वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20

### बजट पर परिचर्चा

महाविद्यालय में दिनांक 6/7/2019 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे जी के नेतृत्व में महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापकों के द्वारा बजट के विभिन्न पक्षों पर चर्चा की गई। विषय का प्रवर्तन डॉ. केतकी त्रिवेदी द्वारा किया गया जिन्होंने पूर्णकालिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देते हुए इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की, कि वह देश की प्रथम महिला वित्त मंत्री है जिन्होंने पहला बजट पेश करते हुए पुरानी परंपराओं को बदलकर भारतीय संस्कृति की पूर्ण स्थापना करते हुए मखमली लाल कपड़े में बजट को पेश किया, जिसे बहीखाता का नाम दिया गया। तत्पश्चात डॉ. शीतल कुमार शर्मा जी ने बजट के विभिन्न पहलुओं को बताते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि यह बजट गांव, गरीबों और किसानों के लिए हितकारी है तथा अमीरों पर कर दायित्व को बढ़ा दिया गया है। डॉ. अक्षिता तिवारी ने कृषि ग्रामीण उद्योगों के लिए उद्यमियों का विकास करने के लिए बजट में 100 नए क्लस्टर बनाए जाएंगे, इनमें 50,000 किसान व शिल्पकार जोड़े जाएंगे। डॉक्टर नितिशा तोषनीवाल के द्वारा अमीर वर्ग पर कर में वृद्धि को देश के विकास में सहायक बताते हुए आर्थिक विषमताओं को दूर करने का साधन बताया। डॉ. ममता पंड्या द्वारा बजट में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए

एवं महिलाओं में रोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वसहायता समूह की महिला सदस्य को कर में छूट देने एवं जन धन खाता योजनाओं में ओवरड्राफ्ट की छूट को 5000रु तक बढ़ा दिया गया एवं सरकार के द्वारा युवाओं के विकास के लिए स्टडी इन इंडिया, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी, नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, ज्ञान योजना आदि योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। डॉ. मीनल वनवट ने बजट की अभिप्राप्तियों व उनके खर्च की विभिन्न मदों का विश्लेषण किया और बताया कि बजट अर्थव्यवस्था के विकास में सहायक है। डॉ. स्मृति जैन ने बजट से रोजगार वृद्धि के क्षेत्रों का जिक्र किया। श्री अमित जैन ने आर्थिक विकास में बजट प्रावधानों को ना काफी बताया एवं भविष्य में आर्थिक विकास की वृद्धि को विदेशी मुद्रा में मापन की जगह देशी मुद्रा में नापन पर जोर दिया जाना चाहिए यह कहते हुए अपनी बात रखी। बजट चर्चा पर महाविद्यालय के बाकी सभी प्राध्यापकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए कुल मिलाकर 19-20 का बजट देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने, आर्थिक विषमताओं को दूर करने की दृष्टि से लाभकारी है। इस प्रकार की चर्चा का आयोजन महाविद्यालय में प्रथम बार हुआ।

### शिक्षा नीति पर परिचर्चा

महाविद्यालय में दिनांक 09/07/2019 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे ने परिचर्चा के क्रम को बढ़ाते हुए "शिक्षा नीति के परिवर्तन सूत्र" विषय पर समस्त प्राध्यापकों के साथ चर्चा की। समस्त प्राध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारूप जो शिक्षा विभाग ने चर्चा के लिए प्रस्तुत किया था, उस की प्रतिलिपि पूर्व में ही स्टॉफ को अध्ययन हेतु

वितरित कर दी गई थी। चर्चा के मुख्य बिंदु निम्न प्रकार हैं—

(1) नाम परिवर्तन केंद्रीय मंत्रालय का नाम शिक्षा मंत्रालय करने का प्रस्ताव।

(2) राष्ट्र शिक्षा आयोग का स्वरूप अधिक स्वायत्त एवं शक्तिशाली बनाने हेतु शिक्षाविदों का सहभाग बढ़ाया जाए।



(3) लचीलापन शिक्षा नीति के प्रारूप में 5+3+3+4 की रचना प्रस्तुत की है जिसमें 15 व्यावसायिक विषय होना अनिवार्य है Multiple it का प्रावधान भी है अर्थात् जैसे प्रथम वर्ष की शिक्षा पूरी करने पर यदि किसी को अध्ययन छोड़ना पड़ा तो उसे प्रमाण पत्र मिल सके । द्वितीय वर्ष की शिक्षा पूर्ण करने पर पदविका अर्थात् डिप्लोमा तथा 3 वर्ष पूर्ण करने पर पदवी (डिग्री) प्राप्त हो । 4 वर्ष के अध्ययन के बाद सम्मान पदवी (ऑनर्स डिग्री) दी जाएगी ।

(4) राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रस्तावित है

(5) भारतीय भाषा (त्रिभाषा) हिंदी, क्षेत्रीय, अंग्रेजी भाषा के रूप में अनिवार्य है संस्कृत भाषा विज्ञान की नींव है इस पर भी विचार किया जा रहा है ।

इन बिंदुओं के अलावा अन्य चर्चा के विषय इस प्रकार रहे – नेशनल रिसर्च फाउंडेशन एन.आर.एफ शिक्षक और वेतन व्यावसायिक शिक्षा ,पूर्ण स्वायत्तता, भारत बोध पाठ्यक्रम, पारदर्शी गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थापन उद्योग का सहभाग, कला और सामाजिक विषय के राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, भारत केंद्रित, शिक्षण विधि, समाज पोषण, वित्त विपुलता, वैश्विकता, आधार पाठ्यक्रम आदि पर विस्तृत चर्चा की गई ।

**उपरोक्त विषय पर परिचर्चा में निम्न सुझाव दिए गए –**

- NCERT Books को समस्त विद्यालयों में अनिवार्य किया जाए ।
- पाठ्यक्रम में एकरूपता लाई जाए ।
- सभी यूनिवर्सिटी का यूनिफाइड सिलेबस होना चाहिए ।
- परिचर्या बिंदु क्रमांक 9 पूर्ण स्वायत्तता शिक्षा संस्थानों को कदापि न दी जाए क्योंकि इससे निजी एवं अर्द्ध शासकीय महाविद्यालयों द्वारा स्वयं का पाठ्यक्रम प्रस्तावित किया जाएगा और फिर पाठ्यक्रम में एकरूपता नहीं रहेगी ।

- Exam Pattern Revised करना चाहिए । इन समस्त बिंदुओं पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों द्वारा चर्चा की गई एवं उससे संबंधित सुझाव भी दिए गए

#### **परिचर्या शिक्षा नीति के परिवर्तन सूत्र**

- Eligibility के विषय में Uniformity (एकरूपता) होनी चाहिए ।
- स्टैंडर्ड फॉरमैट तय हो जिसका अनिवार्य रूप से पालन हो ।
- एक विश्वविद्यालय से अध्ययन छोड़ने पर दूसरे विश्वविद्यालय में आसानी से प्रवेश हो गाइड एवं 20-20 की पूर्णत प्रतिबंधित हो ।
- परीक्षा प्रणाली में परिवर्तन होना चाहिए ।
- ऑटोनॉमस स्टेटस देने के लिए पक्ष एवं विपक्ष गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ सकता है ।

### **मेरी धरती मेरा दायित्व**

महाविद्यालय में "मेरी धरती मेरा दायित्व" कार्यक्रम के तहत दिनांक 17-07-2019 को पौधारोपण किया गया । इस कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस एवं महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा पीपल का पौधा रोपण किया गया । पीपल वृक्षों का राजा है पीपल ऑक्सीजन को स्वच्छ करता है जिसकी वजह से मौसम शांत रहता है पिछले 68 वर्षों में पीपल, बरगद ,और नीम के पेड़ों

को सरकारी स्तर पर लगाना बंद किया गया है । इसीलिए महाविद्यालय में एनसीसी, एनएसएस के छात्रों द्वारा नक्षत्र वाटिका एवं कॉलेज कैम्पस के विभिन्न स्थानों पर " My earth my duty " पीपल के पौधे रोप कर कार्यक्रम संपन्न किया गया । इस कार्यक्रम में लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास के कार्यपालन अधिकारी माननीय श्री गिरीशजी भालेराव, प्राचार्य महोदय, आर्मी स्टॉफ सूबेदार मेजर



रघुवीरसिंह 10 एम.पी.बटालियन, एन.सी.सी.  
अधिकारी श्री चन्द्रशेखर शर्मा, एन.एस.एस.

अधिकारी डॉ.स्मृति जैन और महाविद्यालय का  
समस्त स्टॉफ उपस्थित था।

### मिशन चंद्रयान 2 पर सेमिनार

महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों के द्वारा दिनांक 29/7/19 को लोकमान्य तिलक विद्या विहार स्कूल में चंद्रयान-2 की कल्पना से लेकर उसके निर्माण, कार्य में आने वाली बाधाओं, उनका निराकरण चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण एवं 7 सितंबर तक होने वाले विभिन्न

घटनाओं एवं चंद्रयान के विभिन्न भागों का विवरण पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय के सहा. प्राध्यापक श्री सुधीर कुमार सोलंकी, श्री योगेश मिश्रा एवं श्री चंद्रशेखर शर्मा द्वारा विद्यार्थियों की जिज्ञासा को शांत किया गया।

### ठिक पुण्यतिथि पर क्वीज कॉम्पिटिशन का आयोजन

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी पर दिनांक 31/07/2019 को लोकमान्य तिलक महाविद्यालय में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस क्विज प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों में 76 छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की। सभी विद्यार्थियों को तिलक जी से संबंधित जानकारी प्रतियोगिता के 2 दिन पूर्व उपलब्ध करा दी गई थी जिससे उन्हें तिलक जी के जीवन के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। इस क्विज प्रतियोगिता में 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए थे। प्रतियोगिता में 3 विद्यार्थी प्रथम व 3 विद्यार्थी द्वितीय स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता का परिणाम निम्न प्रकार से रहा।

#### प्रथम पुरस्कार

लीना भावसार	BBA II Yr
सुमित सिंह अहिरवार	B-Com(CA) II Yr
आदित्य बंसल	B-Com (P) I Yr

#### द्वितीय पुरस्कार

श्रेया देशमुख	B-Sc (MB) I Yr
संजीव जोशी	B-Com II Yr
सृष्टि तिवारी	B-Sc (MB) I Yr

### SEBI वित्तीय शिक्षा कार्यशाला

दिनांक 03/08/2019 को महाविद्यालय में SEBI पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन के प्रोफेसर श्री अमित जोशी थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएस श्री आदित्य नामजोशी जी ने की।

आप ने Share, Debenture, Bonds, Debit Card एवं Credit Card के सदुपयोग को बताया। श्री जोशी ने Financial Institution की

जानकारी देते हुए बताया कि कहां-कहां आप Investment कर सकते हैं। Insurance का फायदा किस तरह से ले यह सभी को बताया साथ ही साथ Long Term Investment एवं Short Term Investment किस तरह की जाए यह बताया।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए श्री नामजोशी जी ने कहा कि वित्तीय सुरक्षा एवं विनिमय की जानकारी प्रौढ़ एवं बड़ी उम्र के लोगों से अधिक बच्चों एवं युवाओं को अधिक होना चाहिए। वित्तीय



शिक्षा की हर व्यक्ति को जानकारी होना चाहिए । Mutual Funds, Share Market में विनिवेश 1 वर्ष के लिए हो । Short Term के लिए Short Amount का निवेश करना चाहिए इसके लिए जोखिम प्रबंधन पर भी ध्यान देना चाहिए ।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक एवं लोकमान्य टिळक स्कूल के शिक्षक भी उपस्थित थे ।

### स्वतंत्रता दिवस

दिनांक 15/08/2019 को लोकमान्य टिळक महाविद्यालय एवं शिक्षा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास की सदस्या श्रीमती साशा जैन उपस्थित थी । एनसीसी के कमाण्डर के द्वारा प्राचार्यद्वय एवं अतिथि महोदया को ध्वजारोहण स्थल तक ले जाया गया ।

ध्वजारोहण के पश्चात एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थियों के द्वारा तिरंगे को सेल्यूट एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया । इस अवसर पर अतिथि महोदया द्वारा कहा गया कि महिलाओं की आत्मनिर्भर होने को लिये प्रेरित करना होगा तथा महिला और पुरुष को समान रूप से देखना होगा ।

दोनों महाविद्यालय के प्राध्यापकगण और विद्यार्थी इस अवसर पर उपस्थित थे ।

### सद्भावना दिवस

दिनांक 20.8.19 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर मंगलवार को जिला खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया । इस आयोजन में विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य, सहा. प्राध्यापक एवं विद्यार्थी शामिल हुए । यह दौड़ कोठी पैलेस से शुरू होकर देवास रोड होते हुए शहीद पार्क पर खत्म हुई इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य सद्भावना का संदेश देना था । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे एवं समस्त सहायक प्राध्यापक इस सद्भावना दौड़ में शामिल हुए । इस दौड़ में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपनी भागीदारी की जिनके नाम इस प्रकार हैं एनसीसी के कैडेट्स तरुण भताने, रविराज सिंह देवड़ा, कृष्णपाल सिंह योगी, संदीप जाट, अमन जाट, अखिलेंद्र सिंह डोडिया, प्रवीण राजपूत, कुणाल सेन,

विश्वास सिंह, आशीष मीणा, अमित कुशवाह, लाखन सिंह नाहोर, जोजन सिंह राजपूत, दीपेश भावसार, हेमंत तोमर, घनश्याम दांगी, आशुतोष व्यास, करण राणा थे एवं एनएसएस के सूरज राठौड़, ऋषभ जैन, आशीष नीमा, पिकेश, हर्षित निगम, गोपाल, अभिषेक जैन उपस्थित रहे ।

इस अवसर पर कोठी पैलेस पर शासन के द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं जनसभा को सद्भावना की शपथ भी दिलवाई गई । इसी अवसर पर लोकमान्य तिलक महाविद्यालय में मंगलवार को सद्भावना दिवस पर भोपाल से मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के संदेश का सीधा प्रसारण किया गया । इस संदेश को विद्यार्थियों तक लोकमान्य तिलक महाविद्यालय में दिनांक 20.8.2019 को सद्भावना दिवस मनाया गया । इस हेतु सभी संकाय के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर लेब में एकत्रित कर भोपाल



से मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी के संदेश का सीधा प्रसारण सुनवाया गया एवं इसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे एवं समस्त प्राध्यापक भी सम्मिलित हुए । संदेश में बताया गया कि यह वर्ष

युवा संकल्प वर्ष के रूप में हर माह विभिन्न कार्यक्रम जैसे भाषण, पोस्टर, परिचर्चा, काव्य पाठ, लोक नृत्य, समूह गान आदि करवाया जाएगा एवं यह वर्ष युवा संकल्प वर्ष के रूप में मनाया जाएगा ।

### ICSI कैरियर प्रोग्राम

महाविद्यालय में 22/08/2019 को ICSI कैरियर प्रोग्राम का आयोजन राजाभाउ महाकाल हॉल में सम्पन्न हुआ । डॉ.अक्षिता तिवारी ने महाविद्यालय की विस्तृत जानकारी दी । साथ ही अतिथियों के परिचय से सभी को अवगत कराया । इंदौर चैप्टर ICSI के पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्ष CS सुश्री रुचि जोशी ने स्वागत भाषण दिया । माननीय कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश जी भालेराव, माननीय अध्यक्ष श्री किशोर जी खंडेलवाल, ICSI से CS श्री वरुण गुप्ता जी का चैप्टर ऑफिस इंदौर की ओर से स्वागत किया गया ।

Career programme में बताया गया कि CS सिर्फ कोई कोर्स नहीं है । यह एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है जो आपको महत्वपूर्ण बनाता है आप सलाहकार, प्रबंधक, ट्रस्टी, निदेशक आदि के रूप में काम करते हैं आपको कई महत्व के कई सोपानों पर पहुंचने में मदद करता है । ICSI का मुख्य वाक्य सत्यं वंद धर्मं चरं । सचिवीय को पूरे स्किल के साथ करने में यह महत्वपूर्ण कोर्स है । CS श्री आशीष करौंदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत कुछ वर्षों से कॉरपोरेट विकास में सीएस का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । विविध कॉरपोरेट कानूनों के पालन करने का दायित्व भी एक सीएस का रहता है । लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास की ओर से अध्यक्ष महोदय ने मार्गदर्शन देते हुए बताया कि आज के दौर में पूरा आकाश आपको उड़ने में मदद देने को तैयार है । अब आपको अपने पंखों को

मजबूती देना है । इस सब का उद्देश्य देश का विकास करना ही ICSI के द्वारा किया गया कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है । आपने, "देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें" गीत विद्यार्थियों के साथ मिलकर गाया ।

इस अवसर पर ICSI के वाइस प्रेसिडेंट CS श्री आशीष गर्ग ने लोकमान्य तिलक स्कूल में अपने विद्यार्थी जीवन के कुछ संस्मरण भी सुनाये । आपने CS Olympiad जो कि जनवरी में होगा उसे विद्यार्थियों को देने हेतु कहा । उन्होंने कहा बहुत सारी दुविधाएं आएंगी, बहुत सारे रास्ते आएंगे, तुम अपने आत्मबल से काम करते रहना ।

श्री वरुण गुप्ता ने इस अवसर पर प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि

- कॉरपोरेट वर्ल्ड में अनेक संभावनाएं हैं अच्छा बोलना एवं अच्छा लिखना सीखिए एवं एक अच्छा Communicator बनिये ।
- टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल करना सीखिए ।
- Subject कोई बाधा नहीं है । अंत में आप ने कहा कि Success आप को जब ही मिल सकती जब आप केवल सही समय, सही दिशा, सही कदम उठाकर सही निर्णय को लेते हैं । 12वीं के बाद केवल 4 वर्ष का संकल्प लेना है । संकल्प लेकर करके दिखाएं ।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे जी ने सभी का आभार व्यक्त किया ।



## हिन्दी पखवाड़ा

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं लोकमान्य टिळक महाविद्यालय 16 सितम्बर 2019 को हिन्दी पखवाड़े का समापन किया गया। इसके अन्तर्गत डॉ. दुर्गाशंकर सूर्यवंशी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। आपने कहा हिंदी दिवस 14 सितम्बर 1953 से मनाया जाने लगा। इतने वर्ष हो जाने के बाद भी आज हमें इस दिवस को मनाना पड़ रहा है इसका कारण क्या है? आज देश में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। शिक्षक सिर्फ पढ़ाते ही नहीं उनके आचरण को भी विद्यार्थी पढ़ते हैं। हमें भाषा बोलने और लिखने का संकल्प लेना चाहिये। माता और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं होता है अपनी भाषा पर गौरव करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य गोविन्दगन्धे ने की। संचालन डॉ. अनिता अग्रवाल ने किया।

## हिन्दी राष्ट्र की अस्मिता है - डॉ. प्रेमलता

हिन्दी मातृभाषा नहीं है अपितु वह हमारे राष्ट्र की अस्मिता है, गौरव है। अतः सभी भारतीयों का यह कर्तव्य है कि राष्ट्र के गौरव की रक्षा करें एवं उसमें वृद्धि करने का प्रयास करें।

लोकमान्य टिळक महाविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़े के आयोजन पर डॉ. प्रेमलता चुटैल ने यह वक्तव्य दिये। आपने कहा कि किसी भी राष्ट्र की भाषा राष्ट्र के साथ-साथ वहाँ के नागरिकों की भी पहचान होती है। हमें सजग रहना होगा एवं भाषा की चेतना को जगाये रखना होगा। इस कार्य को संकल्प के साथ करने से ही सफलता मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे ने की। इस कार्यक्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के डॉ. नीरज सारवान एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिता अग्रवाल ने किया।

## गांधी जयंती

2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का जन्मदिवस महाविद्यालय में उत्साह से सम्पन्न हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उज्जैन दक्षिण क्षेत्र के विधायक माननीय श्री मोहन यादव थे। अध्यक्षता नगर निगम के सभापति माननीय श्री सोनूजी गेहलोत ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र की पार्षद श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी उपस्थित थी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने गांधीजी के ग्रंथ सत्य के प्रयोग एवं हिन्द स्वराज्य के अंशों को प्रस्तुत किया। स्वराज, स्वच्छता, प्रेरक प्रसंग और स्वावलंबन इन विषयों के अंश प्रस्तुत किये गये। महाविद्यालय के एन.सी.सी. बटालियन के स्वच्छता पखवाड़े का भी आज समापन हुआ। उत्कृष्ट कार्य के लिये तरुण भताने एवं लीना भावसार को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे द्वारा कार्यक्रम की भूमिका रखी गई। अतिथियों का परिचय डॉ. अनिता अग्रवाल के द्वारा दिया गया। आभार प्रदर्शन डॉ. मीनल वनवट ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितिशा तोषनीवाल के द्वारा किया गया।

## गांधी और असाध्योग आंदोलन

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जन्मदिवस के अवसर पर नवम्बर माह में आयोजित होने वाली गतिविधियों में व्याख्यान सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी एवं मुख्य वक्ता के रूप में शा. शिक्षा महाविद्यालय के प्रोफेसर श्री जीवनप्रकाश आर्य भी उपस्थित थे।

16/11/2019 को गांधीजी और असाध्य रोग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। गांधीजी के प्रमुख सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और प्रार्थना का संक्षिप्त वर्णन करते हुए असाध्य रोगों पर गांधीजी के विचारों को समझाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा मुख्यवक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. परिहार द्वारा एवं आभार डॉ. अनिता अग्रवाल द्वारा माना गया।

## युवा उत्सव

उच्च शिक्षा विभाग एवं विक्रम विश्वविद्यालय के आदेशानुसार दिनांक 25/09/2019 को अंतर महाविद्यालयीन युवा उत्सव का आयोजन किया गया। युवा उत्सव के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें रांगोली, गायन, वादन, नृत्य, वाद-विवाद, वृत्तता, प्रश्नमंच, पोस्टर, कोलॉज, मूर्तिकला, एकाकी प्रमुख है। इस आयोजन में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़-चढ़कर रही। रांगोली में प्रथम श्रेया देखमुख (B.Sc. I year), पोस्टर निर्माण में प्रथम लीना भावसार (B.B.A. II year), कले मॉडलिंग में प्रथम फुरकान (B.B.A. II year), कोलॉज में प्रथम यशस्वी अमूलकर (B.Sc. I year), एकल गायन में प्रथम श्रेया देशमुख (B.Sc. I year), वाद विवाद



पक्ष में प्रथम लीना भावसार (B.B.A.II year), विपक्ष में प्रथम श्रेया देशमुख (B.Sc. I year), वक्तृता में प्रथम ईशान शर्मा (B.B.A.II year) और एकांकी में प्रथम दिव्या जाट का समूह रहा।

इसीप्रकार समूह नृत्य में काजल जैन, पलक महाजन, अदिति शर्मा, वैशाली, अपर्णा, उमा भाटी, आयुषी प्रथम रही। विद्यार्थियों ने इस आयोजन के द्वारा अपनी प्रतिभाओं को उजागर किया।

### दीवाली मिलन समारोह

दिनांक 02/11/2019 को लोकमान्य टिळक महाविद्यालय में दिवाली मिलन समारोह मनाया गया। इस समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारी के साथ सांस्कृतिक न्यास के अध्यक्ष श्री किशोर जी खण्डेलवाल एवं कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश जी भालेराव भी

सम्मिलित थे। इस दीपोत्सव पर्व में कक्ष को दीपों एवं फूलों से सजाया गया तथा दिवाली का त्यौहार सभी ने किस तरह मनाया, जो भी नवीनीकरण किये या आपने समाज में क्या योगदान दिया, इन सभी बातों पर चर्चा की गई तथा मिठाई, नमकीन एवं आतिशबाजी के साथ यह पर्व मनाया गया।

### जिला स्तरीय नृत्य प्रतियोगिता

महाविद्यालय में दिनांक 19/10/2019 को जिला स्तरीय युवा उत्सव के अन्तर्गत एकल नृत्य (शास्त्रीय) एवं लोकनृत्य समूह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम संयोजिका डॉ.अनिता अग्रवाल ने बताया कि एकल नृत्य (शास्त्रीय) में विजेता प्रियांशी नागर, शा. माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन रही, उपविजेता जान्हवी तेलंग शा.कन्या

स्नातकोत्तर महा.उज्जैन रहीं। समूह नृत्य में विजेता टीम लोकमान्य टिळक विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन रहा। कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग ममता पण्ड्या एवं श्री चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा दिया गया। संचालन श्रीमती सोनल गोधा ने किया। परिणाम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे ने घोषित किये।

### संभाग स्तरीय नृत्य प्रतियोगिता

दिनांक 05/11/2019 को दो दिवसीय संभाग स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन विक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने भी लोकनृत्य में अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संभाग के

सात जिलों उज्जैन, देवास, रतलाम, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा के छात्र छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति दी। जिसमें लोकमान्य टिळक महाविद्यालय संभाग स्तरीय लोकनृत्य में उपविजेता रहा।

### वाकणकर जन्म शताब्दी समारोह

**प्रारंभ 14.12.2019**

भारत के गौरव को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने वाले उज्जैन के गौरव पद्मश्री डॉ.विष्णु श्रीधर वाकणकर जी का जन्म शताब्दी वर्ष प्रारंभ हुआ।

यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संस्कार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अमीर चन्द नई दिल्ली उपस्थित थे। श्री अमीर चन्द ने वाकणकर जी के कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा, डॉ.वाकणकर इतिहास, पुरातत्व तथा ज्योतिष के क्षेत्र के प्रसिद्ध स्कॉलर रहे हैं। उनके द्वारा खोजी गई भीमबेटका की धरोहर को युनेस्को द्वारा वैश्विक धरोहर के रूप में संरक्षित किया गया है। उन्होंने उज्जैन तथा आसपास के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण

खोज की हैं। विश्व में चर्चा में रही सरस्वती नदी की खोज का श्रेय भी श्री वाकणकर जी को ही जाता है। आज आवश्यकता है उनकी इस वैश्विक धरोहर को हम युवा पीढ़ी के सम्मुख प्रस्तुत करें।

कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमती रश्मि घुगरे द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। ध्येय गीत श्री कुलदीप दुबे द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में अतिथि परिचय श्री संजय शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष संस्कार भारती मालवा प्रांत द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.रमण सोलंकी द्वारा किया एवं आभार प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ.संगीता पाटकर, श्रीमती शुभा मराठे, श्रीमती वसुधा केसकर, डॉ.अरुण शुक्ला, एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे।



## एन.सी.सी. (राष्ट्रीय केडेट कोर)

महाविद्यालय एनसीसी इकाई के छात्र-छात्राओं ने सत्र 2019-2020 में नए कीर्तिमान बनाए। सत्र के प्रारंभ से ही महाविद्यालय एनसीसी इकाई के छात्र अखिलेन्द्र सिंह डोडिया ने ऑल इंडिया ट्रेकिंग कैम्प अमरकंटक में गार्ड ऑफ ऑनर में रजत पदक प्राप्त कर महाविद्यालय एवं 10 म.प्र. बटालियन का नाम गौरवां वित किया। 21 जून 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस पर महाविद्यालय के 38 छात्र-छात्राओं ने कालिदास अकादमी में आयोजित योग दिवस पर सहभागिता की। 17 जुलाई 2019 को मेरी पृथ्वी मेरा दायित्व दिवस के अन्तर्गत लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास एवं समिति के कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश जी भालेराव, 10 म.प्र. बटालियन के सूबेदार मेजर रघुवीर सिंह एवं प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन में नीम, पीपल के पेड़ लगाए गए। 26 जुलाई 2019 को महाविद्यालय एनसीसी इकाई द्वारा 10 म.प्र. बटालियन के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस मनाया गया और महाविद्यालय एनसीसी इकाई को सम्मानित कर कारगिल विजय दिवस का प्रतीक चिन्ह कर्नल राजकुमार दाहिया जी द्वारा प्रदान किया गया।

2 अक्टूबर 2019 को गांधी जयंती पर सद्भावना दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की एनसीसी इकाई के छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की।

15 अगस्त 2019 को महाविद्यालय के छात्र सैनिकों ने 5 वर्षों की लगन और मेहनत को सार्थक करते हुए संभाग स्तर मार्च पास्ट में प्रथम स्थान प्राप्त किया इस 21 सदस्यी दल का नेतृत्व महाविद्यालय एनसीसी इकाई के छात्र सैनिक रविराज सिंह देवड़ा द्वारा किया गया।

11 अक्टूबर 2019 को जम्मू कश्मीर नागरोंडों में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" नेशनल कैम्प में महाविद्यालय एनसीसी इकाई के छात्र रविराज सिंह देवड़ा ने चयनित होकर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

5 अगस्त से 19 अगस्त 2019 तक सागर में आयोजित आर्मी अटेचमेंट कैम्प सागर में कैडेट अक्षयराजसिंह एवं भारत जैन ने आर्मी के साथ रहकर उनके जीवन की बारीकी को समझा और युद्ध कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

17 सितम्बर 2019 से स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय एनसीसी इकाई द्वारा पॉलिथीन मुक्त उज्जैन मुहिम के अन्तर्गत जागरूकता रैली एवं

सफाई कार्य सम्पन्न किया।

26 सितम्बर से 05 अक्टूबर 2019 को इन्दौर में CATE कैम्प का इन्दौर में आयोजन हुआ जिसमें कविता पाठ में छात्र सैनिक अमित कुशवाह को गुप कमाण्डर विवेकजी शर्मा द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

29 सितम्बर को 10 एम.पी. बटालियन के नेतृत्व में सर्जिकल स्ट्राइक डे मनाया गया जिसमें महाविद्यालय एनसीसी इकाई द्वारा सहभागिता की गई।

6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2019 तक CATE कैम्प कनासिया मकसी में महाविद्यालय एनसीसी इकाई के छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की जिसमें संदीप जाट, विश्वजीत सिंह (आर.पी.), सुमन, रेखा सूर्यवंशी, ऋषि द्वारा कुल 5 स्वर्ण पदक पर कब्जा किया गया। महाविद्यालय एनसीसी इकाई द्वारा धूम्रपान निषेध नाटक जिसमें प्रगति उपाध्याय, सेजल नागर, रेणुका, ऋषि, रेखा सूर्यवंशी, प्रिया सिंह, साक्षी राठौर, पायल ने प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

7 नवम्बर 2019 को कालिदास कलश यात्रा उज्जैन भ्रमण पर महाविद्यालय एनसीसी इकाई द्वारा स्वागत किया गया एवं यात्रा में सहभागिता की।

71 वे एनसीसी दिवस को महाविद्यालय परिवार द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास के अध्यक्ष श्री किशोरजी खण्डेलवाल, कार्यपालन अधिकारी गिरीशजी भालेराव, 10 म.प्र. बटालियन के सी.एच.एम. बलविंदर सिंजी एवं सी.एच.एम. अवतारसिंह जी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र सैनिक तरुण भताने को सीनियर अण्डर ऑफिसर, रविराज सिंह देवड़ा को जूनियर अण्डर ऑफिसर, रेणुका परमार को जूनियर अण्डर ऑफिसर एवं संदीप जाट को सी.एच.एम. की रैंक प्रदान की गई एवं उत्कृष्ट छात्र सैनिकों को पुरस्कृत किया गया।

3 दिसम्बर से 10 दिसम्बर 2019 को (कडपा आंध्र प्रदेश) में आल इंडिया ट्रेकिंग कैम्प में महाविद्यालय के एस. यू.पी. तरुण भताने एवं सी.एच.एम. संदीप जाट का चयन हुआ। जिसमें एस.यू.ओ. तरुण भताने को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के बेस्ट कैडेट से सम्मानित कर स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में 10 एम.पी.



बटालियन एनसीसी के नेतृत्व में मनाया गया जिसमें 10 एम.पी. बटालियन एनसीसी के एस. एम. बलविंदर सिंह सर ने इस विजय दिवस के महत्व को छात्रों को बताया। छात्र/छात्राओं द्वारा रैली के माध्यम से विजय दिवस मनाया गया।

इस वर्ष सी सर्टीफिकेट परीक्षा में 10 छात्र/छात्राएं एवं बी सर्टीफिकेट परीक्षा में 26 छात्र/छात्राएं सहभागिता कर रहे हैं। सभी को महाविद्यालय परिवार की ओर से अग्रिम शुभकामनाएं।

## राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

महाविद्यालय में एन.एस.एस. इकाई ने वर्ष भर महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी की जिनकी जानकारी निम्नानुसार है।

1 अगस्त से 20 अगस्त को एक अभियान धरती के श्रृंगार के अंतर्गत म.प्र.शासन उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में हरियाली महोत्सव का शुभारंभ 1 अगस्त 2019 को किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरण शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री, जिला आई.टी नोडल अधिकारी डॉ.हरीश व्यास ने विद्यार्थियों तथा समस्त प्राध्यापक गण को पौधा संरक्षण तथा पौधा रोपण के लिये संकल्प दिलाया। इस अवसर पर महाविद्यालय में भी पौधा रोपण किया गया।

15 अगस्त 2019 स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडा वंदन लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास की न्यासी श्रीमती साशा जैन ने किया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.स्मृति जैन, श्रीमती अनुराधा परमार एवं समस्त प्राध्यापक गण ने भागीदारी की। झंडा वंदन के पश्चात् सभी विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा महाविद्यालय एवं विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया।

18/08/2019 को महाविद्यालय में 'एक अभियान धरती के श्रृंगार के अंतर्गत हरियाली महोत्सव मनाते हुए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों में राजलक्ष्मी कुशवाह ने 'पृथ्वी के संरक्षण में पर्यावरण पर चित्र' लीना भावसार ने 'जल संरक्षण में हरियाली की ओर' तथा दिव्या प्रजापत ने 'पर्यावरण की सुरक्षा हमारे हाथ' विषय पर चित्र बनाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया।

07 नवम्बर 2019 को कालिदास समारोह के शुभारंभ में कलश यात्रा महाकालेश्वर मंदिर के पास सरस्वती स्कूल से

निकाली गई। सुबह 7.30 बजे महाविद्यालय के रा.से.यो.के स्वयं सेवक यात्रा के लिये एकत्रित हुए। वहाँ से माधव विद्यालय होते हुए टॉवर से कालिदास अकादमी पहुंचे।

दिनांक 12/09/2019 को महाविद्यालय में रा.से.यो का छात्र अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विक्रम विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रशांत पुराणिक तथा जिला संगठन डॉ. प्रदीप लाखरे सर उपस्थित रहे। पुराणिक सर ने विद्यार्थियों को बताया कि शिक्षा के साथ समाजसेवा भी व्यक्ति के विकास के लिये आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद जी के विचारों की जानकारी विद्यार्थियों को दी, कि हर युवा राष्ट्र की सेवा करने में अपनी भागीदारी कर सकता है। क्योंकि प्रत्येक युवा ऊर्जावान है। राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी देते हुए बैच का महत्व बताया। जिस प्रकार बैच में 08 लाईने प्रहर को दर्शाती है उसी प्रकार स्वयं सेवकों को भी 24 घंटे कार्य करने के लिये तत्पर रहना चाहिये। लाखरे सर ने भी राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को बताया की सूर्य नमस्कार, सूर्य की आराधना, प्राणायाम, व्यायाम करना चाहिए जो विद्यार्थियों के मानसिक विकास में आवश्यक है, स्वच्छता बनाये रखना व लोगों को भी स्वच्छता बनाये रखने के लिये प्रेरित करना, यातायात के नियमों का पालन करना, गतिविधियों की जानकारी दी।

31 अक्टूबर 2019 को महाविद्यालय में एकता दिवस के उपलक्ष्य में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 144वीं जयंती मनाई गई। जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन ने विद्यार्थियों को देश की अखंडता एकता की शपथ दिलाई। रासेयो की स्वयं सेवक दिव्या प्रजापत ने सरकार वल्लभ भाई पटेल का जीवन परिचय दिया। छात्र ईशान शर्मा ने बताया की उनको लौह पुरुष क्यों कहा जाता है। कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनुराधा परमार ने बताया की सरदार वल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया और राष्ट्र की एकता में सक्रिय भूमिका निभाई।



दिनांक 20.08.2019 रा.से.यो. के स्वयं सेवक के द्वारा मैराथन दौड़ में भाग लिया गया, मैराथन दौड़ में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे सर उपस्थित थे। मैराथन दौड़ कोठी से सुबह 8.00 बजे प्रारंभ होकर 9.30 बजे टॉवर पर समाप्त हुई।

**एक दिवसीय छात्र-छात्रा अभिमुखीकरण कार्यक्रम :** राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में दिनांक 17/11/2019 को छात्र-छात्रा अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दो बौद्धिक सत्रों का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन द्वारा किया गया। इस सत्र में डॉ. रमण सोलंकी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य उपस्थित रहे। डॉ. रमण सोलंकी (मुक्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी) ने स्वयं सेवकों को बताया की प्राचीन भारत की परंपरा ही राष्ट्रीय सेवा योजना है। सोलह संस्कारों को आप लोगों ने जान लिया यही राष्ट्रीय सेवा योजना है। अभिमन्यु जन्म से पहले से ही ज्ञान लेकर आया था। हमारी जन्म तारीख से ही राष्ट्रीय सेवा योजना चालू हो जाती है। हमें पता होना चाहिए ईसा के जन्म से ही हमारी जन्म तारीख आई है। राष्ट्रीय सेवा योजना 1969 में स्वरूप में आई लेकिन इसका इतिहास बहुत पुराना है -

“राष्ट्र की सेवा करना योजना बनाकर” ही राष्ट्रीय सेवा योजना है। चार संगठन देश में राष्ट्र की सेवा के लिये योजना बनाकर कार्य कर रहे हैं हमारे देश में ईसा, बुद्ध, महावीर, सभी ने राष्ट्रीय सेवा योजना पर कार्य किये हैं और आज भी हमें यही करना है। हमारी प्रातः 5 बजे होना चाहिये तभी हमारी राष्ट्रीय सेवा प्रारम्भ होगी। उदाहरण देकर स्वयं सेवकों को समझाया कि एक बच्चा रास्तों में गिर गया आपने उसे उठाया यही आपकी राष्ट्रीय सेवा योजना है। स्वामी विवेकानन्द के बारे में बताया कि रा.से.यो.के धैर्य पुरुष स्वामी विवेकानन्द जी हैं। उदाहरण देकर समझाया की हमें बीमारियों को रोकना है, इसलिये हमें भी लोगों को समझाना है कि पाऊच न खाएं, धूम्रपान न करें, पॉलीथीन का उपयोग न करें यही हमारी राष्ट्रीय सेवा योजना है। आपने कालिदास समारोह की जानकारी दी की प्रतिवर्ष होने वाले कालिदास समारोह में आप लोग को जाना चाहिये वहां आपको चल-चित्र के माध्यम से भारतीय संस्कृति देखने को मिलेगी। कालिदास के ग्रन्थों के बारे में बताया गया। स्वयं सेवकों को बताया गया कि अच्छे इंजीनियर, डॉक्टर बनकर हमारे देश में रहकर राष्ट्र की सेवा करो यही राष्ट्रीय सेवा योजना है। पॉलीथीन का उपयोग नहीं करना और पॉलीथीन की थैली

की जगह कपड़े की थैली का उपयोग करना ही राष्ट्रीय सेवा योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना कहती है कि आप मजबूत बने और राष्ट्रीय सेवा योजना संलग्न रहे।

उज्जैन के बारे में जानकारी दी कि 16 जनपद है। 16 जनपद में अवंती जनपद बहुत बड़ा जनपद है। उसकी राजधानी उज्जैन है। आपने बताया कि बुरे छात्रों के विचारों का अनुसरण ना करे। उस छात्र को सुधारने का प्रयत्न करें। यही आपकी राष्ट्रीय सेवा योजना है। घर के काम में हमें कोई शर्म नहीं आनी चाहिये। चाहे आप कलेक्टर बन जाए, ये संस्कार आप में होना चाहिये। श्री कृष्ण के बारे में बताया कि उज्जैन में कृष्ण 64 दिन रहे और 64 कला सिखी। आपको भी ज्ञान अर्जन करके राष्ट्र की सेवा करना है।

महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ. गोविन्द गन्धे जी द्वारा स्वयं सेवकों का 10-10 का गुप बनाया और अलग-अलग गतिविधियाँ विद्यार्थियों द्वारा कराई गई स्वयं सेवकों को समझाया गया कि हममें यूनिटी होना चाहिये। हममे अनुशासन हो। अनुशासन बनाकर कार्य करें। जीवन में अनुशासन होना आवश्यक है। अनुशासन और आत्मविश्वास बनाकर आप जीवन में सारे कार्य कर सकते हैं।

द्वितीय सत्र का संचालन अनुराधा परमार द्वारा किया गया। इस सत्र में श्री राजेश गंधरा ने स्वयं सेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि चिन्ह स्थापना कब हुई राष्ट्रीय सेवा योजना के बैच में रंगों का महत्व बताया गया कि बैच कोणार्क के सूर्य मंदिर के रथ से लिया गया इसमें आठ तिलिया आठ प्रहर को दर्शाती है। आठ प्रहर मतलब 24 घंटे गतिशील रहना है। नीला रंग ब्राह्मण को बताया है। लाल रंग स्वयंसेवकों को हमेशा ऊर्जावान रहना है की प्रेरणा देता है। विभिन्न स्तर के शिविर की जानकारी दी। सर्टीफिकेट की जानकारीयों स्वयंसेवकों को दी गई।

इस कार्यक्रम में 53 छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की।

दिनांक 23/11/2019 को रा.से.यो.की मीटिंग का आयोजन प्राचार्य कक्ष में किया गया, जिसमें प्राचार्य महोदय द्वारा विद्यार्थियों को समझाया गया कि रा.से.यो.के स्वयंसेवकों को 24 घंटे कार्य करने के लिये तत्पर होना चाहिए। रा.से.यो. में मिलने वाले प्रमाण-पत्र ए,बी,सी की जानकारी दी व विद्यार्थियों को रा.से.यो. के लिये जागरूक किया गया एवं विद्यार्थियों को बताया गया कि हर शनिवार प्राचार्य कक्ष में रा.से.यो.की मीटिंग का आयोजन समय 11.00 बजे किया जायेगा और सभी विद्यार्थियों को मीटिंग में उपस्थित होना है।



साथ ही प्रमाण पत्र की जानकारी दी गई। छात्रों ने लक्ष्य गीत गाया।

01/12/2019 को राष्ट्रीय एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय से 9.30 बजे से टॉवर तक जन जागरूकता के लिये नारों और स्लोगन के साथ रैली निकाली गई।

02/12/2019 को रेड रिबन के तत्वावधान में पोस्टर, स्लोगन, निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय में किया गया।

07/12/2019 को प्राचार्य कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। प्राचार्य महोदय ने शिविर में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया कि शिविर में नुक्कड़ नाटक के विषय महिला सुरक्षा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान के लिए जागरूक किया जा सकता है। हर शनिवार को 30 मिनट के लिये खेल गतिविधियाँ की जा सकती है। बैठक में कार्यक्रम अधिकारी डॉ.स्मृति जैन, श्रीमती अनुराधा परमार एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दिनांक 16 से 18 दिसम्बर तक जलजन जोड़ो अभियान के राष्ट्रीय जल सम्मेलन में महाविद्यालय के छात्र-छात्रा शामिल हुए। प्रातः 9.30 बजे क्षीर सागर से रैली निकाली गई और झालरियामठ पहुंचे। वहां विद्यार्थियों और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.स्मृति जैन देश भर से आये महानुभावों का रजिस्ट्रेशन करने में सहयोग दिया। विभिन्न सत्रों में क्षिप्रा नदी में जलसंकट और निपटने के उपायों पर परिचर्चा हुई तथा लघु फिल्म दिखाई गई। इस कार्यक्रम में जल बिरादरी भी बनाई गई। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब के सदस्यों ने भी भाग लिया।

21 दिसम्बर 2019 को रा.से.यो.के अंतर्गत प्राचार्य कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत बैठक में गाँव का सर्वे 04 जनवरी 2020 को किया जावेगा तय किया गया। गाँव में सर्वे विषय क्या रहेगे तय किया गया। प्राचार्य महोदय ने बताया की हमें गाँव जाकर सर्वे में नाम, आबादी, जनसंख्या, गाँव की जानकारी, स्कूल, महाविद्यालय की जानकारी शासकीय या अशासकीय, आंगनवाड़ी, सामाजिक संगठन, अस्पताल, शिक्षा, स्वास्थ्य टीके, दवाईयाँ, डॉक्टर, स्वच्छता के लिये जागरूक है या नहीं। मतदान जागरूकता, मतदान का प्रतिशत, आवागमन, सड़क, शौचालय, बिजली, बाल विवाह आदि जानकारी गाँव में सर्वे के दौरान एकत्रित करना है।

24 दिसम्बर 2019 को महाविद्यालय में मतदाता

जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

1. निबंध प्रतियोगिता
2. वाद विवाद प्रतियोगिता
3. चित्रकला प्रतियोगिता
4. स्लोगन प्रतियोगिता

इस आयोजन में निबंध प्रतियोगिता में श्रुति मुथा ने प्रथम दिव्या प्रजापति ने द्वितीय लीना भावसार ने चित्रकला में द्वितीय श्रुति मुथा ने प्रथम एवं प्रिया सिंग ने स्लोगन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

02 जनवरी 2020 को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में जिला स्तरीय चित्रकला एवं स्लोगन में लीना भावसार ने लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चित्रकला प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

04 जनवरी 2020 को रा.से.यो.के अंतर्गत डेंडिया गाँव का सर्वे किया गया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ.स्मृति जैन, सहा.प्राध्यापक सुधीर कुमार सोलंकी, शेखर दिसावल एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की। गाँव में सर्वे के अंतर्गत विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर विभिन्न जानकारियाँ ली जिसके अंतर्गत नाम, आबादी, जनसंख्या, स्कूल, महाविद्यालय, शासकीय अशासकीय, आंगनवाड़ी, सामाजिक संगठन, अस्पताल, शिक्षा, स्वास्थ्य टीके, दवाईयाँ, डॉक्टर, स्वच्छता के लिये जागरूक है या नहीं मतदान जागरूकता, मतदान का प्रतिशत, आवागमन, सड़क, शौचालय, बिजली, बाल विवाह आदि जानकारी गाँव में सर्वे के दौरान एकत्रित की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत रा.से.यो.की स्वयं सेवक छात्रा वंदना पाटीदार मध्यप्रदेश शासन के राज्य नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर 2020 में चयनित हुई। वंदना पाटीदार (बी.एससी III वर्ष) की छात्रा ने राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर की संगठन व्यवस्था में जिला नरसिंहपुर के जनपद गोटेगांव के ग्राम जोतेश्वर में शासकीय चिकित्सालय परिसर में दिनांक 03 जनवरी 2020 से 09 जनवरी 2020 तक लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय की और से प्रतिनिधित्व किया।

17 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय



सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय की समस्त महिला स्टाफ एवं छात्राओं ने रोड सेफ्टी का संदेश देने हेतु प्रातः 10 बजे टावर चौक से रैली निकाली गई। 1.18 जनवरी को फिट इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने भागीदारी की। महाविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर 22 जनवरी से 28 जनवरी 2020 अरविंद आश्रम, ग्राम डेडिया में संपन्न हुआ।

**उद्घाटन सत्र :** राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आरंभ उद्घाटन सत्र दिनांक 22.01.2020 से 28.01.2020 तक किया गया। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र में एम.एस.श्रीवास्तव सर (पूर्व सेवा निवृत्त अधिकारी स्टेट बैंक इंडिया) वर्तमान में अरविन्द आश्रम के संचालक के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया एवं स्वयं सेवकों द्वारा सरस्वती वंदना के पश्चात रा.से.यो.का लक्ष्य गीत स्वयं प्रस्तुत किया।

**देवेन्द्र ओसारी (क्रीड़ा अधिकारी) :** ओसारी सर ने स्वयं सेवकों को आसन के बारे में बताया कि सुविधापूर्वक एक चित्त और स्थिर बैठने को आसन कहा जाता है। आसन का शाब्दिक अर्थ है - बैठना, बैठने का आधार बैठने की विशेष प्रक्रिया आदि की जानकारी दी एवं 7 दिन तक विभिन्न आसन जैसे- अर्धचन्द्रासन, भुजंगासन, हनुमनासन, पद्मासन, श्वासन, सिद्धासन, शीर्षासन, सुखासन, ताड़ासन, सूर्य नमस्कार प्रतिदिन करवाकर योग, आसन से होने वाले लाभ की जानकारी स्वयं सेवकों को दी। प्रतिदिन विद्यार्थियों को योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार देवेन्द्र ओसारी जी के द्वारा करवाया गया।

**बौद्धिक सत्र में -**

**प्रथम दिवस बौद्धिक सत्र :**

1. **श्री एम.एस. श्रीवास्तव** - ने स्वयं सेवकों को महर्षि अरविन्द, श्री माँ अरविन्द आश्रम की जानकारी दी। 20 मिनट तक स्वयं सेवकों से ध्यान करवाया गया।

2. **श्री चन्द्रशेखर शर्मा** - चन्द्रशेखर शर्मा जी ने विषय सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताया कि हमें यातायात के नियमों का पालन सावधानी पूर्वक करना चाहिये अन्यथा दुर्घटना होने की संभावना होती है और स्वयं सेवकों का मार्गदर्शन किया तथा अपने अनुभव बताए।

3. **डॉ.मीनल वनवट** - डॉ. मीनल वनवट मेडम के द्वारा विषय हिसाब-किताब की पुरानी पद्धति के बारे में स्वयं सेवकों को जानकारी दी एवं वर्तमान में नई पद्धति में होने वाले बदलाव के द्वारा दोनों पद्धतियों में अंतर को स्पष्ट किया ताकि स्वयं सेवक भविष्य में अपने व्यापार में इनका उपयोग आवश्यकतानुसार कर सकें।

**द्वितीय दिवस बौद्धिक सत्र -**

1. **डॉ.गोविन्द गन्धे (प्राचार्य)** - महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा स्वयंसेवकों को बताया गया कि शिविर के माध्यम से आपका व्यक्तित्व विकास होगा, आप अनुशासन में रहना सीखेंगे। जो अनुभव आप शिविर से लेंगे वो आपको पूरे जीवन काम आयेगा। सर ने बताया कि रा.से.यो.में निःस्वार्थ भावना से कार्य करना है।

2. **श्री योगेश मिश्रा** - सहा. प्राध्यापक योगेश मिश्रा ने स्वयंसेवकों को मोबाईल की सुरक्षा कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। किस तरह हम कोड डालकर अपना डेटा सुरक्षित रख सकते हैं तथा मोबाईल सम्बन्धित टेक्निकल जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।

3. **डॉ.ममता पण्ड्या** - सहा. प्राध्यापक डॉ. ममता पण्ड्या ने स्वयं सेवकों को रिकार्ड रखना क्यों आवश्यक है तथा रिकार्ड रखने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी तथा उदाहरण देकर स्वयं सेवकों को समझाया।

**तृतीय दिवस बौद्धिक सत्र -**

1. **डॉ.लतिका व्यास** - डॉ.लतिका व्यास ने पोषक आहार में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा किया है। वर्तमान में चैरिटेबल हॉस्पिटल में योग द्वारा बुजुर्गों के स्वास्थ्य में सुधार पर अनुसंधान कर ही है। डॉ.लतिका व्यास ने स्वयं सेवकों को योग के बारे में बताया कि हमारा सम्पूर्ण जीवन ही योग है। योग के फायदे स्वयंसेवकों को बताए। आसन हमारे लिये क्यों आवश्यक है यह दैनिक जीवन के उदाहरण देकर स्वयंसेवकों को बताया गया। स्वयं सेवकों का आत्मविश्वास मेडम के द्वारा बढ़ाया गया तथा बताया गया कि कोई भी कार्य असंभव नहीं है। बस आपको अपना लक्ष्य बनाकर मन एकाग्र करके वही कार्य करना है। आप सभी कार्य कर सकते हैं।

2. **डॉ.नितिशा तोषनीवाल** - सहा.प्राध्यापक डॉ. नितिशा तोषनीवाल ने सामाजिक दायित्व पर स्वयं सेवकों को उदबोधन दिया। समाज के प्रति हमारे क्या दायित्व है। समाज की सेवा करने से हमारा ही व्यक्तित्व विकास होगा इसकी



जानकारी तोषनीवाल मेडम के द्वारा दी गई।

**3. डॉ.जया परिहार** – सहा.प्राध्यापक डॉ.जया परिहार ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर स्वयं सेवकों को जानकारी दी कि हमें पर्यावरण की सुरक्षा कैसे करना है। जल संग्रहित करना चाहिए। वृक्षा रोपण करना हमारे लिये क्यों आवश्यक है यह बताया।

**चतुर्थ दिवस बौद्धिक सत्र –**

**1. डॉ. भगवती लाल जोशी (सेवा निवृत्त, महाकालेश्वर प्रबंधक समिति)** – डॉ. भगवती लाल जी जोशी ने स्वयं सेवकों को वेद, शास्त्र और समाज के प्रति उनके क्या दायित्व है ? इसकी जानकारी दी।

**2. डॉ.रमण सोलंकी (ओपन यूनिट कार्यक्रम अधिकारी विक्रम विश्व विद्यालय)** – डॉ. रमण सोलंकी ने टी.वी. और मोबाईल से होने वाली हानियां बताई और संकल्प दिलवाया की टी.वी. और मोबाईल का उपयोग खाना खाते समय नहीं करेंगे। हम जो भी कार्य शिविर में करे उसे अपने दैनिक जीवन में नियमितीकरण में लाए तथा अनुशासन में रहे। श्रीराम का उदाहरण देते हुए स्वयंसेवकों को बताया कि हमें अपने माता-पिता की बात मानना चाहिये। अरविन्द आश्रम की जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई।

**3. पंकज जय सिंघानिया, मोहनसिंह** – ओरो युथ के पंकजजी एवं मोहन सिंह ने पावर पाईट प्रजेन्टेशन के द्वारा महर्षि अरविन्द के बारे में जानकारी दी एवं चार दिन से ओरो युथ शिविर का प्रशिक्षण दिया।

**पंचम दिवस बौद्धिक सत्र –**

**1. श्री गिरीशजी भालेराव (कार्यपालन अधिकारी लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास)** – गिरीशजी भालेराव द्वारा स्वयंसेवकों को अनुशासन के बारे में बताया गया की अनुशासन का हमारे जीवन में क्या महत्व है समाज कल्याण के कार्य व सूर्य नमस्कार रोज करना चाहिये इसकी जानकारी दी।

**2. डॉ.प्रज्ञान त्रिपाठी (आयुर्वेद के विशेषज्ञ)** – डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी जी ने स्वयंसेवकों को विभिन्न औषधियों जैसे भृंगराज, आंवला, मोरपंख, हल्दी, चाइना रोज, गुडहल, प्याज का रस आदि से अनेकों बीमारियां दूर हो जाती है इसके बारे में जानकारी दी। आंखों की रोशनी किस तरह बढ़ेगी। की टिप्स सर के द्वारा दी गई। प्रतिदिन सूर्य नमस्कार से होने वाले फायदे सर के द्वारा बताए गये। दुर्गा सप्तशती पढ़ने के फायदे स्वयंसेवकों को बताए गये।

**षष्ठम दिवस बौद्धिक सत्र –**

**1. श्री दिवाकर नातू (सेवा निवृत्त उज्जैन प्राधिकरण)** – श्री दिवाकर नातू पूर्व में लोकमान्य टिळक विद्यालय के प्राचार्य रह चुके हैं। उनके द्वारा स्वयं सेवकों को बताया गया कि हम जहाँ भी रहते हैं वहाँ आस-पास की जानकारी हमें होना चाहिये। अच्छे कार्य करें व्यवहार बनाकर रखे क्योंकि व्यक्ति ही व्यक्ति के काम आता है। एक गीत “ चले चलो बढ़े चलो चलो चले चलो, अखंड सूर्य ताप से न तुम जलो न तुम जलो ” के माध्यम से स्वयं सेवकों को समाज के लिये अच्छे काम करने के लिये प्रेरित किया।

**2. नेहा पाटकर (साईक्लोजिस्ट)** – नेहा पाटकर से स्वयंसेवकों को (SWOT) के माध्यम से स्वयं का विश्लेषण करना सिखाया। नेहा पाटकर ने सभी स्वयंसेवकों को एक-एक पेपर देकर उनसे कहा की आप अपनी शक्ति, कमजोरी, चुनौतियाँ और अवसर को 5 मिनट के अंदर लिखेंगे। 5 मिनट के बाद आप सभी अपना पेपर और पेन रख देंगे। नेहा पाटकर ने स्वयं सेवकों से उनकी शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौतियां पूछी जिसमें नेहा पाटकर ने स्वयंसेवकों को बताया कि जिनकी शक्ति ज्यादा है वे सकारात्मक सोच के हैं और जिनकी कमजोरियां ज्यादा हैं उनकी नकारात्मक सोच है। जिनके पास अवसर है उन्हें अपनी चुनौतियों का सामना करना है। चुनौतियों का सामना कर के ही वे अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे।

**सप्तम दिवस बौद्धिक सत्र –**

**1. डॉ.अनीता अग्रवाल** – डॉ. अनीता अग्रवाल ने सामान्य ज्ञान के प्रश्नों द्वारा स्वयंसेवकों के बौद्धिक स्तर की परीक्षा ली। डॉ. अनीता अग्रवाल ने स्वयंसेवकों से 40 प्रश्न पूछे जिस के विषय राष्ट्रीय सेवा योजना, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इतिहास, हिन्दी, सामान्य ज्ञान आदि थे।

**2. विभाष जी उपाध्याय (अरविन्द आश्रम के संचालक)** – विभाष जी द्वारा स्वयंसेवकों को अरविन्द आश्रम की जानकारी दी गई। विभाष जी ने स्वयंसेवकों को बताया की आपका शिविर एक दिव्य स्थान पर लगा है। यहाँ महर्षि अरविन्द के दिव्यांश रखे हुए हैं। महर्षि अरविन्द के बारे में बताया कि महर्षि अरविन्द की अपनी अलग ही शिक्षा पद्धति, सोच और ज्ञान था। श्री माँ के बारे में बताया कि वे 24 घंटे काम करती थी केवल 10 मिनट का ध्यान लगाकर समाज के लिये अच्छे कार्य करती थी। श्री माँ को माँ भगवती का अवतार माना जाता है। विभाष जी द्वारा महर्षि अरविन्द एवं श्री माँ की पुस्तकें स्वयंसेवकों को वितरित की गई।



### गतिविधियाँ –

1. प्रतिदिन स्वयंसेवकों द्वारा अरविन्द आश्रम की सफाई की गई।
  2. प्रभात फेरी स्वयंसेवकों द्वारा निकाली गई।
  3. गांव में भ्रमण किया गया।
  4. गांव में रैली निकाली गई। रैली में स्लोगन व पोस्टर के माध्यम से मतदान जागरूकता, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान के लिये जागरूक किया गया।
  5. स्वयं सेवकों ने एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गीला कचरा एवं सूखा कचरा के लिये अलग-अलग डस्टबीन रखे एवं स्वच्छता बनाएं रखने के संदेश दिये।
  6. स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छता अभियान पर शपथ दिलवाई गई।
  7. 25 जनवरी मतदाता दिवस पर मतदान के लिये शपथ दिलवाई गई।
  8. रैली में समाज सेवा के गीतों के माध्यम से लोगों को समाज सेवा के लिये प्रेरित किया गया।
  9. स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया।
- खेल सत्र** – प्रतिदिन स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के खेल - राम, रावण युद्ध, रूमाल झपट्टा, कितने भाई कितने, दौड़, क्रिकेट, कबड्डी खेल खिलवाए ताकि स्वयंसेवकों में खेल भावना विकसित हो।

**सांस्कृतिक गतिविधियाँ** – सांस्कृतिक गतिविधियाँ के अंतर्गत तात्कालिक भाषण, क्वीज प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता करवाई गई।

**अनुभव कथन** – अनुभव कथन के विभाष जी, रमण सोलंकी जी, डॉ. गोविन्द गन्धे जी (प्राचार्य) सागर मोरे, डॉ. अनिता अग्रवाल उपस्थित थे। अनुभव कथन में स्वयं सेवक ईशान शर्मा एवं स्वयं सेविका दिव्या प्रजापति ने 7 दिवसीय शिविर में अपने अनुभव की जानकारी दी। छात्रों ने बताया कि शिविर के दौरान उन्हें नेतृत्व प्रबंधन, समय प्रबंधन, मिल-जुलकर काम करना, स्वयं काम करना आदि सीखा।

**समापन सत्र** – समापन सत्र में डॉ. प्रशांत पुराणिक जी (कार्यक्रम समन्वयक) के द्वारा स्वयं सेवकों का मार्गदर्शन किया गया। सर ने स्वयं सेवकों को शिविर की जानकारी रेड रिबन क्लब के बारे में बताया। महापुरुषों की जीवनी पढ़ने के लिये कहा।

ओपन यूनिट की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनुराधा

परमार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अंत में डॉ. स्मृति जैन (कार्यक्रम अधिकारी) द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

शिविर की गतिविधियों में सहभागिता –

**1. तात्कालिक भाषण के विषय** : खेलों के महत्व, पर्यावरण विज्ञान के फायदे और नुकसान, शिक्षा, आतंकवाद, वृक्षारोपण, राष्ट्रीय सेवा योजना का अर्थ, भारतीय संस्कृति, शिक्षक का महत्व, स्थल, ऐतिहासिक स्मारक, स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक मुद्दे हर्षोल्लास के पर्व, योग का महत्व। इसके विजेता निम्न हैं –

**प्रथम – महीप जैन, द्वितीय – तुषार धौसरिया, तृतीय – कुणालसिंह भदौरिया**

2. शिविर में रा.से.यो. की किताब पर क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्वीज प्रतियोगिता में 5-5 के समूह बनाये गये। जिनके नाम ए, बी, सी, डी, ई के नाम से रखे गये। इनमें से ए समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विजेता समूह के छात्रों के नाम –

**महीप जैन, उज्ज्वल शर्मा, सुमित सिंह अहिरवार, सोनू बिहानिया, हिमांशु शर्मा**

**3. नृत्य प्रतियोगिता** – प्रथम स्थान एशिता सुंग्रा व दिव्या प्रजापति रही। द्वितीय स्थान पर महीप जैन, निखिल चौरसिया, मोहित नागर रहे।

**4. नुक्कड़ नाटक** – प्रतिभागियों ने स्वच्छता अभियान पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक में सहभागिता करने वाले छात्रों के नाम : हर्ष नीमा, नितेश व्यास, उज्ज्वल शर्मा, विशाल गेहलोत, सोनू बिहानिया, हिमांशु शर्मा, निखिल चौरसिया, महीप जैन, राजलक्ष्मी कुशवाह, शिवानी, एशिता सुंग्रा, दिव्या प्रजापति, दिपेश रायकवार, सुमित अहिरवार, आदर्श नीमा।

**5. सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता** – जिनके विषय - विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, रा.से.यो. हिन्दी थे। इन पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में हिमांशु शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

**श्रेष्ठ स्वयंसेवक : विशाल गेहलोत**

**श्रेष्ठ स्वयंसेविका : दिव्या प्रजापति**

**6. सक्रिय स्वयंसेवक** – नागेश्वर शर्मा, ईशान शर्मा, कुणालसिंह भदौरिया, सागर कुंडरा

**7. सक्रिय स्वयंसेविका** – राजलक्ष्मी कुशवाह



### क्रीड़ा विभाग

महाविद्यालय में सत्र 2019-20 में अन्तर्महाविद्यालय जिला स्तरीय खो-खो (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन 06/11/2019 को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास के कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश जी भालेराव एवं लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे विशेष रूप से उपस्थित थे।

म.प्र.शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विभिन्न खेलों का आयोजन होता है जिसमें हमारे महाविद्यालय द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीन जिला स्तरीय व्हालीबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन 16/11/2019 को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व क्रीडा अधिकारी डॉ. शरद जी नागर एवं कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीशजी भालेराव एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्दजी गन्धे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसी प्रकार महाविद्यालय द्वारा म.प्र. प्रशासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित खेलों की गतिविधियों में से हमारे महाविद्यालय द्वारा 2 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जो इस प्रकार है।

- जिला स्तरीय खो-खो (पु.) प्रति - 06-11-2019
- जिला स्तरीय व्हालीबॉल (पु.) प्रति 16/11/2019
- महाविद्यालय के दलों की विभिन्न खेलों में सहभागिता
- सार रूप में क्रीडा गतिविधियाँ 2019-20

खेलविधा	जिला	संभाग	राज्य	वि.वि.स्तर	शतरंज (पु.)	1	-	-	-
खो-खो (पु)	3	1	1	1	शतरंज (म.)	1	-	-	-
तैराकी (पु/म.)	3-1	4	-	1	बास्केटबॉल (पु.)	9	2	-	-
टेबल टेनिस	1	1	-	1	हॉकी (पु.)	2	2	-	-
क्रिकेट (पु.)	5	1	-	-	कबड्डी (पु.)	9	-	-	-
क्रिकेट (म.)	2	1	-	-	बैडमिंटन (पु.)	2	-	-	-
व्हालीबॉल (पु.)	9	1	-	-	बैडमिंटन (म.)	3	-	-	-
व्हालीबॉल (म.)	8	3	-	-	योग (पु.)	2	-	-	-
खो-खो (म.)	2	-	-	-	योग (म.)	1	-	-	-
कुश्ती (पु.)	1	-	-	-	टेबल टेनिस (म.)	2	2	-	-
सॉफ्टबॉल (पु.)	-	3	-	2	ऐथलेटिक्स (पु.)	-	8	-	-
जूडो (पु.)	1	1	-	-	ऐथलेटिक्स (म.)	-	1	-	-
फुटबाल (पु.)	1	1	-	-	कुल	65	32	01	05

उक्त तालिका के अनुसार जिला स्तर पर 65 खिलाड़ी संभाग स्तर पर, 32 खिलाड़ी राज्य स्तर पर, 01 खिलाड़ी एवं अन्तर विश्वविद्यालय स्तर पर 05 खिलाड़ियों ने विक्रम विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया तथा दो खेलों का जिला स्तर पर आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया गया।

1. खो-खो - पुरुष
2. व्हालीबॉल - पुरुष

विक्रम विश्व विद्यालय दल का प्रतिनिधित्व करने वाले

**छात्र/छात्राएं**

खो-खो	विशाल गेहलोत (बी.एससी तृतीय वर्ष)
तैराकी	सृष्टि तिवारी (बी.एससी प्रथम वर्ष)
टेबल टेनिस	अथर्व तिलगुडकर (बी.कॉम प्रथम वर्ष)
साफ्टबॉल	गितेश अग्निहोत्री (बी.कॉम प्रथम वर्ष)
साफ्टबॉल	दिव्यांशु शर्मा (बी.कॉम द्वितीय वर्ष)

इस महाविद्यालय की 19 छात्राओं 46 छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।



### साक्षात्कार तथा प्रस्तुतिकरण

दिनांक 26 नवम्बर 2019 : दैनिक भास्कर और जिलेट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिये साक्षात्कार तथा प्रस्तुतिकरण में "स्वयं को किस प्रकार प्रस्तुति योग्य बनाया जाये" विषय पर सेशन आयोजित किया गया। पावर पाईट के माध्यम से व्यक्तित्व से जुड़े कई आयामों को विविध उदाहरणों द्वारा सम्प्रेषित किया गया। स्वच्छता, शारीरिक भाषा तथा सम्प्रेषण की महत्ता पर भी चर्चा की गई। प्रख्यात व्यक्तियों के जीवन में इन सभी बिन्दुओं का क्या महत्व

होता है इस पर भी प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्रों को प्लेसमेंट की दृष्टि से टेस्ट दिया गया। जिसके पश्चात उनका चयन (जी.डी. और पी.आई.) के लिये किया गया, जो इन्दौर में आयोजित किया जायेगा।

महाविद्यालय के 41 छात्रों तथा 4 प्राध्यापकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

प्रो.अमित जैन, डॉ. शीतल कुमार शर्मा, डॉ. अंजली शाह और सागर मोरे उपस्थित थे।

### शैक्षणिक भ्रमण - वाणिज्य संकाय

महाविद्यालय द्वारा दिनांक 31.01.2020 को समस्त संकाय के (B.com., B.Com (Hons.), B.Sc., BCA) छात्र एवं छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गोविन्द गन्धे जी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति, सैनिको की शौर्य गाथाएं एवं विधानसभा के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से शैक्षणिक भ्रमण पर भोपाल में विधानसभा, शौर्य स्मारक, एवं ट्राइबल म्यूजियम ले जाया गया। इस भ्रमण का नेतृत्व वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ.अक्षिता तिवारी ने किया तथा उनका पूर्ण सहयोग डॉ. अनिता अग्रवाल, डॉ.केतकी त्रिवेदी, डॉ.नितिशा तोषनीवाल, डॉ. ममता पण्ड्या तथा श्रीमती अनुराधा परमार के द्वारा किया गया। शैक्षणिक भ्रमण में 55 विद्यार्थियों ने भागीदारी की जिन्हें भोपाल में सर्वप्रथम विधानसभा का भ्रमण करवाया गया, जिसमें वहाँ के इंजीनियर एवं

व्यवस्थापकों द्वारा विद्यार्थियों को विधानसभा की सभाएं, प्रोटोकॉल, बैठक व्यवस्था तथा विधानसभा के भवन का निर्माण करने वाले आर्किटेक्ट चार्ल्स कोरिया जी के बारे में बताया गया। तत्पश्चात उन्हें शौर्य स्मारक ले जाया गया जहाँ पर अमर ज्योति के दर्शन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के वीरता चक्र तथा जल, थल एवं वायु सेना की झांकियों से हमारे अमर शहीदों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। उसके उपरान्त सभी विद्यार्थियों को भोजन कराया गया और फिर उन्हें ट्राइबल म्यूजियम ले जाया गया, जो बहुत ही अद्भुत एवं आकर्षक था, जिसे देख विद्यार्थियों को हमारी संस्कृति, आदिवासियों को रहन-सहन, खेल, भोजन तथा उनके सम्पूर्ण जीवन शैली के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ। इस तरह भोपाल का यह शैक्षणिक भ्रमण बहुत ही रोमान्चक एवं ज्ञानवर्धक रहा।

### शैक्षणिक भ्रमण - विज्ञान संकाय

विज्ञान विषय के विद्यार्थियों को विज्ञान उपयोगिता समझाने के उद्देश्य से 5 सितंबर 2019 को साईंस के विद्यार्थियों को डॉ. अंजली शाह, श्रीमती सोनल गोधा एवं डॉ. जया परिहार के मार्गदर्शन में शहर में स्थापित "इको फ्रेंडली गार्डन" भ्रमण के लिए ले जाया गया। उज्जैन शहर के शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय के

प्राध्यापक एवं उच्च शिक्षा विभाग के नोडल अधिकारी डॉ हरीश व्यास ने अपने घर को इको फ्रेंडली अध्ययन केंद्र बनाया है। छत पर सोलर पावर प्लांट लगाकर सौर ऊर्जा का उपयोग कर पूरे घर को रोशन किया है। छत पर इको फ्रेंडली गार्डन बनाया गया है, जिनमें ऐसी वनस्पतियों का समावेश किया गया है जो स्वास्थ्य के लिए गुणकारी है।



प्रातः हरी घास पर चलने एवं शुद्ध हवा के फायदे बताते हुए डॉ व्यास ने विद्यार्थियों को अन्य स्वास्थ्यवर्धक जानकारियाँ भी दी । इको फ्रेंडली गार्डन में डॉ व्यास ने दैनिक उपयोगिता की वनस्पतियों जैसे नींबू, हरी मिर्च, भिंडी, लौकी, गिलकी, अरबी के पत्ते एवं कुछ दुर्लभ प्रजाति के पुष्पों को भी विकसित किया है एवं इन सभी वनस्पतियों को विकसित करने के लिए विशेष रूप से जैविक खाद का उपयोग किया है । सर के इस

मार्गदर्शन से महाविद्यालय के करीब 40 विद्यार्थी लाभान्वित हुए उन्होंने सर को आश्चर्य किया कि वे भी अपने जीवन में ऐसा कोई अनुप्रयोग कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करेंगे ।

इसके साथ ही शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा डॉ हरीश व्यास सर एवं डॉ अलका व्यास मेडम का श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया गया ।

### कवीज प्रतियोगिता - कॉमर्स कवीज

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को महाविद्यालय से जोड़ने हेतु एवं वाणिज्य विषय के प्रति रुचि और बोर्ड परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सहायता हेतु कॉमर्स कवीज-2019 का आयोजन दिनांक 30/11/ 2019 को किया गया । इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को वाणिज्य के प्रमुख विषय जैसे लेखांकन, प्रबंध, अर्थशास्त्र समसामायिक विषय आदि का समावेश कर बहु विकल्पीय प्रश्न दिये गये ।

प्रतियोगिता में 20 शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के लगभग 300 विद्यार्थियों ने सहभागिता की ।

जिसमें लोकमान्य टिळक हा.से.स्कूल (सी.बी.एस.ई.) के छात्र आयुष कुमावत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 1500/- की राशि प्राप्त की । इसी प्रकार शा. उत्कृष्ट

उ.मा.विद्यालय की छात्रा विधि जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 1000/- रु. की राशि एवं जॉली मेमोरियल हा.से.स्कूल के छात्र अभय नायर ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 750/- की राशि प्राप्त की । इस प्रतियोगिता में 5 विशेष पुरस्कार एवं 10 प्रोत्साहन पुरस्कार भी घोषित किये गये । कॉमर्स कवीज के अन्तर्गत आए, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये ।

प्रतियोगिता का सफल आयोजन प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे के मार्गदर्शन एवं समायोजन डॉ. अक्षिता तिवारी द्वारा किया गया । प्रतियोगिता की पूर्ण गतिविधियाँ वाणिज्य संकाय के प्राध्यापकों डॉ.केतकी त्रिवेदी, डॉ. शीतल कुमार शर्मा, डॉ. नितिषा तोषनीवाल, डॉ.ममता पण्ड्या, डॉ. मीनल वनवट और डॉ.स्मृति जैन द्वारा की गई ।

### साईंस कवीज

महाविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा 28.01.2020 को शहर के विभिन्न विद्यालयों के 12वीं के विद्यार्थियों के लिये साईंस कवीज का आयोजन किया गया । विज्ञान के विद्यार्थियों में विषय के महत्व के प्रति जागरूकता एवं रुचि लाने के उद्देश्य से इस कवीज का आयोजन किया गया । इस आयोजन हेतु शहर के विभिन्न विद्यालयों से सम्पर्क किया गया एवं शहर के पांच

विद्यालयों के करीब 35 विद्यार्थियों ने कवीज में भाग लिया।

कवीज के लिए आए विद्यार्थियों को कॉलेज भ्रमण करवाया गया एवं महाविद्यालय में उपरोक्त कोर्सेस की जानकारी दी गई । साथ ही विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं एवं महाविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया गया ।



## सेमिनार श्रृंखला

### माइक्रो बायोलोजी

महाविद्यालय में नवाचार की श्रृंखला में इस वर्ष नया प्रयोग किया गया "विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थियों के लिए सेमिनार का आयोजन" ।

प्राचार्य श्री गोविंद गन्धे ने महाविद्यालय के समस्त संकाय के विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय में सेमिनार अनिवार्य रूप से देने को कहा । इसी श्रृंखला में प्रथम सेमिनार माइक्रोबायोलॉजी विषय में बीएससी (MB 1st year) की छात्रा कु. श्रेया देशमुख एवं कु. सृष्टि तिवारी द्वारा दिया गया सेमिनार का आयोजन दिनांक 7.9.2019 को किया गया । अध्यक्षता डॉ गोविंद

गन्धे सर द्वारा की गई श्रेया और सृष्टि ने (स्कोप एंड एप्लीकेशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजी) (सूक्ष्म जीव विज्ञान के क्षेत्र एवं अनुप्रयोग) विषय पर पीपीटी द्वारा अपनी प्रस्तुति दी उन्होंने बताया सूक्ष्मजीव जो हमें खुली आंखों से दिखाई नहीं देते हैं किंतु हमारे लिए कितने उपयोगी हैं । दही का बनना हो या CID के investigation, प्रत्येक क्षेत्र में माइक्रोबायोलॉजी का अपना महत्व है ।

सेमिनार में विषय से संबंधित समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे ।

### प्राणी विज्ञान, रसायन शास्त्र

विद्यार्थियों द्वारा सेमिनार की श्रृंखला के अन्तर्गत महाविद्यालय में रसायन शास्त्र एवं प्राणी विज्ञान विषय पर दिनांक 18/11/2019 को सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे सर ने की । बी.एस.सी प्रथम वर्ष के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की छात्रायें पूजा गुप्ता, दिव्या जाट ने रसायन शास्त्र के टॉपिक... (दैनिक जीवन में रसायन एवं व्यवसाय) और प्राणी विज्ञान में, छात्रा यशस्वी अम्बुलेकर ने फाईलम सीलेनट्रेटा पर पीपीटी द्वारा अपनी प्रस्तुति दी । फाईलम सीलेनट्रेटा में आने वाली जीवों का लाईफ स्टार्ट (जीवन चक्र) के बारे में बताया कि एक जीवन किसी प्रकार विभाजित होकर दो जीवों में बदल सकता है और

रसायन विज्ञान के अन्तर्गत उन्होंने बताया कि सीलबंद बोतल के पानी की भी एकपायरी डेट होती है जबकि प्रकृति में उपस्थित पानी की कोई एकपायरी डेट नहीं होती पानी हमेशा ताजा रहता है । इसी प्रकार प्याज काटते समय आंखों में जलन क्यों होती है के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि दैनिक जीवन में अनेक उदाहरण रासायनिक क्रिया से सम्बन्धित हैं और दैनिक जीवन में रसायन का अपना अलग ही महत्व है । व्यवसाय के क्षेत्र में भी रसायनिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान का क्षेत्र विस्तृत है ।

सेमिनार में विज्ञान एवं हिन्दी-इंग्लिश विषय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

### ENGLISH

29.11.2019 In order to enhance the overall communication skills of the students a power point presentation was done by the students of different streams i.e., B.Com., B.C.A., B.Sc. This was the very first formal programme given by the students in which faculty members and the Principal were present. Topics based on English Language. Communication Skills and other general issues were incorporated in the slides. After the presentation the students themselves felt the need of having more programme like this

in the near future Dr. Govind Gandhe (Principal) appreciated the participates and urged other students to take part in such presentation. The Presentation were scrutinized and guided by Prof. Amit Jain.

The Students who participated were :Pragati Joshi (B.Sc. I), Aashy Modi (B.C.A. I), Chirag Gorana (B.Com I) Takesh Sharma , Shreya Deshmukh (B.Sc.I), Divya Jat (B.Sc.I), Muskan Rawal (B.C.A. I), Akshay Raj Singh and Kunal Paule (B.C.A.I)



## प्रबंधन

12.10.2019 को एक दिवसीय प्रबंधन कौशल विकास सेमिनार में प्राचार्य डॉ गोविंद गन्धे ने अपने विचार व्यक्त किए । आपने कहा कि आज प्रबंधन की कसौटी क्रियाओं का सफल संचालन है । ऐसे में युवाओं को प्रबंधन कौशल के व्यावहारिक विकास के लिए प्रयास करना जरूरी है ।

सेमिनार की विशेषता रही कि विद्यार्थियों ने प्रबंधन कौशल के विकास में आधुनिक सूत्रों के साथ-साथ ही श्री गीता एवं रामायण के उन सूत्रों की भी चर्चा की जो समूचे विश्व में कॉरपोरेट प्रबंधन में अपनाए जा रहे हैं । विद्यार्थियों की ओर से बीबीए के ईशान शर्मा, लीना भावसार, दिव्या प्रजापत,

राजलक्ष्मी कुशवाह, फुरकान खान ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी ।

डॉ. शीतल कुमार शर्मा ने सेमिनार की रूपरेखा रखते हुए श्री गीता जी को प्रबंधन के आदि ग्रंथ के रूप में अनिवार्य रूप से पढ़ाये जाने की वकालत की वहीं सेमिनार में डॉ अक्षिता तिवारी, डॉ. केतकी त्रिवेदी, डॉ. नितिशा तोषनीवाल, डॉ. मीनल वनवट, डॉ. ममता पंड्या, डॉ. स्मृति जैन की सक्रिय सहभागिता रही ।

सेमिनार में डॉ. अनीता अग्रवाल, सुधीर कुमार सोलंकी, श्री अमित जैन, डॉ. ममता त्रिवेदी, डॉ. अंजली शाह, श्री सागर मोरे उपस्थित रहे ।

## वाणिज्य

दिनांक 11/12/2019 को महाविद्यालय में बी.कॉम (ऑनर्स) सेकण्ड ईयर के विद्यार्थियों को द्वारा लोक वित्त पर पीपीटी के माध्यम से सेमिनार दिया गया । इस सेमिनार में 9 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिसका मार्गदर्शन डॉ. अक्षिता तिवारी के द्वारा दिया गया ।

सेमिनार का संचालन बीबीए सेकण्ड ईयर की छात्रा दिव्या प्रजापत ने किया । सभी बी.कॉम सेकण्ड ईयर (ऑनर्स) के विद्यार्थियों ने अपने विषय को विस्तृत रूप से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सम्मुख प्रस्तुत किया । सर्व प्रथम छात्र तुषार दोसारिया ने वित्त के प्रकार, लोकवित्त का महत्व एवं वर्तमान में लोकवित्त का भारत पर क्या प्रभाव है । अपने पीपीटी के द्वारा समझाया । आशिता द्वारा लोकवित्त के महत्वपूर्ण तत्व पब्लिक रेवेन्यू के स्रोत, कर एवं गौरकर सम्बन्धी साधन एवं उनके सिद्धान्तों की पूर्ण जानकारी दी गई । अनुराधा गोयल के द्वारा द्वितीय तत्व Public Expenditure का वर्गीकरण एवं उसका आर्थिक प्रभाव के बारे में जानकारी दी । अक्षत सेठी ने जीएसटी-एक सम्पूर्ण कर, One man One Taxation के अन्तर्गत Indian

Dual GST के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया । पलक झामनानी एवं अंजली जैन ने Public Debt विषय के अन्तर्गत सार्वजनिक और व्यक्तिगत ऋण में भेद, उसका जनता पर प्रभाव एवं ऋण के शोधन की विधियों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया ।

इसी श्रेणी में पलक महाजन ने नीति आयोग विषय के अन्तर्गत, नीति आयोग की सफल प्रक्रिया की जानकारी दी, योजना आयोग एवं नीति आयोग के अन्तर को भी स्पष्ट किया गया । खुशी खाबिया एवं तनिषा रानी ने उदाहरण एवं ग्राफ के द्वारा करों के वर्गीकरण को समझाया । सेमिनार द्वारा सभी वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को लोकवित्त एवं उसके सम्पूर्ण तत्वों की जानकारी प्राप्त हुई ।

इस सेमिनार में वाणिज्य विभाग के समस्त प्राध्यापक डॉ.अक्षिता तिवारी, डॉ.केतकी त्रिवेदी, डॉ.शीतल कुमार शर्मा, डॉ. नितिशा तोषनीवाल, डॉ.मीनल वनवट, डॉ.स्मृति जैन एवं डॉ. अनिता अग्रवाल उपस्थित थे । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे भी उपस्थित रहे, आपके द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया ।



## भौतिकी

महाविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा 13 दिसम्बर 2019 को बी.एस.सी I, II, III वर्ष के विद्यार्थियों के लिये भौतिकी विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी कुलदीप सिंह, धीरज सिंह पंवार, आभा जैन, वन्दना राठौर, वंशिता पंड्या, राधिका सुमन, अस्मिता गौसर द्वारा सहभागिता की गई एवं हमारी अपेक्षा से भी बढ़कर स्वयं द्वारा पीपीटी प्रेजेन्टेशन के माध्यम लेजर, स्टेशनरी ऑर्बिट, एटॉम्स, रेडिया फ्रिक्वेन्सी, सेटेलाइट, वर्किंग ऑफ न्यूक्लियर आदि विषय पर सेमिनार

दिया गया।

इस सेमिनार के सफल आयोजन पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे सर ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की एवं मार्गदर्शन किया। इस सेमिनार में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ.श्वेता जैन, डॉ.अंजली शाह, डॉ. जया परिहार, डॉ.शीतल कुमार शर्मा, डॉ.ममता त्रिवेदी, श्रीमती सोनल गोधा, श्रीमती अनुराधा परमार, श्री अमित जैन, श्री योगेश मिश्रा, डॉ.स्मृति जैन एवं श्री चन्द्रशेखर शर्मा उपस्थित रहे।

## गणित

दिनांक 17/12/2019 को महाविद्यालय में Power Point Presentation के द्वारा भारतीय गणितज्ञों द्वारा गणित में योगदान विषय पर सेमिनार दिया गया। इस सेमिनार में 7 विद्यार्थियों के द्वारा सहभागिता की गई। जिसका मार्गदर्शन श्रीमती अनुराधा परमार के द्वारा दिया गया।

सेमिनार के अंतर्गत भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों ने अपने विषय को विस्तृत रूप से समझाया।

1. वंशिता पंड्या, नंदिता गुर्जर, राधिका शर्मा ने वैदिक गणित की Shortcut Method द्वारा बताया कि वैदिक गणित हमें हर फिल्ड में काम आता है वैदिक गणित हमारे दैनिक जीवन में बहुत उपयोगी है।

2. प्रगति जोशी ने महान गणितज्ञ ब्रह्मगुप्त की जीवनी के बारे में बताया, ब्रह्मगुप्त के सिद्धान्त एवं उनके गणित में योगदान की जानकारी दी।

3. अक्षयराज सिंह चौहान ने महान भारतीय गणितज्ञ बोधायन के बारे में बताया कि बोधायन ने पाईथागोरस प्रमेय के 1000 वर्ष पूर्व ही एक वैदही बनाने के लिये एक श्लोक के

माध्यम से पाईथागोरस की जानकारी दी। पाईथागोरस का दैनिक जीवन में किस तरह उपयोग कर सकते हैं उदाहरण देकर समझाया।

4. अस्मिता गोसर ने भारतीय गणितज्ञ रामानुजन की जीवनी के बारे में बताया और गणित में उनके योगदान की जानकारी दी।

5. हिमांशु शर्मा ने  $(0+01 = 2)$  को सिद्ध किया,  $(2+2=5)$  को सिद्ध किया एवं पाई  $\pi$  डे कब मनाया जाता है। पाई की वैल्यू में ही पाई डे कब मनाया जाता है लिखा हुआ है कि जानकारी दी।

सभी विद्यार्थियों ने पावर पाईट प्रेजेन्टेशन के अलावा चाक एवं डस्टर का उपयोग करके अपने विषय को विस्तृत रूप से समझाया।

आपके द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। इस सेमिनार से विज्ञान संकाय के सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन मिला। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.गोविन्द गन्धे सर एवं समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

## वाणिज्य

महाविद्यालय में दिनांक 09/01/2020 को वाणिज्य विभाग की सहा. प्राध्यापक डॉ.नितीशा तोषनीवाल के निर्देशन में बी.कॉम और बी.बी.ए. संकाय के कुल 9 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर पावर पाईट प्रेजेन्टेशन के द्वारा सेमिनार

आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत B.Com I Year (Plain) की छात्रा तनिष्का सोलंकी ने Low of Demand विषय पर PPT दिया। इसी तरह बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्र एवं छात्राओं ने Marketing Research विषय के अन्तर्गत



विभिन्न Products पर शोध कर तथा उनका तुलनात्मक अध्ययन कर PPT दिया जिसमें दिव्या प्रजापत ने A Study or Consumption Pattern & Associated factor ईशान शर्मा ने Marketing Strategies of Nike and Bata फुरकान खान Comparison of Pepsi and Cocacola लीना भावसार ने Incremental Trend analysis of Samsung and One Plus राजलक्ष्मी कुशवाह ने Comparative study of Domino's and Pizza Hut पर प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया।

इसी के साथ बी.कॉम द्वितीय वर्ष की रिया तिवारी ने Organization Topic पर बी.कॉम फर्स्ट ईयर की साक्षी राठौर शक्ति राठौर ने Controlling एवं तनिष्का कुमावत ने

Leadership विषय पर प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया। सेमिनार में डॉ.अक्षिता तिवारी, डॉ.केतकी त्रिवेदी, डॉ.शीतल कुमार शर्मा, डॉ.ममता पांड्या, डॉ.स्मृति जैन, डॉ.मीनल वनवट, डॉ.अनिता अग्रवाल, श्री सुधीर सोलंकी, श्रीमती शिप्रा खण्डेलवाल, श्रीमती अनुराधा परमार भी उपस्थित थे तथा विभिन्न संकाय के विद्यार्थी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी उपस्थित रहे, आपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन दिया गया।

सेमिनार के द्वारा सभी को विभिन्न प्रकार के प्रॉडक्ट्स की Marketing Strategy के बारे में पता चला तथा Management के विभिन्न कार्यों तथा अर्थव्यवस्था में पूर्ति एवं मांग के सामंजस्य से मूल्यों के निर्धारण की प्रक्रिया का ज्ञान हुआ।

### टैक्स (कराधान)

सत्र 2019-20 में महाविद्यालय में विभिन्न विषयों के Student seminar आयोजित किए गए।

दिनांक 10-02-2020 को B-Com III year के विद्यार्थियों ने Taxation (कराधान) पर सेमिनार प्रस्तुत किया। सभी विद्यार्थियों ने Power Point Presentation के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संचालन छात्र प्रियंक खत्री ने किया। सर्वप्रथम, प्राचार्य महोदय, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। तत् पश्चात् Student seminar के महत्व एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी।

प्रथम प्रस्तुति, अंजली सोनी ने Residential Status (निवासी स्थिति) पर दी। इसके अंतर्गत आयकर में करदाताओं की निवासी स्थिति, उसकी अवधारणा, प्रकार, निर्धारण की शर्तें, कर योग्य आय तथा नागरिकता एवं निवासी स्थिति में अंतर को व्यावहारिक उदाहरणों से समझाया।

द्वितीय प्रस्तुति, प्रियंक खत्री एवं शिवम सुमन ने Capital Gain Tax (पूंजी लाभ कर) पर दी। आय के पांच शीर्षक बताते हुए, पूंजी लाभ को विस्तृत रूप से समझाया। पूंजी सम्पत्ति, प्रकार, निर्धारण नियम, वर्ष

2020-21 के मुख्य संशोधन, प्रस्तुति में शामिल किए। कर नियोजन द्वारा Capital Gain Tax में छूट किस प्रकार प्राप्त की जा सकती है, उसे उदाहरण सहित समझाया।

तृतीय प्रस्तुति, महीप जैन ने Income from House Property (मकान संपत्ति से आय) पर दी। मकान संपत्ति से आय शीर्षक को सविस्तार समझाते हुए, उसके प्रकार, कर योग्य एवं कर मुक्त आय, कर योग्य आय गणना का प्रारूप, कर में छूट आदि को बताया। साथ ही Housing Loan पर ब्याज की छूट को भी व्यावहारिक उदाहरण से समझाया गया।

चतुर्थ प्रस्तुति, आशीष जादम एवं हर्ष घरिया ने Professional Tax (वृत्ति कर) पर दी। प्रोफेशनल टैक्स एक्ट 1995 के मुख्य प्रावधान, विभिन्न श्रेणियों में करदाताओं की कर देयता, गत 10 वर्षों में मध्यप्रदेश शासन की प्रोफेशनल टैक्स से प्राप्त आय, प्रोफेशनल टैक्स एवं इनकम टैक्स में अंतर आदि बिंदुओं को प्रस्तुति में शामिल किया। विषय वस्तु को अधिक स्पष्ट करने के लिए चित्र एवं ग्राफ का प्रयोग भी किया गया।

अंतिम प्रस्तुति, दिनेश डाबी ने Custom Duty



(सीमा शुल्क) पर दी । सीमा शुल्क की अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, निर्धारण प्रारूप, गत 10 वर्षों की कर की दरें, भारत की मुख्य आयात एवं निर्यात वस्तुएं, केन्द्र सरकार को सीमा शुल्क से गत 10 वर्षों में प्राप्त आय आदि को समझाया । चित्र एवं ग्राफ से विषय वस्तु को अधिक स्पष्ट किया । सीमा शुल्क प्राचीनतम कर प्रणाली है – इस बिंदु को एक वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया ।

छात्रों ने सेमिनार डॉ.केतकी त्रिवेदी के मार्गदर्शन में प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में वाणिज्य विषय के सभी प्राध्यापक – डॉ.अक्षिता तिवारी, डॉ.शीतल कुमार शर्मा, डॉ.नितिशा तोषनीवाल, डॉ.ममता पंड्या, डॉ. स्मृति जैन, डॉ.मीनल वनवट एवं श्रीमती अनुराधा परमार उपस्थित थे । कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे ने छात्रों का अभिनंदन करते हुए मार्गदर्शन भी दिया गया ।

### वाणिज्य

महाविद्यालय में दिनांक 17.02.2020 को वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के द्वारा अंकेक्षण, लागत लेखांकन एवं विपणन विषय पर Power Point Presentation के माध्यम से सेमिनार प्रस्तुत किए गए । कार्यक्रम का संचालन छात्र तुषार धोसरिया ने किया ।

सर्वप्रथम प्रस्तुत B-Com III Year के छात्र दिनेश डाबी ने (Auditing) अंकेक्षण के विषय को सार रूप में प्रस्तुत किया । इसमें अंकेक्षण की अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार एवं अंकेक्षक के प्रकार, वित्तीय लेखों में होने वाले छल-कपट एवं त्रुटि को उदाहरण के माध्यम से समझाया ।

द्वितीय प्रस्तुति B-Com (H) II Year के छात्र तुषार धोसरिया ने विपणन प्रबंध (Marketing Management) विषय पर अपना Presentation दिया । इसमें विपणन के अर्थ, Approach, विशेषता, महत्व, Marketing Elements of marketing को उदाहरण देते हुए समझाया ।

तृतीय प्रस्तुति B-Com III Year के प्रियंक खत्री ने अंकेक्षण के ही एक विषय वाउचिंग (Vouching) पर दी । इसमें छात्र ने लेखांकन के सिस्टम, Vouching का अर्थ, उद्देश्य, Voucher के प्रकार, Vouching की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया ।

चतुर्थ प्रस्तुति B-Com II Year के छात्र मोहित

नागर द्वारा लागत लेखांकन पर दी गई । इसमें छात्र ने PPT के द्वारा लागत लेखांकन का अर्थ, कार्य, प्रक्रिया प्रकार, लागत के तत्व को उदाहरण देकर समझाया ।

पंचम प्रस्तुति B-Com II Year के 2 विद्यार्थी चिराग पारीक एवं आदर्श नीमा के द्वारा लागत लेखांकन (Cost Accounting) की एक तकनीक, परिचालन लागत (Operating Costing) पर दी गई । इसमें छात्रों ने परिचालन लागत का अर्थ, क्षेत्र, सेवा व्यवसाय एवं उसकी परिव्यय इकाई को उदाहरण देकर परिचालन लागत पत्र को समझाया ।

इस सेमिनार में कुल 6 विद्यार्थियों ने सहभागिता की । छात्रों ने सेमिनार डॉ.ममता पंड्या के निर्देशन में प्रस्तुत किया । सेमिनार में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे एवं वाणिज्य विषय के सभी प्राध्यापक डॉ. केतकी त्रिवेदी, डॉ.अक्षिता तिवारी, डॉ. शीतल कुमार शर्मा, डॉ. नीतीश तोषनीवाल, डॉ.स्मृति जैन, श्री सुधीर कुमार सोलंकी उपस्थित थे । कार्यक्रम में वाणिज्य विषय के अन्य विद्यार्थी भी उपस्थित थे । अंत में प्राचार्य ने छात्रों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि वे भविष्य में इसी तरह सेमिनार में सहभागिता करें एवं अपने कम्प्युनिकेशन स्किल का विकास करते हुए आगे की ओर बढ़ें ।



## कम्प्यूटर

## STUDENT SEMINAR ON COMPUTER

विद्यार्थियों की सेमिनार श्रृंखला में कम्प्यूटर संकाय के विद्यार्थियों द्वारा 24 फरवरी 2020 को Power Point Presentation दिया गया, जिसमें B-Com 1st year (C.A.) और B.C.A. के विद्यार्थियों ने प्रेजेंटेशन दिए। B.Com के अक्षत निगम और आसिफ ने Tally विषय के ऊपर अपनी प्रस्तुति दी।

तथा कुशल बाली ने M.S.Word पर, गौतम भाटिया ने Business Planning पर अपना प्रस्तुति दी। B.C.A. की अदिति और चेतना जोशी ने Electronic Gadgets पर अपनी प्रस्तुति दी, साथ ही दिव्यांश जैन ने Quantitative Aptitude पर, पार्थ हिंगे और जगमोहन ने Computer विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। सभी विद्यार्थियों ने अपना Presentation श्री योगेश मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य महोदय, श्री सुधीर कुमार सोलंकी, श्री योगेश मिश्रा, श्रीमती शिप्रा खंडेलवाल, श्री सागर मोरे महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

सत्र 2019-20 में महाविद्यालय में विभिन्न विषयों के Student seminar आयोजित किए गए।

दिनांक 24-02-2020 को B.Com / B.C.A. के विद्यार्थियों ने computer के विभिन्न विषयों पर सेमिनार प्रस्तुत किया। सभी विद्यार्थियों ने Power Point Presentation के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संचालन छात्रा अदिति भैसारे ने किया। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया।

पहली प्रस्तुति पार्थ हिंगे व दिव्यांश जैन (B.C.A. IV Sem) ने मल्टीमीडिया टॉपिक पर दी।

दूसरी प्रस्तुति अदिति भैसारे व चेतना जोशी (B.C.A. IV sem) ने डिजिटल ज्वेलरी पर दी।

तीसरी प्रस्तुति पियूष शर्मा व सुमित (B.Com II Year) ने कम्प्यूटर जनरेशंस विषय पर दी।

छात्रों ने सेमिनार श्रीमती शिप्रा खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कम्प्यूटर विषय के सभी प्राध्यापक – श्री सुधीर कुमार सोलंकी, श्री योगेश मिश्रा व सागर मोरे सर उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

महाविद्यालय में 28 फरवरी 2020 को विज्ञान दिवस के उपलक्ष में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत विभिन्न विषय जैसे भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, गणित एवं कम्प्यूटर आदि में मॉडल, वर्किंग मॉडल, फ्लेक्स एवं चार्ट द्वारा विज्ञान की विभिन्न गतिविधियों को बताया गया। स्मार्ट बोर्ड पर कम्प्यूटर के अंतर्गत प्रोग्राम बनाकर विज्ञान के महत्व को समझाया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. भरत व्यासजी ने

भी छोटे-छोटे प्रयोग करके भी बताये, जो दैनिक जीवन में सरलता से किये जा सकते हैं। आपने छात्रों के द्वारा बनाये गये मॉडल चार्ट एवं फ्लेक्स का अवलोकन भी किया और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विज्ञान प्रदर्शनी के अन्तर्गत मॉडल की संख्या 28, फ्लेक्स एवं चार्ट 18 और 8 प्रजेन्टेशन डिजिटली किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजली शाह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे जी ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे।



## लॉकडाउन की अवधि में महाविद्यालय में सम्पन्न गतिविधियाँ

### वेबिनार - 1

विषय : स्वाध्याय का महत्व

वक्ता : डॉ. गोविन्द गन्धे

(प्राचार्य, लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य  
महाविद्यालय)

दिनांक : 23 मई 2020, शनिवार

उपस्थिति : महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

पंजीयन संख्या : 22

उपस्थिति संख्या : 22

मुख्य बिन्दु :

1. स्वाध्याय अर्थात् नियमित अध्ययन, मनन, चिंतन।
2. स्वाध्याय का अर्थ है स्वयं का अध्ययन करना, अपने आप को पहचानना।
3. हिन्दू धर्म में ग्रंथों में स्वाध्याय का अर्थ नियम माना गया है। नियमानुसार चलने के लिये स्वाध्याय अत्यंत

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

4. स्वाध्याय करने से मन में उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होकर सकारात्मक हो जाती है।
  5. स्वाध्याय मनुष्य के जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण है।
  6. जिस प्रकार शरीर के लिये व्यायाम आवश्यक है उसी प्रकार मन के लिये स्वाध्याय।
  7. स्वाध्याय से ज्ञान-वर्धन होता है जिसे धर्म और संस्कृति की सेवा होती है।
  8. जो हमेशा स्वाध्याय करता है, उसका मन हमेशा प्रसन्न चित और शांत रहता है।
- कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि परिचय डॉ. केतकी त्रिवेदी द्वारा दिया गया।
- आभार : डॉ. अक्षिता तिवारी ने माना तथा तकनीकी सहयोग : श्री योगेश मिश्रा द्वारा दिया गया।

### वेबिनार - 2

विषय : अर्थव्यवस्था रोजगार एवं उद्यमिता पर कोविड-19 का प्रभाव

वक्ता : श्री सी.एस. मनोज जोशी (संस्थापक एवं निदेशक क्रॉप क्राफ्ट सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर)

दिनांक : 26 मई 2020 मंगलवार

विशेष उपस्थिति : श्री गिरीशजी भालेराव (लो.ति. सांस्कृतिक न्यास एवं शिक्षण समिति के कार्यपालन अधिकारी)

महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी, अन्य जिलो-राज्यों के विद्यालयों से शिक्षक-प्राध्यापक।

पंजीयन संख्या : 116

उपस्थिति संख्या : 75

मुख्य बिन्दु :

1. स्थानीय उत्पादन, स्थानीय उपभोग एवं स्थानीय रोजगार की विकेन्द्रीकृत विकास - नीति को प्राथमिकता देनी होगी।

2. कोविड-19 से अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, किंतु इसका प्रभाव सीमित समय तक ही रहेगा।

3. 'पहले बचत-बाद में खर्च' विचारधारा वाली भारतीय जीवनशैली, इससे बाहर निकलने में हमारी सहायता करेगी।

4. सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए, आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ना होगा।

5. देश में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को अधिक से अधिक स्थापित करना होगा, जिससे रोजगार की संभावना में वृद्धि हो और अर्थव्यवस्था सुदृढ़ बने।

कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय द्वारा अतिथियों का वाचिक स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. केतकी त्रिवेदी द्वारा। अतिथि परिचय डॉ. अक्षिता तिवारी द्वारा एवं आभार डॉ. नितिशा तोषनीवाल द्वारा दिया गया। श्री योगेश मिश्रा द्वारा तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ।



### वेबिनार - 3

विषय : भाषा का शिक्षक-शिक्षक की भाषा

वक्ता : डॉ विकास दवे (सम्पादक देवपुत्र पत्रिका, इन्दौर)

दिनांक: 1 जून, 2020 मंगलवार

विशेष उपस्थिति: श्री भरतजी व्यास (लोटि सांस्कृतिक न्यास एवं शिक्षण समिति के सचिव), श्रीमती पल्लवी अढाव (प्राचार्य लो.टि. शिक्षा महाविद्यालय), डॉ. संगीता पातकर (प्राचार्य लो.टि.हा.से.स्कूल सीबीएसई), श्रीमती शुभा मराठे (प्राचार्य लो.टि. प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालय नीलगंगा), श्रीमती वसुधा केसकर (प्राचार्य लो.टि. शिशु मंदिर, नीलगंगा), डॉ.अरुण शुक्ला (लो.टि.विद्या विहार उ.मा.वि.) एवं लोटि की अन्य संस्थाओं के शिक्षण गण

पंजीयन संख्या : 83

उपस्थिति संख्या : 79

मुख्य बिन्दु : 1. मातृभाषा से विद्यार्थियों में आत्मीयता,

राष्ट्रप्रेम और संवेदनाशीलता उत्पन्न होती है।

2. उदाहरणों के माध्यम से हिंदी भाषा की महत्ता और उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया।

3. हमारी राष्ट्रभाषा ऐसी भाषा है जो पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है, इसमें स्वर यंत्र और श्वास का प्रयोग नियमों के अनुसार किया जाता है।

4. हमारी राष्ट्रभाषा समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बाँधती है।

5. हमारी भाषा में चिंतन और संस्कृति दोनों विद्यमान हैं।

वेब सेमिनार में प्राचार्य महोदय द्वारा शब्द रूपी पुष्पों से अतिथियों का स्वागत किया गया तथा भाषा की महत्ता को बताया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिता अग्रवाल द्वारा, अतिथि परिचय श्री अमित जैन द्वारा और डॉ. ममता त्रिवेदी द्वारा आभार माना गया। तकनीकी सहयोग श्रीमती शिप्रा खण्डेलवाल ने दिया।

### वेबिनार - 4

विषय : 'समाज और प्रकृति कोविड-19 के विशेष संदर्भ में'

वक्ता : डॉ.हरीश व्यास (प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष बॉटनी, शासकीय कालिदास गर्ल्स कॉलेज, उज्जैन)

दिनांक: 5 जून 2020 शुक्रवार

विशेष उपस्थिति : डॉ.जी.डी. सोनी, सहायक प्राध्यापक भौतिकी (शा.के.पी.साईंस महाविद्यालय, देवास), डॉ.एस. राय, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी (सागर विश्वविद्यालय), डॉ.मिनाक्षी व्यास, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी (एल.एन. सी.टी. कॉलेज, इन्दौर), श्री राजेश टेपन, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी (शा.महाविद्यालय, बड़नगर)

पंजीयन संख्या : 123

उपस्थिति संख्या : 74

मुख्य बिन्दु : 1. जब हम स्वतंत्र थे तो हमने प्रकृति को

लॉकडाउन कर दिया था आज प्रकृति ने हमें लॉकडाउन कर दिया है।

2. आज हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाने की आवश्यकता है।

3. विद्यार्थियों में ये भाव उत्पन्न करें कि वह अधिक से अधिक आर्गेनिक चीजों का उपयोग करें।

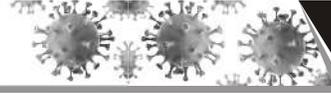
4. विद्यार्थी घर पर एवं महाविद्यालय के आर्गेनिक फसलों का उत्पादन करें।

5. इस दौर में हमें अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर इस महामारी से बचना होगा।

प्राचार्य महोदय द्वारा अतिथि का स्वागत किया गया तथा विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.अंजली शाह द्वारा अतिथि परिचय श्रीमती सोनल गोधा द्वारा एवं आभार श्री चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा दिया गया। तकनीकी सहयोग श्री सागर मोरे द्वारा दिया गया।





## शिक्षक-अभिभावक : प्रबंधन संवाद

दिनांक : 7 जून 2020 रविवार

पंजीयन : 206

उपस्थिति : 83

वैश्विक महामारी कोरोना के इस दौर में विद्यार्थियों की पढ़ाई, कैरियर एवं अन्य जानकारियों के संबंध में संवाद करने के उद्देश्य से लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में ऑनलाईन शिक्षक अभिभावक प्रबंधन संवाद का आयोजन संपन्न हुआ।



इस संवाद में लोकमान्य टिळक सांस्कृतिक न्यास एवं शिक्षण समिति के अध्यक्ष माननीय श्री किशोर जी खण्डेलवाल सचिव माननीय श्री भरतजी व्यास एवं कार्यपालन अधिकार श्री गिरीश जी भालेराव उपस्थित थे।

अध्यक्ष महोदय श्री किशोर जी खण्डेलवाल अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य के प्रारंभ में अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि आप जागरूक रहें, स्वयं की जिम्मेदारियों को समझें, शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें। मास्क लगाना, सेनिटाईजर का प्रयोग करना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में ले आना चाहिए। आरोग्य सेतु को सभी अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करें, क्योंकि इससे आप सुरक्षित रह सकेंगे। यह आपको आने वाली

मुसीबत से बचायेगा। 5-5 मास्क घर पर तैयार कर ऐसे व्यक्तियों तक पहुंचाये जिनके पास अभी तक मास्क नहीं है। आपने अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि प्राध्यापकों द्वारा ऑनलाईन क्लासेस ली जाएगी, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई निरंतर चलती रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने एक नारा भी दिया।

“मेरी सुरक्षा, मेरा दायित्व  
मेरा परिवार, मेरा महाविद्यालय”

सचिव महोदय श्री भरतजी व्यास ने विद्यार्थियों से कहा कि शासन एवं विश्व विद्यालय के निर्देशों का पालन करें एवं एकाग्र चित्त होकर पढ़ाई करें। कोरोना महामारी के चलते अभी पूरा विश्व संकट में है। एक दूसरे की परेशानियों को समझ कर सहयोग करें, तभी हम महामारी से मुक्त हो सकते हैं।

प्राचार्य महोदय डॉ. गोविन्द जी गन्धे द्वारा प्रबंधन के पदाधिकारियों एवं अभिभावकों का वाचिक स्वागत किया गया तथा साथ ही कहा गया कि विद्यार्थियों की प्रत्येक परेशानियों को दूर करने के लिये महाविद्यालय परिवार हमेशा आपके साथ है। अभिभावकों के प्रश्नों को डॉ. अनिता अग्रवाल के द्वारा रखा गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजली शाह के द्वारा किया गया। आभार एवं तकनीकी सहयोग श्री सुधीर कुमार सोलंकी के द्वारा सम्पन्न हुआ।

**विशेष कार्य :** लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द गन्धे के मार्गदर्शन में वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) के सम्बन्ध में जागरूकता एवं शैक्षणिक तथा सामाजिक विषयों से संबंधित लगभग 35000 व्हाट्सएप मैसेजेस विभिन्न समूहों के माध्यम से तथा वेबसाइट पर जनहित में प्रसारित किये गये।





### बैठकें (मीटिंग्स)

लोकमान्य टिळक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में लॉकडाउन अवधि में गुगल मीट के माध्यम से निम्नानुसार वर्चुअल बैठकें सम्पन्न हुईं।

1. कोर ग्रुप बैठक
2. विभागशः बैठक

3. स्टॉफ बैठक
4. वेबिनार की पूर्व तैयारी हेतु बैठक
5. वेबिनार पश्चात समीक्षा बैठक
6. ऑफिस स्टॉफ के साथ बैठक सम्पूर्ण बैठकें प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन में सम्पन्न की गईं।

### वीडियो रिकार्डिंग :

वैश्विक महामारी कोरोना के कारण सम्पूर्ण विश्व में लॉकडाउन हुआ। यह समय प्रत्येक मनुष्य के लिये अलग अनुभव देने वाला साबित हुआ। कुछ मनुष्य डरकर इस समय को व्यतीत कर रहे थे तो कुछ डरे हुए मनुष्यों को उभारने का प्रयास कर रहे थे। इसी कड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा कई वीडियो बनाकर मनुष्यों में आत्मविश्वास जागृत करने का कार्य बड़ी कुशलता से किया गया। आपने सामाजिक एवं

आध्यामिक विषयों पर अपने वीडियो बनायें :

1. एकादशी महत्व विधि एवं फल श्रुति।
2. परशुरामः क्षात्र आणि ब्रह्मा तेजाचे अभुदुत संगम।
3. संस्कार भारती : कार्य विस्तार योजना।
4. ऐसे करें उच्चारण (रामरक्षा भाग 02)
5. अदृश्य दुष्ट शक्तियों से ये करेगा आप की रक्षा : श्रद्धा और विश्वास रखो।

## ONLINE QUIZ ON Covid 19 AWARENESS

महाविद्यालय द्वारा लॉक डाउन की परिस्थितियों में अध्ययन-अध्यापन की श्रृंखला को बनाए रखने के लिए, विभिन्न कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए। इसी कड़ी में "COVID 19 Awareness Quiz" का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग में इस महामारी के बारे में जागरूकता फैलाना और इसके द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करना था।

प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु आयु या वर्ग विशेष का बंधन नहीं रखा गया। इसमें बहुविकल्पीय 20 प्रश्न पूछे गए। न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को

E-Certificate भी प्रदान किया गया। प्रतियोगिता की लिंक दिनांक 15 जून 2020 से 30 जून 2020 तक ऑनलाइन उपलब्ध करवाई गई। मध्यप्रदेश के लगभग 300 से अधिक विद्यालय तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विशेष रूप से इसमें सहभागिता की। साथ ही देश के अन्य राज्यों के भी प्रतियोगी सम्मिलित हुए।

प्रतियोगिता का आयोजन, प्राचार्य डॉ. गोविंद गन्धे के मार्गदर्शन में कंप्यूटर विभाग के श्री योगेश मिश्रा एवं वाणिज्य विभाग की डॉ. अक्षिता तिवारी, डॉ. केतकी त्रिवेदी एवं डॉ. नितिशा तोषनीवाल द्वारा सम्पन्न किया गया।

### ऑनलाईन साईस क्वीज

कोरोना महामारी के इस दौर में लॉकडाउन के चलते समस्त शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों के साथ सतत सम्पर्क बनाए रखने हेतु एवं कोविड-19 व पर्यावरण के संदर्भ में जागरूकता लाने के उद्देश्य से महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के प्राध्यापक डॉ. अंजली शाह, श्री चन्द्रशेखर शर्मा, श्रीमती सोनल गोधा, डॉ. जया परिहार एवं श्रीमती शिप्रा खण्डेलवाल द्वारा 3 ऑनलाईन क्वीज का आयोजन समय-समय पर किया गया।

क्वीज - 1 : जीव विज्ञान समूह के विद्यार्थियों के लिए।

क्वीज - 2 : भौतिक विज्ञान समूह के विद्यार्थियों के लिए दोनों क्वीज का आयोजन 22 जून से 28 जून तक किया गया।

प्रत्येक क्वीज में 20 प्रश्नों का समावेश किया गया। क्वीज के लिए रजिस्ट्रेशन निःशुल्क था। क्वीज में 50 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किये गये। क्वीज में 57 विद्यार्थियों ने ई-सर्टिफिकेट प्राप्त किये।

क्वीज - 3 : इसके पश्चात् पर्यावरण विषय पर भी एक ऑनलाईन क्वीज का आयोजन 4 जुलाई से 11 जुलाई तक किया गया। यह क्वीज विज्ञान, वाणिज्य एवं कला सभी संकाय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई क्वीज में कुल 30 प्रश्नों का समावेश किया गया एवं करीब 40 विद्यार्थियों ने ई-सर्टिफिकेट प्राप्त किये।



## वैश्विक महामारी तथ्य तथा सत्य

कोरोना की वजह से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। स्वास्थ्य के साथ-साथ इस समय पूरी दुनिया बड़े आर्थिक संकट की तरफ भी बढ़ रही है। जिसकी वजह से वैश्विक मंदी स्पष्ट रूप से दिख रही है। पिछले एक महीने में ही दुनिया भर के शेयर बाजार धाराशायी हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया भर में कोरोना की महामारी 2.5 करोड़ लोगो का रोजगार छीन लेगी। यह पहले से जारी वैश्विक आर्थिक संकट में कोढ़ में खाज की तरह साबित होगी। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को 3.6 लाख करोड़ डालर का झटका लगेगा। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इससे आर्थिक और श्रम संकट गहराएगा।

**कोरोना वायरस का दुनिया पर प्रभाव :** अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने भी एक अध्ययन में कहा है कि वैश्विक स्तर पर एक समन्वित नीति बनती है तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। चीन में जनवरी, फरवरी माह में 50 लाख लोगो ने कोरोना के आर्थिक दुष्प्रभाव के चलते नौकरी गंवा दी। वुहान, संघाई समेत तमाम शहरों में कामबंदी और व्यापारिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से यह नुकसान हुआ। चीन में बेरोजगारी दर भी जनवरी में 5.3 फीसदी के मुकाबले फरवरी में 6.1 फीसदी हो गई है। इसका असर चीन की विकास दर पर भी दिख सकता है। दुनियाभर में तेजी के साथ फैल रहे घातक कोरोना वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित किया है। इसके चलते वस्तुओं और सेवाओं की मांग और आपूर्ति दोनों पर असर पड़ा है। तेल की बढ़ी आपूर्ति और मांग की कमी के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) की तरफ से कोरोना पर 24 जनवरी को हुई पहली बैठक के बाद से अन्तर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में 50 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है।

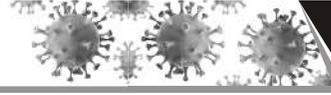
कोरोना का दुनिया के व्यवसायों पर असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। जहाँ कम्पनियाँ अपने ऑपरेशंस कम कर रही हैं, कर्मचारियों से यह कहा जा रहा है कि वे घरों से काम करें और उत्पादन के लक्ष्य को कम किया जा रहा है। आर्गेनाइजेशन फॉर इकॉनामी को आपरेशन एवं डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने अंतरिम आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में मार्च के पहले हफ्ते में कोविड के चलते वैश्विक जीडीपी में 50 बेसिस पाइंट (2019 में 2.9 प्रतिशत से 2.4 प्रतिशत) का



अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि 100 बेसिस प्वाइंट एक प्रतिशत प्वाइंट के बराबर है।

**आर्थिक संकट का भारत पर असर :** संयुक्त राष्ट्र की कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के अनुसार कोरोना वायरस से प्रभावित दुनिया 15 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत की भी है। चीन में उत्पादन में आई कमी का असर भारत से व्यापार पर भी पड़ा है और इससे भारत की अर्थव्यवस्था को करीब 34 करोड़ डालर तक का नुकसान उठाना पड़ सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना के चलते भारत की जीडीपी 3 फीसदी तक गिर सकती है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कोरोना वायरस हमारी अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है, इसलिए सरकार ने वित्त मंत्री की अध्यक्षता में कोविड 19 आर्थिक प्रतिक्रिया बल के गठन करने का फैसला किया। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण कामकाज ठप्प होने से कच्चे माल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, इससे औषधी के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पर असर पड़ा है। इससे कुछ क्षेत्रों में अस्थायी छटनी हो रही है जिसको रोकने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने निजी क्षेत्र से अपील भी की है।

**चीन की अर्थव्यवस्था :** असल में उद्योगों के मामले में चीन ने दुनिया से अपना लोहा मनवाया है। इलेक्ट्रॉनिक, घरेलू वस्तुएँ, कपड़े, अनेक तरह के औजार, खिलौने, दवा और कुछ हद तक वाहनों की व्यवसायों पर उसका वर्चस्व है। मोबाईल, एल.ई.डी., फ्रीज, टीवी जैसे क्षेत्रों में भी उसकी बड़ी धाक है। पीसीबी (प्रिन्टेड सर्किट बोर्ड) का वह सिरमौर है। ऐसे में कोरोना ने चीन को तोड़ दिया जिससे सारी दुनिया को सकलते में आ जाना लाजमी है।



इस कोरोना महामारी से भारत के लिए दो बड़े सबक हैं पहला की दुनिया के किसी भी देश पर हमारी व्यवसायिक निर्भरता कम हो तथा सभी मामलों में हम आत्मनिर्भर बनें और दूसरा जीवन रक्षक दवाओं के शोध व विक्रय पर ज्यादा ध्यान देना। सम्पूर्ण मानव इस समय वैश्विक संकट से जूझ रहा है। शायद यह हमारी पीढ़ी का रहा सबसे बड़ा संकट है। अगले कुछ सप्ताहों में आम लोग और सरकार जिस तरह का निर्णय लेगी व शायद यह तय करेगा कि आनेवाले वर्षों में दुनिया की तकदीर कैसी होगी। ये निर्णय न केवल हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था को नया आकार देगा बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था, राजनीति और संस्कृति को भी नए तथ्य देगा।

लगभग 18 साल पहले सार्स वायरस से भी ऐसा ही खतरा बना था। 2002-03 में सार्स की वजह से पूरी दुनिया में 700 से ज्यादा लोगो की मौत हुई थी। पूरी दुनिया में हजारों लोग इससे संक्रमित हुए थे। इसका असर आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ा था। कोरोना वायरस के बारे में अभी तक इस तरह के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं कि कोरोना वायरस पार्सल, चिट्टियों या खाने के जरिए फैलता है। कोरोना वायरस शरीर के बाहर बहुत ज्यादा समय तक जिन्दा नहीं रह सकता है।

निशा गाडवे

B.Sc.III year (M.B.)

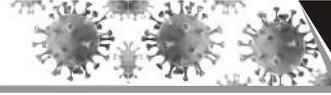
## जीवन का सार-शिक्षा और संस्कार

संस्कारों से व्यक्ति महान बन जाता है जिसने भी इनको अपनाया जीवन के हर मोड़ पर वह सारे जहां का प्यारा सा इंसान बन जाता है। कहा जाता है कि शिक्षा जीवन का अनमोल उपहार है और संस्कार जीवन के सार हैं। इन दोनों के बिना धन-दौलत, जमीन-जायदाद, पद-प्रतिष्ठा और मान-मर्यादा सब बेकार हैं। शिक्षा व्यक्ति के जीवन को न केवल दिशा देती है वरन् दशा भी बदल जाती है। जब से शिक्षा का प्रचलन हुआ, अनादि काल से अर्थात् उस समय सीखे हुए ज्ञान को सहेज कर रखने के साधन भी नहीं थे तो भी ऋषि, मुनि, आचार्य, गुरु और संत-महात्माओं ने मानव जीवन के सार को पेड़ों की छालों पर लिखा, शिलाओं पर लिखा और पत्तों पर लिखा और वही ज्ञान समयान्तर विस्तृत होता गया, प्रसारित-प्रचारित होता गया और धीरे-धीरे आविष्कार होते गया और शिक्षा के स्वरूप में, शिक्षा के उद्देश्य में, तरीकों में और शिक्षा के मापदण्डों में निरन्तर परिवर्तन आता गया और आज ऐसा समय आ गया है कि जब तक दुनिया का, देश का, समाज का और घर परिवार का प्रत्येक बच्चा शिक्षित नहीं किया जाएगा तब तक हम उन्नत दुनिया देश की कल्पना तक भी नहीं कर पाएंगे इसलिए आज समय बहुत तेजी से बदलता जा रहा है, शिक्षा के नए-नए साधन आयाम विकसित और आविष्कृत हो रहे हैं, दुनिया सिकुड़ रही है, छोटी-छोटी घटना का पूरी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है और इन प्रभावों को समझने के लिए, टेक्नोलॉजी को समझने के लिए, समय के साथ चलने के लिए अपनी संतान को अच्छी शिक्षा, सार्थक शिक्षा और व्यावहारिक शिक्षा से परिपूर्ण करना जरूरी है। जिस प्रकार से बिना हथियारों के कोई युद्ध नहीं जीता जा सकता है उसी प्रकार बिना शिक्षा के जीवन को सार्थक और सच्चा नहीं बनाया जा सकता है। हमारी सबसे पहली जिम्मेदारी बनती है कि हर हाल में अपनी संतान को शिक्षित बनाएं ताकि वह परिवार समाज और देश के विकास में अहम भागीदारी निभा सके और राष्ट्र के अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बन, अपना दायित्व बखुबी निभा सकें और जीवन को समझे और गर्व से जी सकें।

शिक्षा में ही संस्कार समाए हुए हैं क्योंकि भारतीय संस्कृति, भारतीय परम्पराएं, भारतीय जीवन मूल्य शिक्षा के आधार हैं। सनातन धर्म यही सिखाता आया है कि मानव-मानव में प्रेम हो, भाईचारा हो, एकता हो, सहयोग हो, और एक दूसरे के सुख दुःख में काम आए। भारतीय संस्कृति की ही खास बात है कि उसमें सभी संस्कृतियाँ समा गईं और उसने अपना वजूद बनाए रखा। संस्कार किसी पेड़ पर नहीं पनपते हैं, दीवारों से नहीं टपकते हैं, संस्कार तो घर-परिवार, समाज, शिक्षालयों और आसपास के परिवेश से सृजित होते हैं।

संस्कारों की सबसे अधिक जिम्मेदारी माता-पिता परिजनों और शिक्षकों की होती है। यह भी सच है कि संस्कार मात्र कहने से, बोलने से नहीं आते हैं बल्कि ये तो व्यवहार से आते हैं आचरण से आते हैं, सत्कर्म से आते हैं और चारित्रिक उज्वलता से आते हैं। माता-पिता जैसा व्यवहार करेंगे, वैसा ही लगभग उनके बच्चे करते हैं। हमेशा याद रखें, आपकी हर हरकतों, कार्यों और व्यवहार का बारीक निरीक्षण आपके बच्चे कर रहे हैं, ध्यान रहें वे कभी यह नहीं कह दें कि ये आपके क्या संस्कार हैं ?

**प्रेरणा बिन्दु : शिक्षा और संस्कार जहाँ, सद्भाव और प्यार जहाँ  
हाथ मिलेंगे दिल मिलेंगे, खुशियों का संसार वहाँ ॥**



## कोरोना वायरस से विश्व स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव

कोरोना वायरस या कोविड-19 मनुष्य की ही नहीं अपितु सारे विश्व की अर्थ व्यवस्थाओं की सेहत बिगाड़ रहा है जिसमें विकसित एवं शक्ति सम्पन्न राष्ट्रों ने दुनिया में अपना आधिपत्य स्थापित करने के लिए नये तरह के युद्धों का इजाजत किया है। उन्होंने दुनिया को विनाश देने के नये नये साधन विकसित किये हैं।

कोरोना वायरस से समुची दुनिया में इंसानी जीवन को खतरा व्याप्त हुआ है बल्कि इसके चलते दुनिया की अर्थ व्यवस्था चौपट हो गयी है। चीन ही नहीं भारत और बाकि दुनिया की अर्थव्यवस्था को भी बड़ी चपत लगी है। गत दिनों इसके चलते बीएसई और एनएसई में भारी गिरावट से निवेशको को करीब 11 लाख करोड़ की चोट लगी चुकी है। अमेरिका के डाउजॉस सहित सभी बड़े शेयर बाजारों का यही हाल है। कोरोना वायरस ने अब चीन से बाहर भी तेजी से पांव पसारना शुरू कर दिया है। लगभग 65 देशों में कोरोना वायरस कहर बनकर बरस रहा है। यदि हालात जल्द काबू में नहीं किये गये तो दुनिया को बहुत बड़ी आफत का सामना करना पड़ सकता है।

अब तक दुनिया में आर्थिक गिरावटों के कारणों में मंदी, युद्ध, सरकारी नीतियाँ, व्यापार और राजनीतिक उथल पुथल आदि शामिल रहे हैं लेकिन अब कोरोना वायरस के संक्रमण से जुड़ा डर, भय एवं अस्थिरता बड़ा कारण बना है जिससे अनेक अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। बाजार से जुड़े लोग जानते हैं कि 2008 में जीडीपी के लगातार नकारात्मक आँकड़ों ने अमेरिका अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी, जिसमें देखते ही देखते अमेरिका में 65 बैंकों में ताले लग गये थे। जब भी वैश्विक मंदी आई भारत पर इसका असर तो पड़ा और इस बार भी भारत की पहले से कायम आर्थिक परेशानी अधिक विकराल बनी है।

चीन की अर्थव्यवस्था तो गंभीर संकट झेल ही रही है, अमेरिका सहित अनेक आर्थिक महाशक्तियाँ भी अर्थसंकट के दौर से गुजर रही हैं। इस संकट के कारण अनेक अमीर देशों में भी संकट आरंभ हो गया है। भारत में इसका क्या असर होगा

इसके बारे में 2 तरह की बातें हो रही हैं कुछ लोग कह रहे हैं कि इसका कोई खास असर हमारे ऊपर नहीं पड़ेगा वही दूसरे इसके असर से हम बच नहीं सकते।

कोरोना वायरस का यह संकट जिस तेजी से दुनिया के अन्य मुल्कों में फैल रहा है, उससे जाहिर है कि यह अकेले चीन के जन जीवन का संकट नहीं है बल्कि यह बाजार का भी संकट बन रहा है। इस संकट का सबसे बड़ा सच यह है कि जो अर्थव्यवस्था बाजार पर जितनी ज्यादा आधारित है वह उतना ही ज्यादा संकट में है। भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी मिश्रित अर्थव्यवस्था है जिसमें सभी कुछ अब तक बाजार के हवाले नहीं है। जिन सेक्टरों में बाजार की पहुंच ज्यादा है। वहां ज्यादा महामारी हो रही है आज यदि भारत में आर्थिक संकट को लेकर हड़कंप नहीं है तो इसका कारण यह है कि बाजार को मजबूत करने के बाद भी आज सरकार इस स्थिति में है कि उसके विफल होने पर वह अपनी ओर से स्थिरता की गारंटी दे सके।

भारत में कोरोना वायरस का संकट अभी आरंभ ही हुआ है। यह आने वाले दिनों में कौन सा रूप लेता है यह देखना दिलचस्प होगा। इसके कारण हो सकता है उसका अर्थ संकट आने वाले दिनों में और भी गहरा सकता है। उससे बचने के लिये भारत को अभी से अपने आप को तैयार रखना चाहिए। मोदी सरकार आर्थिक मामलों में करीब करीब संरक्षणवादी रुख ले चुकी है। संरक्षणवाद का मतलब है इस तरह की नीतियाँ बनाना जो आयात को हतोत्साहित करें और घरेलू उद्योग को प्रमुखता मिले। यह विचार बुरा नहीं लेकिन सवाल यह है कि घरेलू उद्योग को कितनी प्रमुखता मिल रही है। केन्द्र सरकार को दुनिया की अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। केन्द्र सरकार को आर्थिक सुधारों को लेकर उदारवादी नीतियाँ अपनानी होंगी, आर्थिक मोर्चे पर स्पष्टता नजर आनी ही चाहिए। अस्पष्टता के चलते टेलीकॉम इण्डस्ट्रीज का जो हाल हुआ है उसे हम देख ही रहे हैं।

कोरोना वायरस का संकट दुनिया के लिये एक बड़ी चुनौती बन गया है विशेषतः आर्थिक अस्थिरता एवं संकट का कारण बन कर दुनिया को झनझोर रहा है लेकिन भारत इस बड़े





संकट को झेलने में स्वयं को समर्थ पा रहा है तो इसका कारण है कि उसकी आर्थिक सोच में कुछ भिन्नताएँ हैं। समृद्धि को हम भले ही जीवन विकास का एक माध्यम मानें लेकिन समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र, निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिये शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिये जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधना का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे। किसी व्यक्ति विशेष या व्यापारिक व्यावसायिक समूह को समृद्ध के अमाप्य शिखर देने के बजाय संतुलित आर्थिक समाज की संरचना को विकसित करना होगा। भारत की समृद्धि की बदलती फिजाएँ एवं आर्थिक संरचनायें कोरोना वायरस के संकट को कितना पाट पायेगी, यह भविष्य के गर्भ में है क्योंकि आज कहा सुरक्षित रह पाया है - ईमान के साथ इंसान तक पहुंचने वाली समृद्धि का आदर्श ? कौन करता है अपनी सुविधाओं का संयमन ? कौन करता है ममत्व का

विसर्जन ? कौन दे पाता है अपने स्वार्थों को संयम की लगाम ? भारतीय मनीषा ने "सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः" का मूल मंत्र दिया था अर्थात् सब सुखी हो, सब निरोग हो, सब समृद्ध हो, गांधीजी ने इसी बात को अपने शब्दों में इस प्रकार कहा था- "जब तक राक आंख में जो आंसू है, मेरे संघर्ष का अंत नहीं हो सकता" व्यक्ति को अपने जीवन में क्या करना चाहिए, जिससे वह स्वयं सुखी रहे व दूसरे भी सुखी रहे। इसके कई उपाय हो सकते हैं, क्योंकि मानव जीवन के कई पहलू हैं लेकिन गोस्वामी तुलसीदास ने मनुष्य के सबसे बड़े धर्म की व्याख्या करते हुए लिखा है - "परहित सरिस धर्म नहीं भाई" भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम स्वयं को कोरोना वायरस के संकट से बचा सकेंगे।

संजीव जोशी  
B.Com II year

## कोरोना और कूटनीति

**कूटनीति की परिभाषा :** आधुनिक दौर में राष्ट्रों अथवा समूहों के प्रतिनिधियों द्वारा किसी मुद्दे पर चर्चा एवं वार्ता करने की कला व अभ्यास कूटनीति कहलाता है। कूटनीति के स्थान पर राजनय शब्द का प्रयोग भी किया जाता है। आज के वैज्ञानिक युग में कोई भी देश अलग अलग नहीं रह सकता क्योंकि देशों के मध्य पारस्परिक संबंध जोड़ना आवश्यक हो गया है। देश कुशल कूटनीति द्वारा राष्ट्रहित में कार्य कर सकता है तथा दूसरे देशों से अच्छे राजनैतिक संबंध बनाकर देश को प्रगतिशील बना सकता है।

**वर्तमान स्थिति में कूटनीति का महत्व :** आधुनिक जैसा कि ज्ञात है कि वर्तमान में विश्व में कोरोना वायरस की महामारी फैली हुई है। ऐसे में कई देश इसकी चपेट में आ गये हैं। इस समय कुशल कूटनीति एवं राजनीति की महत्वपूर्ण भूमिका है। विश्व एक परिवार के समान है, जिस प्रकार परिवार पर संकट आने पर सभी इसका सामना मिल जुलकर करते हैं ठीक उसी प्रकार इस वैश्विक आपदा का सामना भी सभी देशों को संयुक्त रूप से करना चाहिए। इससे बचने के उपाय साथ मिलकर खोजने की आवश्यकता है। ऐसे में यदि कुशल कूटनीति का अभाव हो, तो स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

ऐसे में अच्छे अन्तर्राष्ट्रीय संबंध होना अति आवश्यक है। ताकि देश एक दूसरे की आर्थिक व सामाजिक रूप से सहायता कर सके तथा दूसरे देशों में फँसे अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रबंध कर सकें।

**अमेरिका और चीन की कूटनीति :** इस महामारी के दौर में अमेरिका और चीन के बीच जो जुबानी जंग चल रही है वह अकुशल कूटनीति का उदाहरण है। चूँकि यह महामारी चीन के वुहान शहर से फैली इसलिये इस मामले में अमेरिका ने चीन को दोषी माना तथा वायरस का नाम वुहान वायरस या चायनिज वायरस रख दिया। वही चीन ने अमेरिका मीडिया पर स्वयं को बदनाम करने की साजिश की बात कही। साथ ही साथ अमेरिकी सैनिकों पर ही वायरस को वुहान लाने की बात कही और जैविक हथियार की तरह प्रयोग की बात की गई। पश्चिमी देशों में एशियाई देशों के प्रति जातिवाद बढ़ गया है। मनगढ़ंत एवं बेबुनियादी आरोप प्रत्यारोप होने लगे। जहाँ इस समय विश्व में यह महामारी लाखों लोगों की जान ले रही है, उस समय में बहस का कोई अर्थ नहीं है कि वायरस कहाँ से शुरू हुआ था।

**भारत की कुशल कूटनीति की विश्व भर में प्रशंसा :** एक ओर जहाँ वाद विवाद चल रहे हैं वही दूसरी ओर



भारत की सार्थक कूटनीति की दुनियाभर में प्रशंसा हो रही है। कुशल कूटनीति द्वारा हजारों हिन्दुस्तानियों को संकट से निकाला गया। भारत ने ईरान, इटली और यूरोप के तमाम देशों में रहने वाले भारतीयों को सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। इसके अलावा भारत ने सार्क देशों की विशेष बैठक बुलाकर इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए साझेदारी का नेतृत्व किया। अपने मजबूत कूटनीतिक ढांचे को मजबूत करने के लिए सार्क को गतिशील बनाकर यह संदेश दिया है कि आपदा की स्थिति में भारत दक्षिण एशिया के देशों को निजात दिला सकता है।

भारत सरकार ने कोरोना आपात फंड की शुरुआत भी की है जिसका प्रयोग भारत के पड़ोसी देशों के हित के लिए किया जाएगा। इटली की बदहाल दशा के बावजूद भारत ने अपने 250 छात्रों को

निकालकर अपने परिवारों तक पहुंचाया। इसके पहले भी चीन के वुहान से व्यापक संख्या में फँसे अपने नागरिकों को निकाला जबकि कई देश इस विषय में चुप्पी साधे हुए हैं।

देश लाकडाउन की स्थिति में है जिसका पालन कठोरतापूर्वक किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के संबोधन को माना गया एवं इस प्रकार राष्ट्रीय एकता का सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया गया।

अतः कोरोना वायरस से निपटने के लिए भारत सरकार ने जो रास्ता अपनाया उसे दुनिया के तमाम देशों ने सराहा है। यह सब भारत की कुशल कूटनीति का ही प्रभाव है जिससे विश्व को एक नई प्रेरणा मिली है।

श्रेया देशमुख

B.Sc.I year (M.B.)

## कोरोना की जंग : परिवार के संग

परिवार एक ऐसी समाजिक संस्था है जो आपसी सहयोग व समन्वय से क्रियान्वित होती है और जिसके समस्त सदस्य आपस में मिलकर अपना जीवन प्रेम, स्नेह एवं भाईचारे पूर्वक निर्वाह करते हैं। संस्कार मर्यादा, सम्मान, समर्पण, आदर, अनुशासन आदि किसी भी सुखी सम्पन्न एवं खुशहाल परिवार के गुण होते हैं। कहते हैं कि परिवार से बड़ा कोई धन नहीं होता है। परिवार को हम दो भागों में विभाजित कर सकते हैं :-

### एकल परिवार व संयुक्त परिवार :

एकल परिवार में माता पिता और बच्चें रहते हैं जबकि संयुक्त परिवार में माता-पिता और बच्चों के साथ दादा-दादी व अन्य सदस्य जैसे चाचा-चाची, बुआ आदि सभी लोग साथ में रहते हैं। लेकिन पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित होकर भारतीय समाज बहुत तेजी से अपनी मौलिक व्यवस्थाओं में परिवर्तन ला रहा है।

संयुक्त परिवार जो कभी भारतीय सामाजिक व्यवस्था की नींव हुआ करते थे आज पूरी तरह विलुप्त होने की कगार पर है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि बदलते आर्थिक परिवेश में लोगों की प्राथमिकताएँ मुख्य रूप से प्रभावित हो रही हैं। मनुष्य का एकमात्र ध्यान केवल व्यक्तिगत हितों की पूर्ति करना ही रह

गया है। अपने स्वार्थ सिद्धी के लिए वह अपने परिवार के साथ को भी छोड़ने से पीछे नहीं रहता। भौतिकवाद से ग्रसित आज की भागती दौड़ती जीवन शैली की विडम्बना ही यही है कि परिवारों का स्वरूप छोटा होता जा रहा है। मँहगाई और सहनशीलता की कमी भी इस विघटन के लिए उत्तरदायी साबित हुए हैं। ऐसी परिस्थितियों के फलस्वरूप संयुक्त परिवारों का स्थान पूर्ण रूप से एकल परिवारों ने ले लिया है। लेकिन भारत में प्राचीन काल से ही संयुक्त परिवार की धारण रही है। संयुक्त परिवार में वृद्धों से संबल प्रदान होता रहा है। उनके अनुभव व ज्ञान से युवा व बाल पीढ़ी लाभान्वित होती रही है। वृद्धों व बड़ों का प्रभुत्व रहने के कारण परिवार में अनुशासन व आदर का माहौल हमेशा बना रहता है और यह भी सत्य है कि संयुक्त परिवार दीर्घकालीन होते हैं जिसका अनुभव कठिनाई व दुःख की घड़ियों में महसूस किया जा सकता है और जब भी गलतियाँ करते हैं तब हमें मीठी फटकार लगाकर समझाया जाता है। इस परिवार में सुखी संसार छिपा है जिसके सुख का लाभ किस्मतवालों को ही मिलता है। यह वटवृक्ष की छॉव है जिसकी छॉव में छोटे-बड़े पौधे पलते हैं। यह छोटे-बड़े पौधे और कोई नहीं आप और हम जैसे लोग हैं। लोगो से





परिवार बनता है और परिवार से राष्ट्र और राष्ट्र से विश्व बनता है। इसलिए तो हमारे ग्रंथों में कहा है - " वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात् पूरी पृथ्वी हमारा परिवार है।"

परिवार सभी सदस्यों को आपस में जोड़े रखता है और दुख-सुख में सभी एक दूसरे का साथ देते हैं। वर्तमान में भी पूरी पृथ्वी एक वैश्विक महामारी से जूझ रही है -कोविड-19, इस महामारी ने पूरे विश्व को झकझोर कर रख दिया है। अभी तक इसका कोई इलाज नहीं है। इसलिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इससे बचने के लिए लॉकडाउन का ऐलान किया। हमें इन दिनों में शारीरिक दूरी बनाए रखने की कड़ी हिदायत दी जा रही है क्योंकि इस लड़ाई में सबसे प्रभावी हथियार यही है। बेशक यह ऐलान पीड़ादायक है, क्योंकि काम काजी व्यक्ति को घर में रहना आसान नहीं होता है।

लेकिन इस फैसले से मन की राहें भी आसान हो गई है यानि आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं। पर एकल परिवार के लिए तो अभी भी मुश्किल हो सकती

है, क्योंकि उनके परिवारों में टी.वी., मोबाईल और अकेलेपन के अलावा कोई साधन ही नहीं है क्योंकि उस घर में उसके साथ खेलने वाला कोई साथी नहीं है। इसके विपरित संयुक्त परिवारों के लिए अपने परिजनों के साथ समय व्यतीत करने का साधन मिल गया है जो शायद इन परिवारों को नहीं मिल पा रहा है। इन सभी लोगों का पूरा दिन मिलकर खाना-खाना, साथ में खेल खेलना, टी.वी. या बड़ों के साथ समय व्यतीत करने में ही पूरा दिन निकल जाता होगा। इस जंग से लड़ने और अपने और अपने परिजनों को सुरक्षित रखने के लिए घर सबसे सुरक्षित स्थान है। उसी प्रकार हर मनुष्य की देख भाल, चिंता तथा जरूरतों की पूर्ति परिवार से बेहतर और कोई नहीं कर सकता है। परिवार कैसा भी हो एकल या संयुक्त परिवार साथ होना चाहिए। तभी इस जंग से बाहर निकल सकते हैं यानि इस जंग में एकता और इंसानियत की शक्ति सबसे महत्वपूर्ण है।

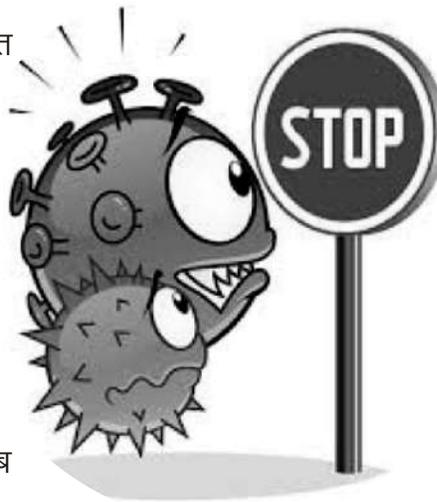
सृष्टि तिवारी

B.Sc.I year (M.B.)

## कितना बदल गया संसार

इस वैश्विक महामारी के दौर में जहाँ एक तरफ कोरोना वायरस से दुनिया का हर इंसान परेशान है, संक्रमित हो रहा है व उनके मौत का कारण बन रहा है। वही इस वायरस ने इंसान को कई पाठ भी पढ़ाए हैं :-

- कोरोना ने इंसानों को अपनी सेहत का ध्यान रखना सीखा दिया है।
- चेहरे पर मास्क, हाथ में सेनेटाईजर और सोशयल डिस्टेंसिंग का अर्थ समझा दिया कि यह कितना अहम है।
- कोरोना ने इंसानों को जीवन का मूल्य बताया है। यदि सब एकजुट होकर इस महामारी के आपदायिक चक्रव्यूह से लड़े तो सब कुछ संभव है।
- कोरोना वायरस जहाँ इंसानों के लिए जहर है वही यह

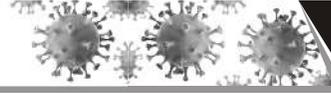


वायरस प्रकृति के लिए वरदान साबित हुआ है। दुनिया में बहुत जगह से वायु प्रदूषण के स्तर में रिकार्ड तोड़ गिरावट दर्ज हुई है। नदी, झरने,

तालाब, समुद्र जो इतनी सालों की मेहनत के बावजूद साफ नहीं हो पा रहे थे वो काम कोरोना के कारण लॉकडाउन के इन 2-3 हफ्तों ने कर दिखाया है।

- तालाब और नदियाँ इतनी साफ हो गई हैं कि यदि उसमें एक सिक्का डाल दो तो सिक्का जमीन पर दिखें इतना साफ हो गया है

पानी। धरती को ढकने वाली ओजोन परत भी अब तेजी से ठीक हो रही है क्योंकि सारे



यातायात अब बंद हो चुके हैं। शायद यह माँ प्रकृति का अपना ही तरीका है, अपने आप को ठीक करने का। कोरोना काल में पृथ्वी पर मौजूद 7-8 अरब लोगों की जान पर खतरा है। लेकिन इसी कोरोना ने लोगों की जिंदगी भी बढ़ा दी है।

- पहले नमस्कार भारत की परंपरा थी, आज पूरी दुनिया का रिवाज बन गया है। कोरोना के कारण दुनिया की कई परंपराएं पिघल गई हैं। खास तौर से पश्चिमी देशों में इसका असर साफ दिख रहा है। अब न तो लोग हाथ मिलाते हैं न गले मिलते हैं, अब तो हिन्दुस्तानी नमस्ते की गुंज पूरी दुनिया में सुनाई देती है।
- पूरी दुनिया के बड़े-बड़े सामूहिक स्थलों पर आज हर तरफ शांति ही शांति है। कोरोना प्रकृति के लिए वरदान साबित हुआ है। लाकडाउन के कारण सभी हवाई अड्डों पर एक साथ सैकड़ों विमान खड़े हैं।  
आने वाले दिनों के लिए चुनौतियाँ बहुत हैं लेकिन इस सब के बीच बदलते संसार की बदलती तस्वीर भी हम सबके सामने है। इस महामारी के समय में लॉकडाउन में प्रकृति और इंसानों का क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ है।

### यह कविता इस दौर में सही बैठेगी।

आज मिलकर जब भारत, अपने घर में रहेगा।  
सब्र कर, कल फिर, हर भारती जय हिन्द कहेगा।  
याद कर इतिहास फिर से, जब भाग में भी देशभक्ति  
लाख कोशिशों के बाद भी, नहीं मिल सकी थी अन्याय से मुक्ति।  
एकता के बल पे ही, हम पा सके थे आजादी।  
हजार टुकड़ों में से जब एक हुई थी लाखों की आजादी।  
आज फिर मंडरा रहा है इस महामारी का संकट,  
हो शहीद मिट्टी का लाल, लांग रहे हैं मरघट  
न खड़ा है वो सीमा पर, न पहना है सेना की वर्दी  
जान जोखिम में डालकर, लड़ रहा है हर स्वास्थ्यकर्मों  
आज रहो सब घरों में, न लांगो यह लक्ष्मण रेखा  
कल फिर झूमेंगे हम, फिर बरसेगी आजादी की मेघा।  
हाँ नहीं है आसान, उठाने पड़ेगे कुछ कष्ट  
पर नहीं बड़ा यह कष्ट उस पीड़ा से, जब जीवन हो जाएगा नष्ट।  
उस आजाद भारत का सूरज भी, इतना ही प्रज्वलित हुआ होगा।  
कोरोना से जीत के बाद भारत जब उज्वलित होगा।  
तुम बिल्कुल भी मत डरो, सावधानी से करेंगे सामना।  
जीते हम कोरोना से, ईश्वर से यही कामना।  
हर सुविधा से ज्यादा, जान होती है कीमती  
रहिये अपने घरों में, आज देश से यही है विनती।

ईशान शर्मा  
BBA II year

## कोरोना वायरस : जानकारी जो जानना जरूरी

**प्रस्तावना :** विश्व स्वास्थ्य संगठन (W.H.O.) ने कोरोनावायरस को महामारी घोषित कर दिया है। कोरोनावायरस बहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी वायरस है। कोरोनावायरस मानव के बाल की तुलना में 900 गुना छोटा है, लेकिन कोरोना संक्रमण होने से तेजी से फैल रहा है।

**कोरोना वायरस क्या है ? :** कोरोनावायरस (सीओवी) का संबंध वायरस के एक ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है अभी तक कुल 6 कोरोना वायरस हैं जो मानव को नुकसान पहुंचाते हैं एवं यह सातवाँ वायरस है जो नया है एवं मानव को नुकसान भी पहुंचाता है यह वायरस मानव से मानव

में भी फैलता है यहां तक कि मनुष्य की मृत्यु का कारण भी बन सकता है

**कहां से फैलना शुरू हुआ कोरोना वायरस :** यह वायरस सबसे पहले चीन के वुहान शहर में घातक रूप में देखने को मिला यह वायरस विश्व के लगभग सभी देशों में फैल चुका है सिर्फ कुछ आईलैंड ही इससे अछूते रह गए।

**क्या है इस बीमारी के लक्षण :** (कोविड 19) कोरोना वायरस में पहले बुखार आता है और फिर सूखी खांसी होती है एवं एक हफ्ते बाद सांस लेने में तकलीफ होने लगती है।

**कोरोना वायरस से बचाव के उपाय :** इसके संबंध में W.H.O. एवं स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिशा निर्देश जारी किए हैं इनके मुताबिक :



हाथों को बार बार साबुन से धोना चाहिए। सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी) का पालन करें। अल्कोहल आधारित हैंड सेनीटाईजर का उपयोग करना चाहिए। खॉसते व छींकते समय नाक और मुंह को टिशु पेपर या रूमाल से ढकें। जिन व्यक्तियों को कोरोना वायरस के लक्षण हो, उनसे दूरी बना कर रखें। अंडे और मांस के सेवन से बचें।

जंगली जानवरों के सम्पर्क में आने से बचें। अगर आप को कोरोनावायरस के लक्षण हो तो खुद को क्वॉरेंटाईन या सेल्फ आईसोलेशन में रखें।

मास्क पहने (अगर आप स्वस्थ हैं तो आपको मास्क पहनने की कोई जरूरत नहीं किन्तु अगर आप किसी कोरोनावायरस से ग्रसित मरीज की देखभाल कर रहे हैं तो आप को मास्क पहनना अनिवार्य है। कहीं भी बाहर जायें तो मास्क पहने जिससे संक्रमण का खतरा बहुत कम होता है।

**कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से कैसे रोके :**

सार्वजनिक वाहन जैसे बस, ट्रेन, ऑटो रिक्शा, आदि में यात्रा न करें। घर में मेहमान न बुलायें।

ऑफिस, स्कूल आदि सार्वजनिक स्थानों पर ना जाएं। यदि आप ज्यादा लोगों के साथ रह रहे तो ज्यादा सर्तकता बरतें।

यह लगातार 14 दिन तक करते रहे जिससे संक्रमण का खतरा कम हो सके।

अगर आप किसी संक्रमित इलाके से आए हैं या किसी संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आए तो स्वयं को क्वॉरेंटाईन या सेल्फ आईसोलेशन करें।

**सरकार द्वारा उठाए कदम :** भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार 21 दिनों का लॉक डाउन किया गया एवं अनेक देशव्यापी योजनाएं बनाई जैसे 3 महीने का राशन मुफ्त में दिया गया एवं आरबीआई द्वारा भी बैंको की किस्तों की अवधि आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया और भी अन्य नियम एवं अपील सरकार द्वारा की गई है।

**प्रभावित देश :** सर्व प्रथम इस वायरस से चीन प्रभावित हुआ परन्तु आज की स्थिति में अमेरिका जैसे सुपर पावर में इसका सबसे अधिक प्रकोप चल रहा है और इटली, स्पेन जैसे देश भी इस वायरस से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं एवं हजारों की संख्या में मौतें हुई हैं तथा यह आंकड़ा लाखों में पहुँच

सकता है।

**भारत पर प्रभाव :** हालांकि अन्य देशों की तुलना करे तो भारत में इस वायरस ने अभी अपने पैर इतने नहीं पसारें हैं एवं सरकार द्वारा त्वरित निर्णय के द्वारा वायरस से कम लोग ही संक्रमित हुए हैं परन्तु यह आंकड़ा अभी भी हजारों में है और आगे बढ़ता ही जा रहा है।

**वैक्सीन :** अभी तक इस वायरस की कोई भी वैक्सीन नहीं बनी है सिर्फ शासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देश एवं अपील के द्वारा ही इस वायरस के संक्रमण से बचा जा सकता है।

**चीन का कोरोना वायरस के प्रति रवैया :** इस वायरस के बारे में सर्वप्रथम चीन द्वारा W.H.O. को सूचित किया गया। चीन द्वारा 31 दिसम्बर 2019 को W.H.O. को इसके बारे में सूचना दी एवं जिस सीफूड मार्केट से यह वायरस निकला था उस मार्केट को 1 जनवरी के दिन बंद कर दिया गया एवं 23 जनवरी के दिन वुहान को पूर्णतः लॉकडाउन कर दिया गया एवं आगे भी इस वायरस से बचने के लिए नियम लागू किए गए।

**चीन की आलोचना :** आलोचकों का कहना है कि चीन ने समय रहते अगर इस वायरस के बारे में विश्व को जानकारी दे दी होती तो आज यह स्थिति नहीं बनती एवं समय रहते इस वायरस से बचा जा सकता था परन्तु चीन ने ऐसा नहीं किया और इन चीजों पर लोगों का ध्यान ना जाए इसलिए अब चीन अन्य देशों को मास्क दवाई एवं अन्य जरूरी सामान दे रहा है और उसमें भी कुछ देशों ने चीनी सामान की गुणवत्ता अच्छी ना होने पर उसे पुनः लौटा दिया है।

**W.H.O. की भूमिका :** डब्ल्यूएचओ ने इस वायरस से निपटने के लिए विश्व के सभी देशों को दिशा निर्देश एवं आवश्यक उपचार के बारे में बताया।

**W.H.O. की आलोचना :** W.H.O. की आलोचना इसलिये हो रही है क्योंकि कहीं ना कहीं W.H.O. का झुकाव चीन के प्रति रहा है एवं वक्त रहते स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और जनवरी के पहले सप्ताह तक डब्ल्यूएचओ ने इस बात को नकार दिया था कि यह मानव से मानव में फैलता है।

**उपसंहार :** कोरोना वायरस के पहले भी 2002-2003 में सार्स वायरस का प्रकोप दुनिया झेल चुकी है। 8000 से ज्यादा लोग संक्रमित एवं 700 से ज्यादा लोग की मौत हो चुकी थी एवं एम.ई.आर.एस. वायरस का प्रकोप भी





दुनिया झेल चुकी है।

कोरोना वायरस से अब तक 10 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो गए हैं और हजारों की संख्या में लोगों की मृत्यु हो गई और यह आंकड़ा लाख तक पहुँच जाएगा। कोविड 19 से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा एवं यूएन ने हाल ही में कहा है कि पूरे विश्व में रिसेशन आया सिर्फ एक्स्पेक्शन में चीन और भारत है इस वायरस का आने वाले साल में भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे कई लोगों की नौकरियाँ चली जाएगी और बेरोजगारी भी बढ़ सकती है।

**सकारात्मक पहलू :** विश्व व्यापी लॉकडाउन से वायु प्रदूषण बहुत कम हुआ है और भारत में गंगा, यमुना जैसी नदियाँ में भी प्रदूषण कम हुआ है। औजोन परत भी रिकवर हो रही है। ध्वनि प्रदूषण में आई कमी के कारण वैज्ञानिक को छोटे स्तर का भूकंप का पता लगाने में भी आसानी हो गई है।

**आने वाले समय में परिवर्तन :** कोरोना वायरस से पूरी दुनिया प्रभावित हो चुकी है एवं इस वायरस के खत्म होने के बाद लोगों का विज्ञान के प्रति ज्यादा ध्यान जाएगा एवं आने वाले समय में लगभग हर कम्पनी अपने आप को पूर्णतः डिजिटल कर लेगी। जिससे ऐसे वायरस आने पर कम्पनी के कर्मचारी **वर्क फ्राम होम** करे एवं कम्पनी पर कोई प्रभाव न पड़े तथा सरकार आने वाले समय में ऐसी कोई आपदा ना आए इसके लिये पहले से तैयारी करेगी और स्वास्थ्य के क्षेत्र में इन्वेस्ट करेगी जिससे ऐसी आपदाओं को समय रहते नियंत्रित किया जा सके।

कुलदीप आँजना  
B.Sc. II Year (MB)

महामारी को हटायेगें

## भगवान महावीर के सिद्धान्त

विश्व के सामने कोरोना वायरस की महामारी का संकट है और वह समस्या विकराल रूप लेते जा रही है। ऐसी स्थिति में कोई समाधान हो सकता है तो वह भगवान महावीर स्वामी के सिद्धान्त, जियो और जीने दो, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम जैसे सिद्धान्तों के साथ मुख वस्त्रिका की परम्परा का पालन करना व आचरण में उतारने से ही हम कोरोना रूपी राक्षस को मात दे सकते हैं।

“जियो और जीने दो” यह हमसे प्रण लेता है कि हम किसी के लिए खतरा नहीं बनेगें, दूसरो को किसी प्रकार की तकलीफ नहीं देंगे।

**अहिंसा :** जैन धर्म का प्रमुख सिद्धान्त, जिसे पूरे विश्व में पालन करने की आवश्यकता है। कोरोना जैसी महामारी भी प्रकृति और जानवरों के साथ की गई हिंसा का ही परिणाम है। अतः इस हिंसा को बंद करने की आवश्यकता है इसके साथ ही बुरे विचारों, नकारात्मक विचारों वाली भी हिंसा है उसे भी रोकने की आवश्यकता है।

**सत्य :** जिसका अर्थ है किसी भी स्थिति में झूठ नहीं बोलना, भारत में कोरोना वायरस फैलने का कारण कुछ लोगो द्वारा संक्रमित होने पर भी अपनी बीमारी को छुपाये रखा जिससे इस महामारी का फैलाव हुआ। अतः भगवान महावीर से प्रेरणा लेकर हमेशा सत्य मार्ग पर चलने की कोशिश करना है।

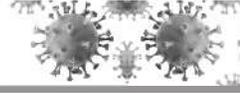
**अपरिग्रह :** जिसका अर्थ है अपने पास जरूरत से ज्यादा भौतिक वस्तुओं को न रखना, जैन साधु अपने पास न तो पैसा रखते हैं न ही कोई भौतिक वस्तु। मनुष्य भी एक सीमित मात्रा निर्धारित करके इस सिद्धान्त का पालन कर सकता है और आवश्यकता से अधिक भौतिक वस्तुएँ होने पर दान देकर मानवता का परिचय दे सकते हैं अर्थात जितना जरूरी हो उतना ही संचय करें, अपनी इच्छाओं को सीमित करें।

**अस्तेय :** चोरी न करना, इसका अर्थ सिर्फ भौतिक वस्तुओं की चोरी नहीं वरन् खराब नियत भी है। यदि आप दूसरो की सफलता से विचलित हो जाए या आप उसे हराने के लिए अनैतिक तरीकें अपनाने लगे तो ये भी एक प्रकार की चोरी है, किसी के भौतिक विचारो को कापी पेस्ट करना भी एक प्रकार की चोरी है।

**ब्रह्मचर्य :** ब्रह्मचर्य का अर्थ सिर्फ अविवाहित या कुँवारा रहना ही नहीं है बल्कि अपनी आत्मा में लीन हो जाना है अपने अन्दर छूपे ब्रह्म को पहचानना बाहर की दुनिया आपको अशांत करती है तो बाहरी दुनिया की परवाह न करते हुए अपने मन की शान्ति के लिए कार्य करते हैं तो आप ब्रह्मचारी कहलाएंगें।

भगवान महावीर ने ये सिद्धान्त हजारो वर्ष पहले बताए थे पर आज भी हर जगह इनको पालन करने की आवश्यकता है। इन सिद्धान्तों को हम आचरण में उतारते हैं तो कोरोना जैसी महामारी को हरा सकते हैं।

डॉ. मीनल वनवट  
सहा. प्राध्यापक (वाणिज्य)



## इंसानियत की सफलता ?

हमारी जीवनशैली, आहार, व्यवहार क्या हो? कोविड-19 में माननीय प्रधानमंत्री को आभार उन्होंने गर्म जल और आयुष की जीवनशैली को प्राथमिकता दी। बच्चो से घरेलू काम में हाथ बटंवाए, उन्हें हल्के फुल्के काम करने का आदि बनायें।

जब सभी धर्म, मजहब, मान्यताओं के दरवाजे बंद हो गए, तब एक ही धर्म ने जीवन के अस्तित्व को बनाये रखा है। वह है मानवीयता।

आज भारत ने विश्व को दिखा दिया है कि वह मानवता का सबसे सच्चा और अच्छा पुजारी है। वह पुजारी -

1. जिसने अपने नागरिकों को सबसे पहले विदेशों से निकाला।
2. मरकज से निकले तबलिकी जमातियों और उनको संरक्षण देने वालों को भी इलाज की सुविधाएँ उपलब्ध कराई।
3. पत्थर, थूक, बेशर्मी (नग्नता), शौच, पेशाब जैसी अभद्रता को सहन कर भी सेवा का उपहार दिया।
4. लाभ, हानि की परवाह छोड़कर सबसे पहले लाकडाउन किया और महामारी से देश को बचाया।

**उपाय :** चारों ओर प्रकृति नवीन रूप में सजकर, श्रृंगारित होकर हमारा स्वागत करने को तत्पर है। क्या हमारा कर्तव्य नहीं है कि इस पावन धरा के कर्ज को लौटाए।

1. प्रयास करे जिससे पर्यावरण की सुरक्षा होती रहे स्वच्छ ऑक्सीजन ही हमें स्वस्थ रख सकती है हमारी रोगप्रतिरोधक क्षमता को विकसित करती है यह कोरोना ने भी सिखाया है, जीने के लिए दवा से ज्यादा आक्सीजन की जरूरत है। हम नदी, नालों, आदि को दूषित होने से बचाये। पेड़, पौधों, वृक्षों से देश को आच्छादित करें। इनका सम्मान करें।

2. प्राकृतिक ऊर्जा के स्रोतों को विकसित करे। भारत सरकार ने ऐसी नीति बनानी चाहिए जिसमें कुछ वर्षों के लिए प्राकृतिक ऊर्जा स्रोत पर कोई टेक्स न हो। तेलों पर हमारा पैसा न बहें।

3. भारत खाद्य तेलों का भी सबसे बड़ा आयातक है। आयातित तेल हमारे जीवन में लाभ के बजाय हानि ज्यादा कर रहे हैं। रिफाईंड तेल ने देश को बीमार बना दिया है। देश में 8 करोड़ मधुमेह और लगभग 3 करोड़ हृदय रोगी है। हम अपने आहार में कम से कम तेल का प्रयोग करें। हमारे देश को खाद्य तेलों का भी आयात करना पड़ता है। शुद्ध देशी घी का प्रयोग करें।

### हमारी जीवन शैली क्या हो :

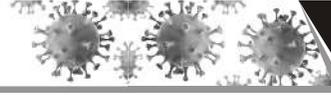
1. दैनिक जीवन में गर्म पानी, गर्म भाप का उपयोग करें, पानी में 5 से 10 तुलसी के पत्ते, अदरक, 4.5 लौंग, कुछ काली मिर्च, आदि अच्छी तरह उबालकर गुनगुना पीने योग्य बनाकर नींबू मिलाकर जितना दिन भर पी सकें अवश्य लेते रहे। नाक में सरसो का तेल या अणु तेल की कुछ बूँदे डाले।
2. सुबह के नाश्ते में अंकुरित अनाज या फल आदि लेवे। (डाईबिटीज रोगियों में बहुत लाभदायक है।)
3. सुबह का भोजन 12 बजे, शाम का भोजन 6 से 7 बजे तक ले लेवे। यह हल्का व सुपाच्य हो।
4. प्रतिदिन कम से कम 30 से 40 मिनट योगा, ध्यान, व्यायाम, प्रणायाम में लगायें। सीढ़ियाँ चढ़ने, उतरने का व्यायाम भी कर सकते हैं।
5. मानसिक तनाव से मुक्त रहे, रोज 6 से 7 घण्टे नींद अवश्य लें।



## कोरोना

एक महामारी ने ये अपना फैलाया ऐसा खौफ है,  
न चलता अब बंदे का जोर है  
अब तो जनता दल कमजोर है,  
न अध्यादेश पर जोर है,  
अब शाहिन बाग बैखौफ है,  
जनता कफ्यू का ऐसा जोर है  
अब बाहर जाना बंद डोर है,  
ये महामारी का खौफ है,  
ये महामारी का खौफ है।

पलक महाजन  
B.Com II year



## समर्पण, त्याग- देशभक्ति के आदर्श

देश भक्ति शब्द सुनते ही शरीर में रोमांच भर जाता है। एक ऐसा भाव पैदा होता है जो शब्दों में व्यक्त करना असंभव सा प्रतीत होता है। दिल खुशी से भर जाता है। जैसे अचानक पतझड़ में बहार आ गयी हो। एक ऐसा जोश और जिम्मेदारी का भाव पैदा हो जाता है जो समय और उम्र की सीमा को तोड़कर सबमें एकरूपता का बोध कराने लगता है। जाति, वर्ग, संप्रदाय और धर्म की सारी सीमायें जैसे टूट जाती हैं। और प्रेम एवं बन्धुत्व की निर्मल धारा बहने लगती है। दिल गर्व का अनुभव करना शुरू कर देता है क्योंकि देश के लिये त्याग की भावना अपने उत्कर्ष पर पहुँच जाती है फिर जबां पे ये शब्द अपने आप आने लगते हैं-

**“जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधारा नहीं वह हृदय नहीं पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।”**

यह सुनने देखने, महसूस करने में बहुत अच्छा लगता है। पर सिक्के के दूसरे पहलुओं पर ध्यान करते हैं तब कुछ अनुत्तरित प्रश्न जैसे अपने आप मुहबायें खड़े हो जाते हैं। उन प्रश्नों पर गौर करने से जैसे रोमांच छीड़ होना शुरू कर देता है, प्रेम एवं बन्धुत्व के निर्मल धारा जैसे मानो अपनी तीव्रता खोना शुरू कर देती है और दिल एवं दिमाग कुंद हो जाता है। पूरे का पूरा उल्लास एवं जोश स्वतः ही जैसे समाप्ति की घोषणा करना शुरू कर देता है और साथ ही साथ मन में यह प्रश्न उठता है क्या ऐसा भी होता है ?

स्वार्थ में पड़कर किया गया कार्य और सोच देश भक्ति की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है। क्षेत्रवाद, भाषावाद, जातिवाद तथा धर्म या सम्प्रदायवाद राष्ट्रीय एकता में सबसे बड़ी बाधा है। अराजकता एवं असामयिक तत्व देश को खोखला करने में लगे हुए हैं। कठिनाईयों से डरकर, अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीनता भी देश भक्ति की भावना को कमजोर बनाती है। नौजवानों का भटकना असामाजिक तत्वों के वर्चस्व को दर्शाता है। अच्छे और

देश भक्तों का निरादर करना तथा देश भक्ति की भावना का उपहास करना एक आम बात हो गई है। यह मेरी आकांक्षा है। इन बुराईयों और अवरोधों को दूर करना होगा, यह हमारी पहली जिम्मेदारी बनती है। यह पढ़ने पढ़ाने या किताबों से नहीं आयेगी बल्कि इसके लिये सोच पैदा करना होगी। अंतरमन में भाव उत्पन्न करने होंगे। देश का प्रत्येक नागरिक देश के लिए सामान रूप से जिम्मेदार होता है। हर एक आदमी जो कुछ अपने लिए करता है वह केवल उसके लिए नहीं होता है अन्ततः उसका वह कार्य उसके कुटुंब, समाज और फिर देश के लिए समर्पित हो जाता है। कोई भी काम न तो छोटा होता है और न तो बड़ा। हर एक काम जो देश और समाज के काम आये वह महान होता है। आइये हम सभी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और एक दूसरे से कंधा मिलाकर देश और देश के विकास के राह में पड़ने वाले सारे अवरोधों को दूर करते हुये शांति और समृद्धि का वातावरण बनायें। समतामूलक समाज की स्थापना करते हुए ऐसी भूमि तैयार करें जो भविष्य की स्वर्णिम धरोहर बन जाये और आगे आने वाली पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर विश्वशांति के मार्ग पर अग्रसर रहे जिससे इतिहास का यह कालखंड भारत को शांति सम्राट के रूप में अमर रखें।

**अक्षयराजसिंह  
B.Sc.I Year**

**इसी उपलक्ष्य में मैं  
अपनी कविता की चंद  
पंक्तियों के साथ इस लेख को  
विराम दे रहा हूँ।**

बहुत हुआ अब बंद करों,  
भटकन का अब अंत करों,  
देश हमारा ऊपर है  
देश भक्ति सर्वोपरि है।  
विविध बाधा आती रहती,  
आकांक्षा लुभाती रहती,  
विश्वशांति के अग्रदूत हम,  
स्वामी के अग्रज सपूत हम,  
बनकर शांति सम्राट विश्व के,  
अमर करें यह काशी हम हे  
भारत वासी हम है भारतवासी।

सूखा, बाढ़, चक्रवाती तूफानों, भूकम्प, भूस्खलन, वनों में लगने वाली आग, ओलावृष्टि, टिड्डी दल और ज्वालामुखी फटने जैसे विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता है, न ही इन्हें रोका जा सकता है, लेकिन इनके प्रभाव को सीमा तक जरूर कम किया जा सकता है, जिसके कि जान-माल का कम से कम नुकसान हो। यह कार्य तभी किया जा सकता है जब समान रूप से आपदा प्रबंधन का सहयोग मिले। प्रत्येक वर्ष प्राकृतिक आपदाओं से अनेक लोगों की मृत्यु हो जाती है, इससे सर्वाधिक जाने चली जाती है। आपदा होने वाले देशों में भारत का दसवां स्थान है।

आपदा प्रबंधन के दो महत्वपूर्ण आंतरिक पहलू हैं। वह हैं पूर्ववर्ती और उत्तरवर्ती आपदा प्रबंधन।

पूर्ववर्ती आपदा प्रबंधन को जोखिम प्रबंधन के रूप में जाना जाता है। आपदा के खतरे जोखिम एवं शीघ्र चपेट में आने वाली स्थितियों के मेल से उत्पन्न होते हैं। यह कारक समय और भौगोलिक दोनों पहलुओं में बदलते रहते हैं।

**हेमन्त राठौर B.Sc.I Year**



## कोरोना क्या व उससे बचाव

कोरोना एक कफ है पर ये सुखा कफ है। हमारे डाक्टर जितनी भी एंटीबॉयटिक दवाईयां देते हैं वो कफ को सुखाने के लिए देते हैं लेकिन ये पहले ही सुखा हुआ कफ है तो इस पर कोई असर नहीं होता। इसी वजह से इसका इलाज अभी तक नहीं ढूँढ़ा जा सका क्योंकि वो अपने दायरे से हटकर नहीं सोच रहे।

पर आयुर्वेद में इसका बहुत ही सरल व सीधा निदान है। आयुर्वेद में कहा गया है कि कफ की बीमारी को काटना सबसे आसान है। अब में इस बीमारी को काटने का सूत्र आपको समझाता हूँ जो कि पूर्णतः वैज्ञानिक है। आयुर्वेद के हिसाब से प्रत्येक खाद्य पदार्थ

अपनी प्रकृति के अनुसार या तो कफनाशक या कफवर्धक (कफ को बढ़ाने वाले) होता है। जिसको कोरोना है उसको एक बंद कमरे में क्वांट्टाईन करके हमें सीधा सा काम ये करना है कि उसको कफवर्धक खाद्य पदार्थ को देना बंद करना है और ज्यादातर कफनाशक चीजों का सेवन कराना है। जब इस वायरस को बढ़ाने के लिए खाद्य पदार्थ ही नहीं मिलेगा और जो मिलेगा वह कफ को नष्ट करने वाला है तो मैं गारंटी देता हूँ पाँच दिन के अंदर यह नष्ट हो जाएगा और मरीज ठीक हो जाएगा।

अब कफवर्धक चीजों की लिस्ट देख लीजिए जो की काफी लंबी है-

कोई भी मांस, अंडा, घी, कोई भी तेल, दूध, लस्सी, पनीर, दही, प्याज, आलू, उड़द की दाल, चने की दाल, अरबी, शकरकन्दी, फूलगोभी, बंदगोभी, शिमला, मिर्च, टमाटर, लहसुन, मशरूम, संतरा, सेब, केला, ग्लूकोज, बिस्कुट, गेहूँ का आटा, ब्रेड।

नोट : अंग्रेजी डाक्टर यही कर रहे हैं क्योंकि वो कफवर्धक चीजों का सेवन मरीज को करा रहे हैं। कफनाशक चीजे देख लीजिये।

अदरक, हल्दी, तुलसी, काली मिर्च, शिलाजीत, मुलहेठी, आमलकी रसायन, काला बांसा, जौ की रोटी, मूंग दाल, धिया, तोरी, जीरा, सेंधा नमक, मीठा अनार, चीकू, नारियल पानी

अब मैं आता हूँ इसके इलाज पर। इसके पांच इलाज में

नीचे लिख रहा हूँ जिनमें से हर एक इलाज अपने आप में पर्याप्त है इसके निदान के लिए

1. कोरोना मरीज को सिर्फ अदरक, हल्दी, तुलसी और काली मिर्च (पाउडर रूप में) का दूध देते रहे। गाय का दूध वो भी देशी हो तो सर्वोत्तम है। उसे कुछ और ना दे। दिन में तीन टाइम यें देते रहे। एक गिलास दूध में मिलाकर गर्म करके। हां वो पानी पी सकता है अगर चाहे तो पर वो भी गरम पानी होना चाहिए। 5 दिन लगातार इस प्रक्रिया से मरीज पूर्णत स्वस्थ हो जाएगा और कोरोना खत्म हो जाएगा। इसे ऐसे समझें कफ सोर्स बंद। कफ खत्म।

2. दिन में तीन टाइम दूध के साथ एक एक चम्मच शिलाजीत रोगी को दे अर्थात् तीन गिलास दूध और तीन चम्मच शिलाजीत। उसे कुछ और न दे। शिलाजीत अत्यंत कफनाशक है। दिन में तीन टाइम ये देते रहें। एक गिलास दूध में मिलाकर गर्म करके। हां वो पानी पी सकता है अगर चाहे तो पर वो भी गरम पानी होना चाहिए। 5 दिन लगातार इस प्रक्रिया से मरीज पूर्णत स्वस्थ हो जाएगा और कोरोना खत्म हो जाएगा। कफनाशक चीजें इस कफ जनित बीमारी को बहुत जल्द ठीक करेंगी।

3. एक चम्मच मुलेठी को दूध के साथ दें। दिन में तीन बार और हां दूध हमेशा गर्म ही होना चाहिए। उसे कुछ और ना दे। दिन में तीन टाइम यें देते रहे। एक गिलास दूध में मिलाकर गर्म करके। हां वो पानी पी सकता है अगर चाहे तो पर वो भी गरम पानी होना चाहिए। 5 दिन लगातार इस प्रक्रिया से मरीज पूर्णत स्वस्थ हो जाएगा और कोरोना खत्म हो जाएगा। याद रखें ये शुगर के मरीज को न दे क्योंकि मुलेठी मीठी होने से शुगर को बहुत ज्यादा बढ़ा देती है।

4. अभ्रक भस्म (शतपुटी) शहर या मलाई या दूध में मिलाकर तीन वक्त दें खाली पेट। अभ्रक भस्म की मात्रा 1 ग्राम के आसपास होनी चाहिए। उसके लेने के 2 घंटे बाद मरीज को 1 गिलास दूध दें। ऐसा दिन में तीन बार करें। मरीज को और कुछ ना दें। लगातार पांच दिन यही प्रक्रिया चलनी चाहिए। हां गरम पानी पी सकता है मरीज।





5. काला बांस को जलाकर उसकी राख शहद में मिलाकर दे और दो घंटे बाद गाय का दूध दे एक गिलास गरम। दिन में तीन बार ऐसा करें। लगातार पांच दिन यही करें।

दूध वैसे तो कफवर्धक है परन्तु गाय या बकरी का दूध में कफनाशक चीजें मिलाकर खाने से इसकी प्रवृत्ति बदल जाती है। भैंस का दूध ज्यादा कफवर्धक है बजाय गाय या बकरी के दूध के। इसके अलावा कुछ अन्य उपचार नीचे हैं -

1. अन्य कफनाशक चीजों का सेवन। हां अनुपात रूप में सिर्फ गाय का गरम दूध ही लें।
2. जहां मरीज हो उस कमरे का तापमान 45से 50 डिग्री तक रखें। उसे लगातार पसीना आएगा और उसका कफ जलना शुरू हो जाएगा। ये कोरोना के विकास के लिए विषम परिस्थिति का निर्माण करता है। भारत देश के लिए खुशखबरी ये कि अब भंयकर गर्मी आने वाली है जिससे इस वायरस को फैलने में रूकावट हो जाएगी।
3. अगर पेशेंट में इतनी शक्ति है कि वो रनिंग कर सकता है तो वो आधा घंटा सवेरे, आधा घंटा शाम को दौड़ लगाए चाहें कितना ही मंदी दौड़ा जाए पर लगातार आधा घंटा दौड़ते रहें। यह विज्ञान है कि जब शरीर से मेहनत होती है तो सबसे पहले

कफ जलता है। ऐसा करने से उसका कफ जलेगा। हां खान पान में ये ध्यान रखना है कि कोई भी कफवर्धक चीज ना लें। जौं की रोटी खाए। और घीया तौरी व मूंग की दाल खायें वो भी कम।

4. अगर पांच दिन तक सिर्फ मरीज को गर्म पानी ही दिया जाए और कुछ भी ना दिया जाए तो उसका कफ स्वयं खत्म हो जाएगा। हां मरीज थोड़ा कमजोर अवश्य हो जाएगा। पर कफ का सोर्स अवश्य बंद हो जाएगा और उसका शरीर खुद इस कफ को खत्म कर देगा। याद रखें आम आदमी 60 दिन तक सिर्फ पानी पर जीवित रह सकता है। भगतसिंह का साथी जतिनदास भूख हड़ताल के 64वें दिन मरा था। और वो सिर्फ पानी ही पी रहे थे। इसलिए बैफिक्र रहें।

5. जो आदमी एक घंटा सवेरें एक घंटा शाम को मेडिटेशन करता है उसका शरीर स्वयं इस बीमारी को समाप्त कर देता है क्योंकि उसे ईश्वरीय ऊर्जा प्राप्त होने लगती है।

ये सारे प्रयोग आयुर्वेद के अनुसार है इसलिए मैं कहता हूं आयुर्वेद जीवन शैली को अपना लीजिये।

श्री सुधीर सोलंकी  
सहा. प्राध्यापक

## सूर्य किरण चिकित्सा का संक्षिप्त इतिहास एवं उपयोग

मनुष्य के जीवित रहने के उस रहस्य, जिसे हम प्राण कहते हैं, के संबंध में जानकारी आज तक नहीं हो पाई। यह प्राण क्या है? शरीर में इसका वास कहां है? प्राण एक तत्व है जिसके निकल जाने पर शरीर के अंग अपना कार्य करना बंद कर देते हैं। और तब हम कहते हैं वह नहीं रहा। हम पूर्णतः ईश्वर एवं प्रकृति पर निर्भर हैं। विज्ञान का अंत है किन्तु आध्यात्म अनंत है। इसलिये अपने शरीर की रक्षा जितनी हम प्राकृतिक रूप से कर सकते हैं, उतनी कृत्रिम रूप से नहीं। वास्तव में अनंत प्रकृति के अनुसार प्राण की सुरक्षा करना ही सूर्य चिकित्सा है।

चिकित्सा की विभिन्न वैकल्पिक प्रणालियों में सूर्य किरण चिकित्सा का अपना अलग स्थान है। इस प्रणाली में रोगी की चिकित्सा सूर्य की रश्मियों से की जाती है। सूर्य

शक्ति का पुंज है, जीवन का प्रतीक है। हिन्दु धर्म ग्रंथों में सूर्य को ईश्वर का स्थान दिया गया है। समस्त मानव जाति आदि काल से ही उसकी पूजा अर्चना करती रही है। आदि काल में चिकित्सा की कोई वैज्ञानिक प्रणाली नहीं थी। तब अपने कष्टों से मुक्ति पाने के लिए ऋषि-मुनियों ने सूर्य के रोग नाशक एवं शक्ति वर्धक गुणों को पहचाना और प्रायः तभी से शुरू हुई सूर्य चिकित्सा। समय समय पर इसमें खोज एवं शोध होते रहे हैं और आज भी हो रहे हैं।

सूर्य चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह चिकित्सा की प्रणाली सर्वप्रथम भारत में विकसित हुई और फिर मिश्र, यूनान, चीन, ईरान आदि विभिन्न देशों में होते हुई अमेरिका एवं इंग्लैंड जैसे अति विकसित देशों में पहुँची जहाँ यह अत्यंत लोकप्रिय होने





लगी है। आज इक्कीसवीं सदी के इस युग में इस प्रणाली के प्रति लोगों का आकर्षण एक बार फिर से बढ़ने लगा है। इसके चमत्कारिक परिणामों एवं सहज उपलब्धता के कारण यह प्रणाली दिन प्रतिदिन लोकप्रिय होती जा रही है।

वर्तमान समय में लोग हर बात को तर्क की कसौटी पर कसते रहते हैं और उसका वैज्ञानिक आधार खोजते हैं। जब वह तर्क संगत एवं वैज्ञानिक आधार पर खरी उतरती है तभी वे उस पर विश्वास करते हैं। ऐसे में आज के युग में प्रामाणिकता अनिवार्य हो गई है जबकि हजारों ऐसी बातें हैं जिनका प्रमाण देना संभव नहीं है, उनका आधार सिर्फ अनुभव एवं परम्परा हुई है। प्राचीन काल में इस चिकित्सा का कोई वैज्ञानिक आधार खोजा नहीं गया था। उन दिनों लोग यही चिकित्सा सिर्फ धर्म और अनुभव के आधार पर करते थे। अतः उन दिनों इस चिकित्सा का विशेष प्रचार-प्रसार नहीं हो पाया। किन्तु आज इस चिकित्सा पद्धति का जो स्वरूप सामने आया है उसका विकास अमेरिका, इंग्लैंड आदि पश्चिम के देशों में अधिक हुआ है। वे भी अब वैकल्पिक चिकित्सा को अपनाने लगे हैं।

मजदूर दिन भर खेती में या रास्तो पर काम करते हैं, तेज धूप के कारण उनकी त्वचा जल कर काली पड़ जाती है, फिर भी वे आम आदमियों से अधिक स्वस्थ एवं ताकतवर होते हैं जबकि उन्हें न तो भर पेट भोजन मिलता है न ही कोई स्वास्थ्यवर्धक पदार्थ। इसके ठीक विपरीत जो लोग वातानुकूलित कमरों में बैठ कर भर पेट स्वास्थ्यवर्धक भोजन करते हैं, दूध, मलाई, घी, मक्खन आदि का सेवन करते हैं, उनकी शारीरिक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। उन्हें बीमारियां भी अधिक होती हैं। इसका मुख्य कारण सिर्फ धूप का अभाव है। प्रायः सभी लोग किसी न किसी रूप में धूप का सेवन करते हैं पर वैज्ञानिक जानकारी की कमी के कारण इसका उचित लाभ उन्हें नहीं मिल पाता अर्थात् उन्हें सूर्य की किरणों तो प्राप्त होती है पर वे शरीर की आवश्यकता के अनुरूप ऊर्जा नहीं दे पाती। आम तौर पर प्राणी निरोग जन्म लेते हैं किन्तु आज प्रकृति से दूर होते जाने के कारण लोगो को नई-नई बीमारी का सामना करना पड़ रहा है।

**एक प्राचीन कहावत है – पहला सुख निरोगी काया।** यदि शरीर स्वस्थ न हो तो संपूर्ण सम्पन्नता निरर्थक हो जाती है। मानव का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए स्वास्थ्य रक्षा के नियमों को समझना एवं उनका पालन करना न कि रोगी होकर स्वास्थ्य रक्षा के नियमों को समझना और उनका पालन करना। चालीस वर्ष की उम्र के बाद हमें रात्रि में भोजन नहीं लेना

## सूर्य किरण चिकित्सा की विशेषताएं

- कोई साईड इफेक्ट नहीं होता :-
- लंबे समय तक या बार-बार के इलाज शरीर अर्थात् प्रभाव शून्य नहीं होता।
- इसमें बीमार को दवाई नहीं दी जाती बल्कि सिस्टम को दुरुस्त किया जाता है।
- यह एक प्राकृतिक उपचार है जिसके फलस्वरूप कोई बीमारी बार बार नहीं होती। इस चिकित्सा से अनिद्रा, तनाव, माईग्रेन, परकिंसन रोग, मिरगी आदि से बचाव होता है।
- इसके अतिरिक्त स्मरण शक्ति तथा दिमाग की कोशिकाएं पुष्ट होती हैं। वही बच्चों के दिमाग का समुचित विकास होता है। यह चिकित्सा कील-मुहांसों और फोड़े फुंसियों से बचाव में भी सहायक होती है। यह थाईराईड की बीमारी साइनस, दमा, टी.बी. आदि से भी हमें बचाती हैं।
- स्पॉडलाइटिज, आर्थराइटिस, गठिया, घुटने का दर्द एवं उनकी निर्बलता, पीठ दर्द, कमर दर्द, रीढ़ के अंतिम छोर पर दर्द, पसलियों में दर्द आदि के इलाज में भी यह लाभदायक होती है।
- इस चिकित्सा से पेट दर्द, हाजमे की समस्या, एसीडिटी, अलसर, पेट में कीड़े आदि से भी बचाव हो सकता है।
- यह लकवा, पोलियो, मांसपेशी के कमजोरी आदि के इलाज में अत्यंत लाभदायक होती है। कोई बात नहीं तो भी इस्तेमाल करें सूर्य किरण चिकित्सा।
- यह उपचार नियमित रूप से करते रहने से थकान, बदन दर्द, आदि से मुक्ति तथा किसी अंग के जले होने पर उसमें जलन में राहत मिलती है।

श्री योगेश मिश्रा  
सहा.प्राध्यापक

चाहिए बल्कि कुछ हल्का सा सात्विक भोजन जैसे दूध, थोड़ी सी खीर आदि का सेवन करना चाहिए। ऐसा करने से हम स्वयं फुर्तीला एवं स्वस्थ अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य रक्षा के नियमों में वायु, श्रम, आहार एवं जल अनिवार्य हैं तो कुछ परहेज भी जरूरी है। प्राण शक्ति के जागृति करण से समस्त रोगों का उपचार हो जाता है। इसके लिए सूर्य किरण चिकित्सा प्रणाली का सहारा लिया जा सकता है।



## कोरोना : क्या खोया, क्या पाया

**प्रस्तावना :** विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित किया है। माना कि यह भयानक महामारी ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया है। सारी दुनिया आर्थिक संकट से भी जूझ रही है।

**जान है तो जहान है।**

**कोरोना का रोना :** प्रत्येक सिक्के को दो पहलू होते हैं। यह तो आपके नजरिए पर निर्भर करता है कि आप किस पक्ष पर अधिक संवेदना प्रकट करते हैं। हमें बीमारी के कारण व उपाय ध्यान रख सावधानीपूर्वक अपने घर पर ही रहकर लाकडाऊन का पालन का पालन करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए स्वयं का ज्ञानवर्धन करना चाहिए क्योंकि

1. अभी टाईम पास करने का नहीं हर टाईम अपने पास रखने का समय है।
2. स्वाध्याय कीजिए बाकि सब बातों को तिलाजंलि दीजिए क्योंकि पहले भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में स्वयं के लिए समय ही नहीं निकाल पाते थे।
3. कोरोना का रोना बंद कीजिए और शुद्ध आत्मा से नाता जोड़िये।
4. चिंता को चिंता में जाने का प्रथम सोपान है। चिंता मत कीजिये।
5. प्रतिकूलता अर्थात् सक्रियता का अवसर है, चिंताकानहीं।
6. तेश मे मत आईए अन्यथा सब कुछ केश हो जाएगा।
7. परिग्रह ने कभी भी किसी का हित नहीं किया है। लाकडाऊन ने हमें सीमित साधन में संयम से जीना सीखा दिया है।
8. नासमझी से बढ़ा कोई दूसरा रोग नहीं है। अतः भूल कर भी घर से बाहर न जाए।
9. “घर पर रहिए- सुरक्षित रहिए।”

**कोरोना देश पर संकट :** सर्वप्रथम इस वायरस से चीन प्रभावित हुआ धीरे धीरे इसने पूरे विश्व के लगभग सभी (114) देशों को अपनी चपेट में ले लिया। विकासशील होते हुए भी भारत ने विकसित देशों जैसे : अमेरिका की तुलना में इस स्थिति को अधिक धैर्य और बुद्धिमता के साथ टेकल किया। प्रथम लाकडाऊन (21दिन) और द्वितीय लाकडाऊन

(19दिन) द्वारा कुल 40 दिवस के लाकडाऊन ने आर्थिक संकट तो उत्पन्न किया किन्तु मोदी जी के अनुसार 20 अप्रैल 2020 के बाद धीरे-धीरे इस स्थिति से भी हम बाहर होंगे अर्थात् जान भी जहान भी

लाकडाऊन की वजह से बेरोजगारी की समस्या, भूखमरी की समस्या (रोजमर्रा मजदूरी कर कमाकर खाने वालों के लिए) और वे लोग जो अपने घर से दूर हैं उनके लिए घर और अपने से दूर रहने की समस्या जरूर उत्पन्न हुई है। किन्तु समाज के कार्यकर्ताओं व पुलिस द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए भोजन के पैकेट्स बांटे गए एवं यथासंभव कुछ लोगों को अपने घर तक पहुँचाने में भी सहायता की।

समस्या को देख पाना उसे खत्म करने का पहला कदम है।

**कोरोना एक सकारात्मक पहलू :** यह संकट का समय, हमें नवनिर्माण के लिए तैयार कर रहा है, हमें नया रास्ता बता रहा है। लाकडाऊन के कारण हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है किन्तु ऑनलाईन/इन्टरनेट की मदद से आफिस वर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रिश्तों (अपनापन) इन चार अहम् क्षेत्रों में विकास हो रहा है।

**1. आफिस :** वर्क फ्राम होम

**2. शिक्षा :** वर्चुअल क्लासेस पहले

सपने जैसी थी अब वास्तविकता के करीब है।

**3. स्वास्थ्य :** 24 घंटे काम कर रहे हैं हमारे डाक्टर एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी

**4. रिश्ते :** विडियो काल के माध्यम से दूर रहते हुए भी सभी सगे संबंधी आपस में जुड़ गए हैं।

**उपसंहार :** विश्वव्यापी लाकडाऊन से वायु प्रदूषण कम हुआ है, भारत में गंगा जमुना जैसी नदियां शुद्ध होने लगी हैं ओजोन परत रिकवर हो रही है, ध्वनि प्रदूषण कम हो रहा है। सबसे महत्वपूर्ण अपनापन और नजदीकियाँ बढ़ रही हैं। हम सीमित संसाधन में संयम से जीना सीख रहे गए हैं। अच्छे दिन आ गए हैं।

यह संकट का नहीं नवनिर्माण का समय है।

**श्रीमती सोनल गोधा**

**सहा.प्राध्यापक**



## कोरोना वायरस विश्वमहामारी

मध्य चीन के वुहान शहर में 2019 दिसंबर में नये किस्म के कोरोना वायरस के संक्रमण की शुरुआत हुई। बहुत से लोगों को बिना किसी कारण निमोनिया होने लगा। इनमें से अधिकतर लोग वुहान सीफुड मार्केट में मछलियाँ बेचते हैं तथा जीवित पशुओं का व्यापार करते हैं। चीनी वैज्ञानिक ने बाद में कोरोना वायरस की नई नस्ल पहचान की जिसे 2019न कोव प्रारंभिक पदनाम दिया गया।

इस विषाणु का उपभेद है - *Severe acute respiratory syndrome coronavirus-2 ( SARS - Cov-2)*

इस विषाणु का प्रथम मामला 1 दिसंबर 2019 में सामने आया था।

20 जनवरी 2020 को चीनी प्रीमीयर ली केकियांग ने नावेल कोरोनावायरस के कारण फैलने वाली निमोनिया महामारी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए निर्णायक और प्रभावी प्रयास करने का आग्रह किया। 14 मार्च 2020 तक दुनिया में इससे 5800 मौतें हो चुकी थी। 9 फरवरी तक व्यापक परीक्षण में 88000 से अधिक पुष्ट मामलों का खुलासा हुआ था। 20 मार्च 2020 तक थाईलैंड, दक्षिण कोरिया

जापान, ताईवान, मकाऊ, हांगकांग, अमेरिका, सिंगापुर, वियतनाम, भारत, ईराक, ईरान, इटली, कतर, दुबई, कुवैत, और अन्य 160 देशों में पुष्टि के मामले सामने आए।

### कैसे होती है ये बीमारी :

कोविड - 19 संक्रमितो को कफ और बुखार होता है। ऐसा रेस्परेटरी सिस्टम तक संक्रमण होने से होता है। इसमें रेस्परेटरी लाईनिंग में जख्म होता है जिससे उसमें सुजन पैदा होती है। यह एयरवे की लाईनिंग में परेशानी पैदा करता है। तथा धूल के कण से भी खासी होने लगती है। हालत तब और बिगड़ जाती है जब यह एअर लाईनिंग को पार कर गैस एक्सचेंज यूनिट तक पहुँचता है। यह यदि संक्रमित हो जाए तो फेफड़े के नीचले हिस्से के वायुकोषों में सूजन पैदा करने वाली सामग्री उड़लेने लगता है। वायुकोषों में सूजन के बाद द्रव तथा इनफलेमेटरी सेल्स फेफड़े में आने लगते हैं। जिसका परिणाम निमोनिया होता है। इस स्थिति में फेफड़ा रक्त प्रवाह से पर्याप्त आक्सीजन नहीं ले पाता है और शरीर में आक्सीजन लेने तथा कार्बन डाई आक्साईड के प्रभाव से बचने की क्षमता कम हो जाती है।

श्री सागर मोरे  
सहायक प्राध्यापक

## विश्व महामारी कोरोना

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) का बुलेटिन कहता है कि पैडेमिक (वैश्विक महामारी) दुनिया भर में फैला संक्रमण अथवा अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर व्यापक क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगो लगने लेने वाला रोग है। पिछली चार वैश्विक महामारियां इन्फ्लुएंजा(फ्लू) वायरस के कारण हुई है इसलिए अब तक का चिकित्सीय विमर्श फ्लू महामारी पर हुआ है। डब्ल्यूएचओ ने इस साल कहा इन्फ्लुएंजा स्ट्रेन का एक नया बेहद संक्रामक और वायुजनित विषाणु कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगो को निश्चित तौर पर अपनी गिरफ्त में लेगा। नई वैश्विक महामारी आएगी इसमें संदेह नहीं है, बस देखना यह है कि यह कब आती है। जब डब्ल्यूएचओ ने यह चेतावनी दी थी, तब किसी को नए कोरोनावायरस की गंभीरता का अंदाजा नहीं था।



31 दिसंबर 2019 को डब्ल्यूएचओ ने चीन के शहर वुहान में कई निमोनिया के मामले के पीछे एक पूर्व अज्ञात वायरस की पहली रिपोर्ट सुनी। कोविड 19 डैशबोर्ड के अनुसार 2165500 से अधिक पुष्टि किये गये मामले और 145705 से अधिक मौतें इस वायरस से हुई है। 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में इस गंभीर बीमारी का पता चला है।

जैसा कि भारतीय अधिकारी कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए काम करते हैं। ऐसे कई कदम हैं जो आप कोविड 19 संक्रमण होने के जोखिम को कम करने के लिए ले सकते हैं। यहां आपको सुरक्षित रहने की तरीके के बारे में जानना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड - 19 को आपाताकाल घोषित किया है। अभी तक कोविड - 19 के इलाज के लिए कोई दवाई नहीं है। विश्व



स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सबसे प्रभावी सुरक्षात्मक उपाय इस प्रकार है :

**1. वांशिंग हेन्ड्स :** अपने हाथों को नियमित रूप से साफ करना । हाथ धोते समय रोगजनक को मारने के लिए अल्कोहल आधारित साबुन और पानी का उपयोग करें । ऐसा बार-बार करें ।

**2. सोशल डिस्टेंसिंग :** कम से कम 1 मीटर ऐसे लोगों से दूर रहें जो खांसते या छींकते हैं ।

**3. अपने चेहरे को छूने से बचाएं :** यदि वायरस ने आपके हाथों को किसी दूसरी सतह के सम्पर्क में आने के बाद दूषित कर दिया है तो यह आपको आपकी आँखों, नाक या मुँह से संक्रमित कर सकता है ।

**4. यदि आप बीमार हैं :** यहाँ उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए डब्ल्यूएच ओ की सलाह का एक सारांश है जहाँ कोरोनावायरस फैल रहा है या जिन्होंने पिछले दो हफ्तों में ऐसी जगह की यात्रा की है । हल्के लक्षणों जैसे सिरदर्द और थोड़ी बहती नाक के साथ तब तक घर पर रहें जब तक आप बेहतर न हो जाएं । यदि आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में तकलीफ है तो डाक्टर से मिलें । अपने यात्रा इतिहास के बारे में उसे (या उसें ) सूचित करें । उन्हें बतायें कि क्या आप अन्य यात्रियों के सम्पर्क में आए हैं ।

**5. सामाजिक संगठनों की भूमिका :** कोरोना के खिलाफ लड़ाई में पूरा देश एकजुट हो गया है । औद्योगिक संगठन ही नहीं, धार्मिक सामाजिक संगठन भी कोरोना के खिलाफ संघर्ष में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं । तिरुपति बालाजी मंदिर ट्रस्ट ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 200 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है । इसके अलावा शिर्डी साईं मंदिर संस्थान ने 51 करोड़ रुपये, पतंजलि योग पीठ के माध्यम से बाबा रामदेव ने 25 करोड़ रुपये, माता वैष्णव देवी मंदिर ट्रस्ट ने सात करोड़ रुपये, और खाटूश्यामजी मंदिर ने 11 लाख रुपये और महावीर हनुमान मंदिर ने एक करोड़ की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है । इनके अलावा सालासर बालाजी धाम ने 11 लाख रुपये, जीण माता मंदिर ने पाँच लाख

रुपये की मदद उपलब्ध कराई है । आर्थिक मदद के अलावा कई धार्मिक सामाजिक संगठन गरीब लोगों को तैयार भोजन और राशन सामग्री भी वितरित कर रहे हैं ।

**6. पुलिस की भूमिका :** कोरोना वायरस के खिलाफ चल रही मुहिम में पुलिस भी पूरे समर्पण भाव से अपनी भूमिका निभा रही है । पुलिस टीम बनाकर बाहर से आने वाले लोगों पर निगरानी रख रही है । लोगों को समझाईश देकर वापस भेज रही है । पुलिस प्रशासन व्यापारियों से निवेदन कर दुकान बंद करवा रही है । पुलिस प्रशासन लगातार नगर व आसपास के क्षेत्रों में लोगों से निवेदन करते हुए वायरस के बारे में जानकारी व उससे निपटने की समझाईश दे रही है । लोगों को बताया जा रहा है कि बगैर अति आवश्यक काम के अलावा घर से बाहर ना निकले । हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोएं । मास्क का उपयोग करें ।

**7. डाक्टर की भूमिका :** पुलिस के साथ साथ डाक्टरों की भी कोरोना से जंग में अहम भूमिका है । डाक्टर अपने घर परिवार से दूर रहकर अस्पताल में मरीजों का इलाज कर रहे हैं । ये बीमारी डाक्टरों को भी अपनी चपेट में ले रही है फिर भी अपनी जान की परवाह ना किये बगैर डाक्टर कोरोना मरीजों का निःस्वार्थ भाव से इलाज कर रहे हैं ।

कोरोना वायरस आपके फेफड़ों को संक्रमित करता है । इसके दो मूल लक्षण होते हैं बुखार और सुखी खांसी । कई बार व्यक्ति को सांस लेने में दिक्कत आती है । इस वायरस के कारण शरीर का तापमान 37.8 तक बढ़ सकता है । जिस कारण उस व्यक्ति का शरीर गर्म और उसे ठंड महसूस हो सकती है । इसके कारण गले में खराश, सिरदर्द और डायरिया हो सकता है । अगर मरीज को सांस लेने में काफी परेशानी हो रही है तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए ।

कोरोना वायरस से बचने के लिए आप अपने हाथों को नियमित रूप से साबुन से या एल्कोहल युक्त सेनेटाईजर से धोएं । बिना हाथ धोए अपने चेहरे को ना छुएं । तथा लोगों से 6 फीट दूरी बनाए रखें । सामाजिक समारोह तथा भीड़ वाले इलाकों में जाने से बचें । हाथ मिलाने के बजाए नमस्कार करें ।

शिवम कुशवाह  
B.Com II year

**नहीं उड़ान**  
रास्ता है मुश्किल  
उड़ने को आकाश बहुत है,  
हर मोड़ पर लगता है कि  
मंजिल मेरे बहुत पास है,  
पर जब तक मंजिल पा ना लूँ,  
राही हूँ तलाश बहुत है ।  
छोटे छोटे पंखों को ले कर  
दौड़ूँ पड़ुँ अम्बर के कोने को छुने  
मन में ऐसा हौंसला तो बहुत  
पर माँ को लगता हूँ बच्चा  
उड़ने को मेरा घोंसला ही बहुत है ।  
आशीष जादम  
B.Com III year (Tax)



## साम्यवादी चोगे में पूंजीवाद

कोरोना वायरस संक्रमण ड़ेगन की ऐसी छींक है जिससे दुनिया भर में सरकारो का दम फूल रहा है और मानवता का गला रूंधने लगा है। जैसे चीन विश्व का दोषी है, वैसे ही हमारे पड़ोस में भी कुछ दोषी होंगे। चीन ने अपने हिस्से का काम किया, झेल दुनिया रही है। एक जमात ने पूरे समाज को कंलकित करते हुए अपने हिस्से का काम किया और कब्रिस्तान में चौगुनी लाशें पहुंचने लगी, भुगत भारत रहा है। रोग फैलाने के लिए दुनिया और भारत के सबसे बड़े कारक चिन्हित हुए। अपने यहां एक और पक्ष है, विरोध के खूंटे से बंधा विपक्ष। जो संकट के समय भी अपनी प्रकृति नहीं छोड़ता। इसलिए अच्छा हो कि उनके हवा-हवाई विरोध और सामाजिक संवेदनशीलता एवं वैज्ञानिकता को चिढ़ाते सुझावो पर मगज मारना छोड़कर समस्या के वैश्विक मूल, यानि चीन का रूख करें।

हैरानी की बात है कि जो महामारी क्षेत्रीय उत्पात से अन्तर्राष्ट्रीय चक्रवात तक बढ़ चुकी है, चीन चाहता है कि अभी भी उसका ठीक नामकरण न किया जाए। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, सबका कहना है कि कोरोना और भी कई तरह का होता है, फिर वुहान से फैले इस महाविनाशक विषाणु को चाईनिज वायरस क्यों न कहा जाए।

सबसे पहले इसका खुलासा करने वाले डाक्टर ली वेन लियांग से मृत्युपूर्व जबरन इसका खंडन कराने, विषाणु की बात दबाने और मृतकों की संख्या पर लिपापोती के आरोप से चीन की बैचेनी समझ आती है। चीनी विदेश मंत्रालय ने इसके लिए विभिन्न देशों से सम्पर्क कर चिंता जताते हुए वायरस को चायनीज वायरस ना कहने की नसीहत भी दी।

तो फिर चीन की चिंता का कारण क्या है? इस चिंता का समझने के लिए वर्तमान डब्ल्यू एच ओ के पद समीकरणों के साथ कम्युनिस्ट आंदोलनो के गर्भनाल संबंधो को समझना होगा। इसे खुद से सवाल करते हुए कुछ यूँ समझे कि चीन की राजकीय चिंता विश्व मीडिया की चुप्पी क्यों बन गई? क्या बीजिंग की वायरस की मास्क क्षमता ने मीडिया की मुखरता भी छीन ली। ऑस्ट्रेलियाई अखबार डेली टेलीग्राफ ने जरूर चायनीज वायरस के मुद्दे पर चीन से आक्रोश पत्र प्राप्त होने पर इसकी सार्वजनिक बखिया उधेड़ी, किन्तु मीडिया के बड़े हिस्सों में इस पर मौन क्यों बना रहा, और क्यों विश्व स्वास्थ्य संगठन और इसके महानिदेशक की कार्य प्रणाली पर लो कम्पनियो के निवेश, विज्ञापन बजट, यूसी ब्राउजर जैसे पत्रकार प्रशिक्षण और समाचार सेवा के लबादे में मनचाही खबरों को दबाने के औजारों से छिपा है।

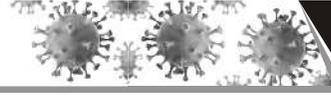
विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानम जिनका हिंसक/आतंकी कम्युनिस्ट आंदोलन से साफ जुड़ाव रहा के मुद्दे पर आज मीडिया का मौन एक पहली जैसा है। गौर करने वाली बात है कि महानिदेशक बनने से ठीक पहले टेड्रोस इस बात को लेकर सुखियों में थे कि उन्होंने इथियोपिया में हैजे जैसी महामारी को बिना वैज्ञानिक जांच के, पानी से फैलने वाली पेचिश बताकर मामला दबाने का कारनामा दिखाया था। इतना ही नहीं आरोप थे कि उन्होंने तीन अलग-अलग वर्षों में बार बार यह काम किया। शायद यह कम्युनिस्ट जुड़ाव ही था जिसकी वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन एजेंसियों की भ्रामक रिपोर्ट पर मुहर लगाते हुए दुनिया भर में ट्विटर के जरिए यह मुनादी कर दी कि चायनीज वायरस इंसानो से इंसानों में नहीं फैलता।

लेकिन यह सोचना कि चीन बदनामी के डर से ऐसा कर रहा है, मूर्खता होगी। दरअसल चीन को बदनामी से कोई फर्क पड़ता तो एमनेस्टी इंटरनेशनल की 2018 में प्रकाशित उस रिपोर्ट में वह पानी-पानी हो गया होता जिसके अनुसार विश्व भर में कुल जितने लोगों को मृत्युदंड दिया गया उससे ज्यादा सजाएं अकेले चीन में दी गईं।

किसी भी बदनामी से बेपरवाह चीन आज दुनिया की विस्तारवादी शक्ति है जिसने साम्यवादी चोगा तो पहना हुआ है लेकिन उसके प्राण पूंजीवाद, शोषण और सिर्फ मुनाफे में बसते हैं। यह बात गाठ बांध लेनी चाहिए कि चीन को बदनामी नहीं सिर्फ अपने आर्थिक नुकसान से फर्क पड़ता है और यही बात उसे समझ आती है।

आय संकट के समय संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की कसौटी पर इस बात को माप कर देखिए। आप पाएंगे कि

1. मार्च 2020 में जिस समय दुनिया भारी उथल-पुथल से कांप रही थी, उस समय भी चीन 12 वाटर ड्रोन के सहारे चीन सागर से बढ़ाते हुए हिन्द महासागर तक की अहम जानकारियाँ बटोरने में लगा था।
2. दुनिया को जिस समय चिकित्सकीय उपकरणों आदि की भारी किल्लत थी उस समय चीन घटिया गुणवत्ता की सामग्री विदेशों में खपाने में जुटा था।
3. जिस समय दुनिया वैश्विक महामारी पर गंभीरता से चर्चा करना चाहती थी, उस समय चीन का बगल बच्चा बना विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) विश्व मंच



पर वैश्विक महामारी की चर्चा ना होने देने का खेल खेल रहा था।

दरअसल यही वह बिन्दु है जहां चीन की बैचेनी का बीज छिपा है। डब्ल्यूएचओ से जवाब तलब करने और विश्व मानवता को हुई क्षति केलिये हर्जाना मांगने के लिये घेराबंदी की जरूरत है। महामारी से अधूरे अनमाने ढंग से निपटने, डॉक्टर ली बेन लियांग जैसे सुझना केहरकारेको खामोश करने और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संस्थाओं का दुनिया को अंधेरे कुंए में धकेलने के औजार के रूप में उपयोग करने प्रथम दृष्टया साक्ष्य दुनिया के सामने उजागर हो रहे हैं।

इस विषाणु ने आघात को झेलने के बाद विश्व व्यवस्था का चेहरा चाहे जो हो, किन्तु उसके हृदय में न्याय और संवेदनशीलता की आग बुझ गई, दोषियों को दंड न मिला तो यह दुनिया के उस सपने को मर जाना होगा जिसे हम सब देखते हैं। इसलिये चायनीज वायरस की रोकथाम और राहत कार्यों से छुट्टी पाने के बाद दुनिया का न्याय पाने के लिये कमर कसनी होगी।

सचिन बजाज  
बी.कॉम. तृतीय वर्ष (टेक्स)

## तनाव मिटाएं-कोरोना भगाएं

कोरोना संक्रमण को लेकर जो माहौल निर्मित हुआ है उसमें लोग तनाव में हैं वह डर रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा नुकसान संक्रमित व्यक्ति के मन में हो रहा है जो कि ठीक नहीं हैं। होना यह चाहिए कि डर की कल्पना को मन से बाहर निकाल कर आत्मविश्वास के साथ सभी को खड़ा होना चाहिए। डॉक्टरों का भी कहना है कि डर और तनाव कोविड 19 से अधिक खतरनाक है विशेषज्ञों का कहना है ऐसी स्थिति में आनंद विभाग नई भूमिका के साथ डर को निकालने में मददगार रहेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि शारीरिक शक्ति के साथ मनःस्थिति का असर पूरे शरीर पर पड़ता है। मनोविज्ञान भी कहता है कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को डर कमजोर करता है। इसलिए हर व्यक्ति में आंतरिक शक्ति व आत्मविश्वास मजबूत होना चाहिए जब परिस्थितियाँ विपरित हो तो विश्राम की भी महती आवश्यकता होती है। लोगो के मन में अनिश्चितता का तनाव भी है। आर्थिक स्थिति, नौकरी, कारोबार ऐसे कई प्रश्न तनाव और भय पैदा करते हैं। डाक्टरों ने दावा किया है कि 90 प्रतिशत मामलों में संक्रमित व्यक्ति अपने आप ठीक हो जाते हैं। लेकिन उन्हें तनाव व भय से सावधान रहने की आवश्यकता होती है। डर और तनाव मधुमेह और हृदय रोगियों की जटिलताओं को बढ़ाते हैं। दिल का दौरा, सांस फूलना, अपच, याददाश्त संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इस तरह के तनाव और भय में लोग आत्महत्या करने की सोचते हैं। डॉक्टर ने तनाव और भय के स्तर को कम करने के लिए व्यक्तिगत रूप से कदम उठाने पर जोड़ दिया है। डाक्टरों ने बताया कि ऐसी स्थिति में समुदाय को समाधान के साथ आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग आगे आकर मददगार बनें। लोगो में तनाव और भय कम करने के लिए सोशल मीडिया और मास मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए। लोगो को रचनात्मक बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एक न्यूनतम जीवन जीना सीखें, शांत रहें, ध्यान और योग का अभ्यास करें। मोबाईल का उपयोग करने की तुलना में परिवार के साथ समय बिताएं। नकारात्मक और नकली जानकारी से दूर रहें। आशावादी रहे। ड्राइंग और गायन जैसे अपने शौक को नई दिशा दें। इसके अलावा हर व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से परिवार के स्वास्थ्य पर अनिवार्य रूप से ध्यान देना चाहिए। राज्य सरकार के आनंद विभाग को इस तनाव पूर्ण माहौल को हल्का करने के लिए मुख्य भूमिका निभानी चाहिए और लोगों में तनाव और भय के स्तर को कम करने के लिए मदद करना चाहिए ऐसी गतिविधियों को आरंभ करना चाहिए। जिसके माध्यम से लोगो में तनाव और भय दूर हो सके।

डॉ. अनिता अग्रवाल  
सहा. प्राध्यापक

## — त्याग —

एक ऐसा गुण अथवा तत्व जो हर प्राणी में सकारात्मक का संचार करता है। मनुष्य में ये गुण उसकी मानवता का परिचय देता है। त्याग ऐसा तत्व है जो विनम्र व्यक्ति की पहचान है।

वर्तमान में जो महामारी पूरे विश्व में तीव्रता से फैल रही है उस महामारी से विश्व को बचाने के लिये कई लोगों का त्याग छुपा हुआ है कई लोग दिन-रात काम कर रहे हैं। डॉक्टर, पुलिसकर्मी, नर्स एवं वे सभी क्षेत्र के व्यक्ति जो इस महामारी से

लड़ने के लिये अपने परिवार से दूर रहकर 24 घण्टे काम करते हैं। बिना अपनी जान की परवाह किये ये लोग अपने कामों को सफल बनाने में लगे हैं। इस त्याग की भावना के परिणामस्वरूप ही हम सब सुरक्षित हैं किन्तु अगर उन्होंने बिना किसी फल के परिणाम के अपने प्राणों को अपनी सेवा में लगा दिये तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि उनके त्याग का सम्मान करें।

नेहा चौधरी  
बी.एस.सी प्रथम वर्ष



## वैश्विक भारतीय संस्कृति और कोरोना

आज दुनिया घातक बीमारी कोरोनावायरस के प्रकोप से जूझ रही है। ऐसे में दुनिया भर में दहशत फैलाने वाली कोरोना वायरस से भारतीय संस्कृति के जरिए बचाव किया जा सकता है। सभी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोरोना वायरस के खतरे से बचने के लिए हाथ मिलाने की संस्कृति से दूर रहने की सलाह दी है और इसकी जगह उन्होंने भारतीय नमस्कारम् यानी नमस्ते की संस्कृति को अपनी जीवन शैली में अपनाकर इस कोविड-19 की चपेट से बचने को कहा है। यह आज दुनिया भर में अभिवादन का वायरस प्रूफ तरीका माना जा रहा है।

हाथ मिलाने से जीवाणुओं का आदान प्रदान होता है लेकिन अगर आप किसी के संपर्क में आए बगैर अभिवादन करना चाहते हैं तो नमस्ते से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। नमस्ते हिंदू परंपरा में प्रणाम के छः तरीकों में से एक है और यह संदेशा देता है कि जो व्यक्ति अभिवादन कर रहा है भले ही वह अजनबी ही क्यों ना हो उसमें और आप में एक समान आत्मा है। नमस्ते शब्द संस्कृत से लिया गया है जो नमः और ते को मिलाकर बना हुआ है। नमः का मतलब है झुकना अथवा आदर प्रकट करना और ते का अर्थ है आपके लिए।

नमस्ते करके हम हर व्यक्ति को आदर देते हैं। इसलिए कोरोना के दौर में दुनिया के बड़े-बड़े नेताओं ने हाथ जोड़कर अभिवादन शुरू कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के राजकुमार चार्ल्स आदि नेताओं ने विभिन्न मौकों पर अभिवादन के लिए हाथ जोड़कर नमस्ते को ग्लोबल कर दिया है। यहीं नहीं भारत में फ्रांस के राजदूत एमानुएल लेनैन ने तो ट्वीट के द्वारा राष्ट्रपति मैक्रों का फैसला बताया

कि श्वह अपने समकक्षों के साथ साथ अभिवादन के लिए नमस्ते का इस्तेमाल करेंगे जो शिष्टाचार का एक अत्यंत ही श्रेष्ठ तरीका है और उन्होंने इसे 2018 की अपनी भारत यात्रा से लिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने देश के लोगों से नमस्ते को अपनाने के लिए कहने में जरा भी संकोच नहीं किया है। अर्थात दुनिया में पारंपरिक भारतीय नमस्ते को अभिवादन, सम्मान व्यक्त करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए देखा जा रहा है। भारत की हर परंपरा के पीछे कोई विज्ञान होता है। हमारे यहां बच्चे का जन्म होता है तो जन्म के बाद मां बेटे को अलग कमरे में रखते

हैं महीने भर तक होम क्वारेंटाईन करते हैं, जिससे जीवाणु नहीं फैलते। हम सदैव ही घी और हवन सामग्री के द्वारा हवन करते हैं, जिससे वातावरण शुद्ध होता है। हमने आरती को कपूर से जोड़कर हर दिन कपूर जलाने के महत्व को समझाया ताकि घर के जीवाणु मर सकें। मंदिरों में शंखनाद किए, हमने मंदिरों में बड़ी-बड़ी घंटियां लगाई जिनकी ध्वनि आवर्तन से सूक्ष्मजीव नष्ट हो जाते हैं, हमने भोजन की शुद्धता को महत्व दिया और इसमें हल्दी को अनिवार्य कर दिया। हम उत्सव भी बनाते हैं तो मंदिरों में जाकर सुंदरकांड का पाठ करके धूप दीप ध्वनि कर के वातावरण को शुद्ध करते हैं। हम दीपावली में घर के कोने कोने को साफ करते हैं उससे विषाणु मुक्त घर बनाते हैं। आज हमें हमारी संस्कृति और देश पर गर्व होना चाहिए कि पूरा विश्व हमारी संस्कृति को सम्मान से देख रहा है वह अभिवादन के लिए हाथ जोड़ रहा है, वह शव जला रहा है तो हमारा अनुसरण कर रहा है हमें हमारी संस्कृति पर गर्व है।

डॉ. अक्षिता तिवारी  
वाणिज्य विभाग



## रिक्शे वाला

एक बार एक अमीर आदमी कहीं जा रहा होता है तो उसकी कार खराब हो जाती है। उसका कहीं पहुँचना बहुत जरूरी होता है। उसको दूर एक पेड़ के नीचे रिक्शा दिखाई देता है। वो उस रिक्शे वाले के पास जाता है। वहाँ जाकर देखता है कि रिक्शे वाले ने अपने पैर हैडल के ऊपर रखे हैं। पीठ उसकी सीट पर है और सिर जहाँ सवारी बैठती है उस सीट पर है। और वो मजे से लेट कर गाना गुन-गुना रहा होता है। वो अमीर व्यक्ति रिक्शा वाले को ऐसा बैठे हुए देख कर बहुत हैरान होता है कि एक व्यक्ति ऐसे बेआराम जगह में कैसे रह सकता है, कैसे खुश रह सकता है, कैसे गुनगुना सकता है। वो उसको चलने के लिए बोलता है, रिक्शा वाला झट से उठता है और उसे 20 रुपये देने के लिए बोलता है। रास्ते में वो रिक्शा वाला वही गाना गुनगुनाते हुए मजे से रिक्शा खींचता है। वो अमीर व्यक्ति एक बार फिर हैरान कि एक व्यक्ति 20 रुपये लेकर इतना खुश कैसे हो सकता है। वो थोड़ा ईर्ष्यापूर्ण हो जाता है और रिक्शा वाले को समझने के लिए उसको अपने बंगले में रात को खाने के लिए बुला लेता है। रिक्शा वाला उसके बुलावे को स्वीकार कर देता है।

वो अपने हर नौकर को बोल देता है कि इस रिक्शा वाले को सबसे अच्छे खाने की सुविधा दी जाए। अलग अलग तरह के खाने की सेवा हो जाती है। सूप्स, आईसक्रीम, गुलाब जामुन, सब्जियाँ यानि हर चीज वहाँ मौजूद थी।

वो रिक्शा वाला खाना शुरू कर देता है कोई प्रतिक्रिया कोई घबराहट बयान नहीं करता। बस वही गाना गुनगुनाते हुए मजे से वो खाना खाता है। सभी लोगो को ऐसा लगता है कि जैसे रिक्शा वाला ऐसा खाना पहली बार नहीं खा रहा है बल्कि पहले भी कई बार खा चुका है। वो अमीर आदमी एक बार फिर हैरान, एक बार फिर ईर्ष्यापूर्ण कि कोई आम आदमी इतने ज्यादा तरह के व्यंजन देख के भी कोई हैरानी वाली प्रतिक्रिया क्यों नहीं देता और जैसे कैसे गुनगुना रहा है जैसे रिक्शे में गुनगुना रहा था।

यह सब देखकर अमीर आदमी की ईर्ष्या और बढ़ती है अब वह रिक्शे वालो को अपने बंगले में कुछ दिन रुकने के लिए बोलता है। रिक्शा वाला हाँ कर देता है।

उसको बहुत ज्यादा इज़्जत दी जाती है। कोई उसको जूते पहना रहा होता है तो कोई कोट। एक बैल बजाने से तीन तीन नौकर सामने आ जाते थे। एक बड़ी साईज की टेलिविजन स्क्रीन पर उसको प्रोग्राम दिखाए जाते हैं और एयर कंडीशन कमरे में सोने के लिए बोला जाता है। अमीर आदमी नोट करता है कि वो रिक्शे वाला इतना देखकर भी कुछ प्रतिक्रिया नहीं दे रहा। वो जैसे ही साधारण चल रहा है। जैसे वो रिक्शा में था जैसे

ही है। वैसे ही गुनगुना रहा है जैसे रिक्शा में गुनगुना रहा था।

अमीर आदमी की ईर्ष्या बढ़ती चली जाती है और वह सोचता है कि अब तो हद हो गई। इसको तो कोई हैरानी नहीं हो रही, इसको कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा। ये वैसे ही खुश है, कोई प्रतिक्रिया ही नहीं दे रहा। अब अमीर आदमी पूछता है आप खुश है ना ? वो रिक्शा वाला कहता है जी साहेब बिल्कुल खुश हूँ। अमीर आदमी फिर पूछता है आप आराम में है ना ? रिक्शा वाला कहता है जी बिल्कुल आरामदायक हूँ।

अमीर आदमी अपने सेक्रेटरी को बोलता है कि इसको कह दो कि आपने दिखावे को लिए कह दिया कि आप खुश हो, आप आराम में हो। लेकिन साहेब समझ गये कि आप खुश नहीं हो आराम में नहीं हो। इसलिए आपको उसी रिक्शा के पास छोड़ दिया जायेगा। सेक्रेटरी के ऐसा कहने पर रिक्शा वाला कहता है ठीक है सर, जैसे आप चाहे, जब आप चाहे।

उसे वापस उसी जगह पर छोड़ दिया जाता है जहाँ पर उसका रिक्शा था। अब वो अमीर आदमी अपनी गाड़ी के काले शीशे ऊँचे करके देखता है। रिक्शे वाले ने अपनी सीट उठाई बैग में से काला सा, गन्दा सा, मैला सा कपड़ा निकाला, रिक्शा को साफ किया, मजे में बैठ गया और वही गाना गुनगुनाने लगा।

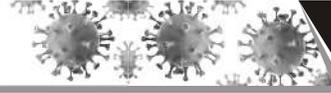
अमीर आदमी सेक्रेटरी से पूछता है कि चक्कर क्या है। इसको कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा, इतनी आरामदायक वाली इतनी बेहतरीन जिंदगी को टुकरा के वापस इस कठिन जिंदगी में आना और फिर वैसे ही खुश होना वैसे ही गुनगुनाना।

फिर वो सेक्रेटरी उस अमीर आदमी को कहता है : सर यह एक कामयाब इंसान की पहचान है। एक कामयाब इंसान वर्तमान में जीता है उसको इन्जॉय करता है और बढ़िया जिन्दगी की उम्मीद में अपना वर्तमान खराब नहीं करता।

अगर उससे भी बढ़िया जिन्दगी मिल गई तो उसे भी वेलकम करता है उसको भी इन्जॉय करता है उसे भी भोगता है और उस वर्तमान को भी खराब नहीं करता और अगर जिन्दगी में दुबारा कोई बुरा दिन देखना पड़े तो वो भी उस वर्तमान को उतने ही खुशी से उतने ही आनंद से उतने ही मजे से, भोगता है मनोरंजन करता है और उसी में आनंद लेता है।

कामयाबी आपके खुशी में छुपी है और अच्छे दिनों की उम्मीद में अपने वर्तमान को खराब नहीं करे और न ही कम अच्छे दिनों में ज्यादा अच्छे दिनों को याद करके अपने वर्तमान को खराब करें।

डॉ अनिता अग्रवाल  
सहा.प्राध्यापक



## वर्तमान से लड़ना होगा



अंधकार को प्रकाश से  
असम्भव को प्रयास से  
कायरता को साहस से  
दुराचार को मानस से, डरना होगा  
परिश्रम के इस भारत के आगे  
भय, स्वयं काल को करना होगा  
बस वर्तमान से लड़ना होगा।  
आकाश को ऊँचाईयों से

सागर को गहराईयों से  
आलस्य को तरुणाईयों से  
अज्ञानता को चतुराईयों से, डरना होगा  
चिन्तन के इस भारत के आगे  
मंथन, स्वयं समुद्र को करना होगा  
बस वर्तमान से लड़ना होगा  
अखिलेन्द्र सिंह डोडिया  
बी.कॉम. ॥ ईयर (टेक्स.)

## कोविड-19 वैश्विक महामारी - अभूतपूर्व संकट

मैं बिना किसी संशय के कह सकती हूँ कि कोविड-19 हमारे जीवनकाल की सबसे अधिक घातक एवं विनाशकारी घटना है और यह हमारे समाज की परिभाषा बदलकर रख देने की क्षमता रखता है। मेरी जानकारी में ऐसी कोई दूसरी महामारी नहीं है जो इतनी तेजी से फैली हो। वर्ष 2019 के दिसंबर के अंत में चीन में कोविड-19 का पहला केस पाया गया और आज अप्रैल 2020 के मध्य में हालात ऐसे हो गये हैं कि दुनिया कि आबादी का अनुमानित एक तिहाई हिस्सा अपने घरों में बन्द है।

यह एक अभूतपूर्व संकट है और ऐसी कोई नियम पुस्तिका नहीं है जो सरकार को यह बताए कि क्या करना है। अर्थव्यवस्थाओं को बंद करने का क्या तरीका हो और उन्हें कब दुबारा खोला जाए, इसको लेकर कोई नियम नहीं है। यह वायरस एक म्यूटेन्ट है जो अपने पशु मेजबानों के माध्यम से इंसानों में प्रवेश कर गया क्योंकि यह वायरस स्वयं को छुपाने के नए तरीके ढूँढने में माहिर है जो इस बीमारी के वाहक हो सकते हैं। यह सर्वथा घातक और विनाशकारी है।

हालांकि अभी हमें जिस चीज के बारे में सोचना चाहिए वह है हमारी धरती की सामूहिक कमजोरी। सबसे ताकतवर नेता हों, उच्चतम तकनीकी वैज्ञानिक प्रतिष्ठान हों अथवा सबसे शक्तिशाली आर्थिक कौशल, सभी इस छोटे से वायरस के आगे अपने आप को बेबस महसूस कर रहे हैं। हमें इस परिस्थिति में विनम्र रहने की आवश्यकता है। हमें सोचना

चाहिये कि ऐसा क्या है जो हम अलग कर सकते हैं, हमें अपनी कार्यशैली और व्यवहार में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है लेकिन मुझे संदेह है कि हम ऐसा नहीं कर पाएंगे।

यह तथ्य है कि जब भी कोई भयावह घटना होती है, हमारा ध्यान तात्कालिक आवश्यकताओं जैसे कि राहत एवं बचाव पर होता है। हमें भविष्य के लिए क्या सीख लेनी चाहिए, इस पर ध्यान नहीं देते। और इस बात में कोई शक नहीं है कि कोविड-19 की रोकथाम जरूरी है।

समृद्ध देशों में जहाँ स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा सबसे मजबूत है, वहाँ मौते सबसे ज्यादा हो रही है। ऐसे हालात में उभरती-विकासशील दुनिया में मानव त्रासदी के पैमाने की कल्पना की जा सकती है जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएं न के बराबर हैं। लेकिन इसके साथ-साथ ही मानवीय अभाव के व्यापक पैमाने की भी कल्पना करें क्योंकि रोजगार लगातार कम हो रहे हैं। गरीबों के घरों की अर्थव्यवस्था कार्यकाल की सुरक्षा पर आधारित न होकर उनकी दैनिक आय पर निर्भर रहती है।

लेकिन ऐसा नहीं है कि कोविड-19 के बाद जीवन समाप्त हो जाएगा। आइए हम अपनी वैश्वीकृत दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करें कि अगली वैश्विक आपात स्थिति से बचाव के लिये हम कोविड-19 से क्या सीख ले सकते हैं। सत्य है कि हम जानते हैं कि हमें एक साथ मिलकर काम करना चाहिए था लेकिन हम ऐसा करने में विफल रहें। चीन ने समय रहते जानकारी विश्व से साझा नहीं की जिसके फलस्वरूप





वायरस देश से बाहर निकला और पूरी दुनिया में फैल गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने या तो तेजी से कार्य नहीं किया या फिर आज हालात ऐसे हो चले हैं जिनमें देशों ने इस संस्था की बात पर ध्यान नहीं दिया। जनवरी माह के अंत तक डब्ल्यूएचओ इस उम्मीद में था कि चीन में ही इस वायरस को रोक लिया जाएगा। यही नहीं डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक यात्रा प्रतिबंधों का भी विरोध किया और अंत तक कोविड-19 को महामारी घोषित करने में अनिश्चय का प्रदर्शन किया।

जब तक डब्ल्यूएचओ की नींद खुली तब तक काफी देर हो चुकी थी और महामारी विकराल रूप धारण कर चुकी थी। डब्ल्यूएचओ ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है और यह ऐसे समय में हुआ है जब विश्व को एक ऐसे सक्षम एवं सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता है जो हमें इस संकट से बाहर निकालें। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहले हफ्तों तक कोई बैठक नहीं की, और जब बैठक हुई तो बिना किसी लड़ाई के इस संस्था ने अपने घुटने टेक दिये।

यह केवल चीन और डब्ल्यूएचओ की बात नहीं है। संकट की इस घड़ी में हर एक अपनी सुरक्षा में लगा है। हालात ऐसे हैं कि देश स्वास्थ्यकर्मियों के लिये आवश्यक मास्क और गाउन एवं सुरक्षात्मक उपकरणों की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके अलावा दवा की आपूर्ति को लेकर विवाद और पहली वैक्सीन बनाने की दौड़ भी चालू है।

यह सोचना इसलिये भी भयावह है क्योंकि हम जानते हैं कि कोरोना वायरस महामारी एक अन्योन्याश्रित वैश्वीकृत दुनिया का परिणाम है। यह एक तथ्य है कि कोरोना वायरस निश्चित रूप से चीन के एक प्रांत से आया है। लेकिन इस बीमारी का प्रसार इसलिये हुआ क्योंकि हमारी दुनिया ग्लोबल गांव है। यदि वायरस का प्रसार दुनिया के कुछ क्षेत्रों में जारी रहता है (जो शायद सबसे कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं वाले या युद्ध और संघर्ष से ग्रस्त देश हों) तो यह पूर्णतया नष्ट नहीं होगा। हम इस युद्ध को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इस संघर्ष में एक साथ विजयी न हों। इसीलिये आज के वैश्विक नेतृत्व की दयनीय स्थिति को लेकर हमें चिंतित होना चाहिये। कई सम्मानित आवाजें हैं जो यह तर्क दे रहीं हैं कि कोविड-19 बहुपक्षवाद का अंत दिखाता है। यह संयुक्त राष्ट्र एवं उसकी सम्पूर्ण परिकल्पना का अंत है। आने वाले समय में नई विश्व व्यवस्था एक पक्षीय ही होगी। हम इसे तब तक नहीं जीतेंगे, जब तक हम इसे एक साथ नहीं जीत लेंगे।

लेकिन कोविड-19 के लिये पर्याप्त नहीं होगा और

निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ तो हमारा पक्ष और भी कमजोर होगा। कोविड-19 की तरह, जलवायु परिवर्तन को भी वैश्विक नेतृत्व की आवश्यकता है। यदि एक भी देश उत्सर्जन करना जारी रखता है, तो बाकी सभी देशों के प्रयासों पर पानी फिर जाएगा। अगर हम चाहते हैं कि सभी देश मिलकर कार्रवाई करें, तो हमें एक सहकारी समझौते का निर्माण करना चाहिए, जिससे अंतिम देश के अंतिम व्यक्ति का विकास पर अधिकार हो।

इस आत्म निर्भर दुनिया में हमें वैश्विक नेतृत्व की आवश्यकता है। इसलिये कोविड-19 के बाद की दुनिया की नई सामान्य स्थिति यह होगी, हमें यह याद रखना चाहिये। हम इसे कैसे ठीक करते हैं यह कल के लिये सवाल है। लेकिन इसे ठीक किये बिना हमारा गुजारा नहीं है।

कोरोना मानवीय त्रासदी लेकर आया है एक ऐसी त्रासदी जो पूरे विश्व को प्रभावित कर रही है। दोनों विश्व युद्धों में आबादी के लिये तो बहुत ही चुनौतीपूर्ण समय आ गया है। कोरोना वायरस की बढ़ती स्पीड को देखते हुए देश की रफ्तार को रोक दिया गया है। पर भारत में डॉक्टर, पुलिसकर्मी से लेकर सफाईकर्मी तक लोगों की जान बचाने के लिये खुद को जोखिम में डाल रहे हैं और सामने आकर लोगों की मदद कर रहे हैं। ये सब कोरोना के जंग के हीरो हैं।

वैश्विक महामारी कोविड-19 लगभग दुनिया के हर देश में फैल चुकी है। यह वायरस कई जिन्दगियाँ छीन लेगा। संस्थाओं और समुदायों को बाधित करेगा। महामारी अपने पीछे बहुत बड़ा दर्द और तहस-नहस अर्थव्यवस्था छोड़ जाएगी। यूनाईटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड डेवलपमेंट का अनुमान है कि 2020 के अंत तक वैश्विक आय में एक से दो ट्रिलियन डॉलर तक की कमी आ सकती है। तेल की गिरती कीमतें इसके निर्यातक देशों के लिये स्थिति और भयावह बना देंगी। हमारे देश में लॉकडाउन लागू हुए करीब एक महीने से अधिक हो गया है और पिछले एक महीने में हमने अनेकों ऐसे उदाहरण देखे हैं जिसमें हमने देखा की दो बच्चों ने अपने जमा किये पैसे पुलिस को दे दिये, एक वृद्ध दंपति ने अपनी सारी सम्पत्ति दान कर दी, खुद पर हमला होने के बावजूद महिला डॉक्टर अगले दिन बिना किसी डर के पुनः अपने काम पर लौट गईं, उपरोक्त सभी उदाहरणों से हमें समाज में समर्पण, त्याग और देशभक्ति की भावना देखने को मिलती है।

डॉ.ममता पंड्या  
सहा.प्राध्यापक



## वैश्विक महामारी एवं राष्ट्र के प्रति हमारी भूमिका

कोरोना वायरस ने इंसानों में त्याग, समर्पण, प्रतिबद्धता, एकजुटता, जरूरत के हिसाब से कार्य करना जैसे कई गुण ला दिये हैं, भारत में लॉकडाउन सही समय पर हुआ और जिस प्रकार से डॉक्टर, पुलिसकर्मी, सैनिक, सफाईकर्मी द्वारा अपनी जान की परवाह किये बिना इस महामारी को रोकने का प्रयास किया जा रहा है हम सभी में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव पैदा करता है। संकट की इस घड़ी में राष्ट्र आप से क्या चाहता है?

और आप देश के लिये क्या कर सकते हैं? एक प्रश्न आप के मन में लगातार उठ रहा है इसका एक ही उत्तर है अभी घर में रहना राष्ट्र के प्रति समर्पण है।

इस लॉकडाउन के दौरान यह मायने नहीं रखता कि आपने कितना बड़ा काम किया है या कितनी मुश्किलें झेली है। बस आपका जज्बा मायने रखता है। यह समय नीति से कमाने रीति से खर्च करने का समय है, संकट में निडर और निर्भय होना भी हमारी जिम्मेदारी है इस समय हर व्यक्ति में मन में भय का वातावरण बना हुआ है इससे बाहर निकलने का मंत्र यही है- संकल्प और सिद्धि। हम एक दूसरे से दूरी बना के रखेंगे और विश्वास से ही इस डर से जीत सकेंगे। जिंदगी की जिन चीजों को हमने महत्व नहीं

दिया आज लगता है वे हमारे लिये कितनी जरूरी थी, कोरोना के बाद हम सभी की जिंदगी में परिवर्तन होना तय है, सांसारिक चीजों का मूल्य अब स्पष्ट हो रहा है, कार्यस्थल पर जाने की प्रतीक्षा है, जिंदगी में संवेदनाओं का महत्व, जीवन बदलने वाली घटना है इसे हम नकार नहीं सकते। हम यह नहीं जानते कि लॉकडाउन के बाद हमारा रवैया कैसा होगा लेकिन कई गतिविधियों में बड़े बदलावों के लिये तैयार रहना होगा। जिससे ज्यादातर ऑफलाईन काम ऑनलाईन होने लगेंगे। यह दौर स्वयं का अध्ययन करने का भी है। कोरोना कोई सपना नहीं है यह धीरे-धीरे पीड़ा बनकर सरकेगा, अभी इस महामारी में हमें राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करना है हमारे योद्धा इस लड़ाई को लड़ रहे हैं उनका सम्मान करना है। आगे भी हम सभी राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान देंगे, जय हिन्द जय भारत

लेफ्टीनैंट चन्द्रशेखर शर्मा  
सहायक प्राध्यापक

दूसरा मौका सिर्फ कहानियाँ देती हैं...

## जिंदगी नहीं

हौंसला कम न करें ...लड़े इस कोरोना से...

सावधानी सबसे बड़ी सुरक्षा  
सावधानी सबसे बड़ी सुरक्षा  
कोरोना की सबसे अच्छी दवा  
किसी को न लगने दे बाहर की हवा  
परिवार के साथ घर में रहना,  
हर दो घंटे में साबुन से हाथ धोना  
बस हाथ से मुंह और नाक ना छुना  
न करना इसमें लापरवाही  
कही न करना आवाजाही  
कोरोना मचा रहा है कोहराम  
चीन अमेरिका इटली और जापान  
महानगर और गांव शहर  
कोरोना इंसानों में मचा रहा गदर  
कोरोना से दुनिया थम गई है  
मानव अपने घरों में जम गया  
कीड़े जैसे मर रहे हैं इंसान  
ईश्वर अल्लाह और भगवान  
कोरोना से बचाए मानव की जान  
डॉक्टर, पुलिस और विज्ञान  
24 घंटे ले रहे हैं इंसान  
फिर भी नहीं मरता कोरोना  
दुनिया से नहीं डरता कोरोना  
अब बस है एक ही उपाय  
घर में रहो सभी मुंह छुपाय।  
सरकार बचा रहे है देश  
बस आप अपना परिवार बचाईये।  
घर में परिवार संग स्वस्थ रहिये,  
फिल्म, सीरियल और रामायण देखिये।  
कोरोना की सबसे अच्छी दवा  
किसी को न लगने दे बाहर की हवा  
आपका अनुशासन आपका जीवन  
सबको खुश रखना, हे भगवान।

जय हिन्द...जय भारत

सुमन कुँवर  
बी.एससी द्वितीय वर्ष



## वैश्विक महामारी कोविड-19 का विश्व स्तर पर पड़ने वाला प्रभाव

कोविड-19 (कोरोना वायरस डिसीस 19) एक संक्रामक बीमारी है जो कोरोना वायरस के कारण से सम्पूर्ण विश्व में फैली। सर्वप्रथम इस से संक्रमित प्रथम व्यक्ति की सूचना चीन में 17 नवम्बर 2020 को मिली तथा धीरे-धीरे यह एक वैश्विक महामारी के रूप में सम्पूर्ण विश्व में फैल गयी। यह चीन के हुबई प्रांत के वुहान शहर में सर्वप्रथम पाया गया। ऐसा माना जाता है कि इस वायरस का प्रवेश मनुष्यों में चमगादड़ का पेंगोलिन नामक जानवर को खाने से हुआ है। यही से यह संक्रामक वायरस चीन के साथ पूरी दुनिया में फैल गया। इस लेख के लिखे जाने तक पुरी दुनिया में 186429 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं। इनमें से 1,15,286 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वायरस संक्रमण को ठीक करने के लिये अभी तक पूरे विश्व में कोई दवाई या वैक्सीन नहीं बन पाया है।

वैश्विक स्तर पर कोरोना वायरस का अत्यधिक प्रभाव पड़ा है जिसे हम निम्न बिन्दुओं में समेट सकते हैं।

मनुष्यों की मांसाहार से शाकाहार की ओर बढ़ती प्रवृत्ति : जैसा की हम जानते हैं कि प्रकृति के अनुसार तीन प्रकार का आहार होता है।

### 1. सात्विक आहार 2. राजसी आहार 3. तामसी आहार

श्रीमद्भगवत गीता में भी श्री कृष्ण ने कहा है कि सात्विक आहार जिसे हम शुद्ध शाकाहारी भोजन भी कहते हैं इसे ग्रहण करने से आयु में वृद्धि होती है, मस्तिष्क का विकास होता है, यह आहार बल और तृप्ति प्रदान करने वाला होता है इसमें दाल रोटी, हरी सब्जियाँ, दही, दूध आदि भोजन शामिल होता है।

इसी प्रकार राजसी आहार में खट्टा, अत्यधिक मिर्च मसाला वाला भोजन सम्मिलित होता है जो कई बीमारियों का कारण बनता है तथा निराशा एवं स्वास्थ्य के लिये हानिकारक होता है।

तीसरा आहार तामसी आहार होता है जिसमें मांसाहारी एवं खाने के 3 घण्टे पहले बना हुआ भोजन तथा बासी एवं अशुद्ध भोजन आता है यह रोगों को बढ़ाने वाला तथा मस्तिष्क एवं मन पर हानिकारक प्रभाव

डालने वाला होता है।

अतः कोरोना वायरस भी तामसी प्रकृति अर्थात् मांसाहार खाने वाले मनुष्य में सर्वप्रथम पाया गया तथा धीरे-धीरे यह पूरे विश्व में एक संक्रमित महामारी के रूप में फैल गया अतः अब वैश्विक स्तर पर एक बड़ी आबादी मांसाहार से शाकाहार की ओर बढ़ रही है।

**वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की कमी :** इस वायरस के इलाज के लिये पूरे विश्व में किसी भी प्रकार की दवाई या वैक्सिन का इजाद नहीं हो पाया है। यह विज्ञान की अपूर्णता को दर्शाता है। ऐसी बीमारियों से निपटने के लिये विश्व के अनेक देशों व संपूर्ण विश्व को अलग स्वास्थ्य व्यवस्थाएं करनी पड़ेगी। इस बीमारी ने अस्पताओं की वेन्टीलेटर व अन्य सामग्रियों की कमी को वैश्विक स्तर पर उजागर किया है।

**वैश्विक स्तर पर भारतीय सभ्यता का प्रचार प्रसार :** इस बीमारी से बचने का एक ही उपाय है सामाजिक दूरी अर्थात् संक्रमित व्यक्ति से 1 मीटर से अधिक दूरी बनाये रखना जिसे संक्रमण फैलने से रूकता है तथा जैसा की हमारी भारतीय सभ्यता में शुरु से ही एक दूसरे को दूर से हाथ जोड़कर नमस्कार करने के संस्कार हैं जबकि पाश्चात्य सभ्यता में हाथ मिलाने की परम्परा है जिसे संक्रमण तेजी से फैल सकता है अतः वैश्विक स्तर पर हमारी भारतीय सभ्यता जो हाथ जोड़कर नमस्कार करने की है उसे पूर्ण तरह से अपनाने पर जोर दिया गया।

**वैश्विक मन्दी :** इस महामारी से बचने के लिये विश्व में अनेक देशों में लॉकडाउन किया गया जिसका अर्थ है सभी कार्यों का स्थगन अर्थात् सभी सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक व अन्य गतिविधियों का बन्द होना।

इसे सम्पूर्ण विश्व एक मन्दी के दौर में चला गया है। इस मन्दी के कारण कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ चुकी है जिससे की वहाँ पर रह रहे निवासियों को अनेक परेशानियाँ उठानी पड़ेगी और पूरे देश को इससे उभरने के लिये अनेक समझौते करने पड़ेंगे।

**रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर :** इस महामारी से यह तथ्य भी सामने आया है कि जिन





व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी हुई है वह इस बीमारी से लड़ सकते हैं जबकि जिन व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है वह इससे जल्दी संक्रमित हो सकते हैं या होने का भय रहता है अतः वैश्विक स्तर पर सभी मनुष्यों को अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने में विशेष ध्यान देना होगा तथा इसी के तहत कई देशों के नागरिक योग, प्राणायाम, आसन आदि प्राचीन भारतीय पद्धतियों को अपना रहे हैं।

**चीनी वस्तुओं का वैश्विक स्तर पर बहिष्कार :** विगत दस वर्षों में चीन के मीट बाजार से अनेको बीमारियों का जन्म हुआ है जो पूरी दुनिया भर में फैली है। कोरोना वायरस भी चीन से हो अन्य देशों में फैला है। इसलिये सभी देश चीन के द्वारा इस बीमारी की सही जानकारी न देने के कारण नाराज हैं तथा इसी कारण से अब सभी प्रभाविक देश अपनी विदेशी नीति में बदलाव कर चीन को दरकिनार करने की ओर बढ़ रहे हैं इसमें चीन में निर्मित सामानों पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश भी चीन पर कड़ा प्रहार करना चाहते हैं।

**भारत विश्व नेता के तौर पर उभरा है :** भारत में इस वायरस को फैलने से रोकने में बहुत कारगर काम करा है। भारत ने अनेकों पश्चिमी देशों की हाईड्रोकलोरोकवीन दवाई का निर्यात करा है जो इस बीमारी को ठीक करने में सहायता करती है। अब भारत इस बीमारी से बचाव में विश्व नेता के तौर पर उभरा है। पाकिस्तान को इस बीमारी ने आर्थिक व राजनीति स्तर पर अत्यन्त क्षति पहुंचाई है। इस महाद्वीप में कोरोना वायरस से लड़ने में भारत सार्क देशों की सहायता कर रहा है जिससे भारत का वैश्विक स्तर पर प्रभाव बढ़ा है एवं पाकिस्तान व चीन का प्रभाव घटा है।

**वैश्विक स्तर पर पर्यावरण में सुधार :** ऐसा कहते हैं कि प्रकृति को पास मानव जाति की मूलभूत जरूरतों को पूर्ण करने के संसाधन तो हैं किन्तु मानव जाति के लालच को संतुष्ट करने में वह असमर्थ है। अपनी लालसाओं को पूर्ण करने के लिये मानव ने प्रकृति का विनाश करना चालु कर दिया। जंगल काट दिये, प्रदूषण व गंदगी फैलाई, अखाद्य को खाना शुरू कर दिया आदि। इसी शोषण के फलस्वरूप प्रकृति ने प्रति उत्तर में कोरोना वायरस जैसी महामारी को जन्म दिया जिससे प्रकृति अपना बचाव कर सके। वर्तमान में लॉकडाउन के कारण प्रदूषण का स्तर 40 प्रतिशत तक कम हुआ है। नदियों का पानी पिछले सत्तर सालों में सबसे स्वच्छ स्तर पर आ गया है। इस बीमारी से हुए लॉकडाउन ने पूरे विश्व का पर्यावरण सुधारा तथा

प्रदूषण को कम किया।

अन्त में हम यह कह सकते हैं कि इस महामारी से वैश्विक स्तर पर आर्थिक सामाजिक, व्यापारिक एवं राजनैतिक पर्यावरण में अमूल चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे जिनसे उभरने के लिये हर देश के नागरिकों को मिलजुल कर एक होकर देश के समाज के तथा स्वयं के हित में कार्य करना होगा जिसे हम इन विषम परिस्थितियों से बाहर निकलकर वसुदेव कुटुम्बकम की विचारधारा को सार्थक कर पाये।

**डॉ.नितिषा तोषनीवाल**  
**सहा.प्राध्यापक**

## आपदा प्रबंधन

समुद्री, तूफान, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, भूकंप, सुनामी, चक्रवात, जंगलो में आग लगना, बादल फटना जैसी तमाम प्राकृतिक घटनाएँ। इस तरह की आपदाओं का पूर्वानुमान कर इस आपदाओं से प्रभाव को कम करके उनसे बचने के उपाय को आपदा प्रबंधन कहते हैं।

आपदा का तात्पर्य प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से होने वाली दुर्घटनाएं, आपदा या गंभीर घटना से है।

आपदा प्रबंधन वह अनुशासन है जिसके द्वारा मानव लगातार आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने का प्रयास करता है।

आपदा प्रबंधन के लिये समन्वय नुकसान का मूल्यांकन करने आदेश और नियंत्रण, टेली संचार, परिवहन, खोज और बचाव, चिकित्सा मेडिकल टीम, शुद्ध पेयजल, खाद्य सामग्री, कानून और व्यवस्था को रखरखाव जैसी गतिविधियाँ शामिल होती हैं।

भारत सरकार ने प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिये ठोस कदम उठाये हैं।

साथ ही आपदा प्रबंधन के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिये एवं इसके प्रभाव को कम करने के लिये लोगों को सतर्क रहना चाहिये। तथा ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाना चाहिये।

**उज्जवल शर्मा**  
**बी.एस.सी. प्रथम वर्ष**



## कोरोना बीमारी में लक्षण एवं बचाव के उपाय

कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है, जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस के पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण है। अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है।

**कोरोना से कौन संक्रमित हो सकता है :** आज तक के मुताबिक जिन लोगों को नाखून चबाने की आदत है वे इस वायरस का खतरा मोल ले रहे हैं। ऐसा करने से आप ना सिर्फ कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकते हैं बल्कि वायरस, फ्लू और बैक्टीरिया के भी शिकार हो सकते हैं।

**कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण :** इंसान के शरीर में पहुंचने के बाद कोरोना वायरस उसके फेफड़ों में संक्रमण करता है। इस कारण सबसे पहले बुखार, उसके बाद सूखी खांसी आती है। बाद में सांस लेने में समस्या हो सकती है। वायरस के संक्रमण के लक्षण दिखना शुरू होने में औसतन पांच दिन लगते हैं। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि कुछ लोगों में इसके लक्षण बहुत बाद में देखने को मिल सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिये दिशा निर्देश जारी किये हैं। इनके मुताबिक, हाथों को साबुन से धोना चाहिये। अल्कोहल आधारित हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। खांसते और छींकते समय नाक और मुंह रुमाल या टिशू पेपर से

ढंककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हो उनसे दूरी बनाकर रखें।

डॉक्टरों ने बताया कि मास्क पर कम से कम 7 दिनों तक कोरोना वायरस जिंदा रह सकता है, ऐसे में रोजाना एक मास्क धोएं या फिर बदलें। डॉक्टर और विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना वायरस बालों में चिपक रहे हैं। इस वायरस से बचाव के लिये डॉक्टर और विशेषज्ञ अलग-अलग तरह ही सलाह दे रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कोरोना वायरस के सही लक्षण की जानकारी:

### कोरोना वायरस (कोविड-19) के लक्षण

- सांस लेने में परेशानी
- सिरदर्द
- मांसपेशियों में दर्द
- बुखार और थकान
- सर्दी-जुकाम और खांसी

### कोरोना वायरस से बचाव

- बार-बार हाथों को साबुन से धोने की आदत डालें।
- खांसते और छींकते वक्त टीशू का इस्तेमाल करें।
- इस्तेमाल किये गये टीशू फेंक दे और अपने हाथ धोएं।
- आपके पास टीशू नहीं है तो अपने बाजू का इस्तेमाल करें।
- हाथ बिना धोएं अपनी आंख, नाक और मुंह को न छुएं।
- संक्रमित व्यक्ति के पास जाने से बचें।

फरदीन खान

बी.एस.सी प्रथम वर्ष

## वैश्विक महामारी (कोरोना कोविड - 19)

लो आखिर मैंने लिख ही दी, पीड़ा विश्व के मानव की।  
लिख दी कविता मैंने, धरती पर आए दानव की।  
लिख दिया लेखनी से मैंने महामारी का काला परचम  
मानव की कुछ भूलो से, कैसे निकला मानव का दम ॥  
संस्कारो को भूल गए और पाश्चात्य को अपनाया  
जो काम कभी कभी करते थे हम, उनको हमने बिसराया  
कन्द मूल भूल गए हम, लेग पीस हमें भाया  
फिर कोरोना के चक्कर में, हर कोई देखो पछताया।

यदि बढ़ानी है प्रतिरक्षा तो नित्य प्रति व्यायाम करो  
हर घंटे साबुन से, हाथो का स्नान जरूरी करो  
कोरोना से लड़ना है तो, कर्फ्यू जाम जरूरी।  
और जरूरी है अपनाना, पुरातन संस्कृति को  
हाथ मिलाना छोड़ आज, नमस्ते वाली रीति को  
यदि बचाना इससे है तो एक अनूठी ढाल जरूरी है  
जब भी छीकों, खांसों, तुम, मुँह पर रुमाल जरूरी है।  
लो आखिर मैंने लिख ही दी, पीड़ा विश्व के मानव की।



## सृष्टि की संहारलीला

राजा रूठे नगरी रुखे अपनी ... मैं हर रूठ्या कहाँ जाना...

सृष्टि मानों महाविनाश का संकल्प लेकर प्रतीक्षा करती रहती है और जब हरि ही रूठता है तब सृष्टि की संहारलीला से मानव का साक्षात्कार होता है। भूकंप, बाढ़, महामारी इत्यादि विविध रूप है इस संहारलीला के। तब बचने का कोई उपाय नहीं। मैं हर रूठ्या कहाँ जाना।

**हमारा दो प्रकार की आपदाओं से पाला पड़ता है दैवीय और मानवीय आपदा।**

महायुद्ध जैसा मानवी आपदाओं से बचने के तो कई उपाय हैं। शत्रु की शरण में जाकर, युद्ध से पलायन कर, विदेश भागकर मनुष्य स्वयं की रक्षा कर सकता है। यद्यपि यह कायरों का मार्ग है, शूरो को नहीं भाता किन्तु शत्रु से अधिक तैयारी कर, अनेक शूरवीरों का बलिदान दे कर आत्मीय जन बचाये जाते हैं अरे भारत ने तो हानिहीन अहिंसात्मक सत्याग्रह के रूप में युद्ध का असाधारण विकल्प भी दिया है।

प्राचीन समय में तो धर्मयुद्ध होता था। सोये हुए शत्रु को जगाकर, उसके हाथ में शस्त्र न हो तो उसे शस्त्र देकर, उसके पास रथ न हो तो स्वयं भी रथ से उतरकर, संक्षेप में कहे तो प्रथम परस्पर समानता ला कर योद्धा करते थे, कुछ नियम थे, कुछ व्यवस्थाएं थी।

किन्तु दैवी आपदा। न तो कोई नियम और न ही व्यवस्था। एक ही स्थिति : संहार और केवल संहार ही। सृष्टि की यह संहारलीला सर्वथा निष्पक्ष है। वीर हो या कायर, पवित्र हो या पातकी, आस्तिक हो या नास्तिक, सज्जन हो या दुर्बल, सबल हो या बलहीन, राजा हो या रंक, धनी हो या निर्धन, सभी विवश, सभी निरुपाय सभी एक समान अंत।

भूकंप न तो दिन देखता है न रात। न जागते की परवाह करता है न सोते हुए की। वह तो पलक झपकते ही उथल-पुथल मचा देता है। भव्य भवन भर-भराकर मिट्टी में मिल जाता है। नदी का पाट ऊपर उठकर नदी को कहीं से कहीं धकेल देता है। थल को जल और जल को थल में बल देता है। जलराशि को उन्नत पर्व में परिवर्तित कर देता है कहा जाता है की इसी प्रकार प्राचीन समय का एक समूचा भखंड अटलांटिक महासागर में तल में जा बैठा है। भूमध्य सागर में भी ऐसी ही बात कही जाती है।

इस सृष्टि में नीति का साम्राज्य है या अगम अदृष्ट का। मनुष्य द्वारा सहा जाता दुःख उसके दुराचार का फल है या केवल आकस्मिक घटना। एक संयोग मात्र। ऐसे अनेक प्रश्न

बार-बार मन में उठते रहते हैं और जब सृष्टि की संहारलीला का सामना करना पड़ता है, तब तो ये और भी प्रखर हो उठते हैं।

इस विषय में गांधीजी का चिंतन विलक्षण है। 1934 के बिहार भूकंप के पश्चात गांधीजी ने कहा था कि इस भयानक प्रकोप के मूल में मैं वे भारत के महापाप की सजा देख रहे हैं। तब बद्धिमान लोगों ने आश्चर्य व्यक्त किया था। रविन्द्रनाथ टैगोर को भी दुःख के साथ कहना पड़ा था कि गांधीजी का कहना युक्तिसंगत नहीं है।

ऐसे वहम से वे सहमत नहीं हो सकते। गांधीजी जैसे महापुरुष के इस अभिमत के जनसाधारण पर पड़नेवाले विपरीत प्रभाव को दूर करने के लिये ही रविन्द्रनाथ टैगोर ने अपना अभिमत सार्वजनिक रूप से प्रकट किया था।

और तब गांधीजी ने इन सब को एक ही प्रश्न पूछा - क्या दुनिया में अंशतः नीति का राज्य है और अंशतः अदृष्ट का। जब जो कुछ भी होता है उसका कुछ न कुछ कारण होता ही है और प्रत्येक कारण का कुछ न कुछ परिणाम होना ही चाहिए। क्या ऐसे महाप्रकोप के मूल में मानवी अपराध का कोई न कोई कारण नहीं ही होगा।

गांधीजी को बिहार के भूकंप ने स्वयं ही आकर ऐसा नहीं कहा कि मैं अस्पृश्यता-रूपी पाप का ही फल हूँ। गांधीजी स्वयं भी नहीं मानते थे कि अस्पृश्यता केवल बिहार में ही है और अन्य प्रदेशों में नहीं-और यह भी नहीं कि बिहार का भूकंप बिहार के ही पापों का फल है।

सृष्टि में सभी वस्तु परस्पर अनुबद्ध हैं। पेट ठीक न हो तो सिर दुखता है, राजकर्ता की नियत बिगडती है तो प्रजा को कष्ट सहन करना पड़ता है, प्लेग के एक रोगी के संपर्क में आने से समूचे शहर को रोग का भोग होगा पड़ता है, हाथ ने चोरी की कोडा पीठ पर पड़ता है, क्योंकि हाथ और पीठ एक ही शरीर के अवयव हैं।

सृष्टि की सजा भी मानो सार्वजनिक संबंध का पाठ पढ़ाने के लिये ही कही भी प्रकट होती है। सृष्टि की यह रचना हम पूर्ण रूप से समझ नहीं सकते। फिर भी नीति की सार्वभौम तत्वों में हमारी श्रद्धा बनी रहती है। अतः जो बात हम अनुभव से सिद्ध नहीं कर सकते, साथ ही जिसे विपरीत तर्क से भी नहीं काट सकते उसे श्रद्धा मान लेते हैं। गांधीजी ने देख लिया कि बिहार का भूकंप असाधारण आपदा है। उसका संबंध देश के सैकड़ों



वर्षों से चले आ रहे पुराने और असाधारण कोई व्यापक पाप से हो सकता है। इसीलिये उन्होंने अपना ऐसा अभिमत व्यक्त किया होगा।

और हम भी जरा सोचे कि अदृष्ट का अर्थ क्या है, अकस्मात् का अर्थ क्या है, दैव किसे कहते हैं, जिसका कारण तो है पर दिखता नहीं। वह है अ-दृष्ट। जिस घटना का अस्मात् अथवा कारण हम खोज नहीं सकते पर जिस का कोई तो कारण होना ही चाहिये, ऐसी घटना को हम अ-कस्मात् कहते हैं।

अस्तु। बुद्धिमत्ता तो इसी में है कि हम प्रत्येक महान प्रसंग में से कुछ न कुछ बोध अवश्य ग्रहण कर लें, अंधे और बे-खबर

रहने में ही बुद्धि की सफलता न मान लें, जब हजारों जन कुदरती दुर्घटना में ऐसे ही मर जाते हैं, तब इससे लोगों के लिये कोई बोध ग्रहण करने जैसी बात ही नहीं है, ऐसा मानना तो कतलखाने के पास मौज-मजे से घास चरने वाले जानवरों की अवस्था में रहने जैसा है। मनुष्य को कुछ न ही तो कम से कम अपना युद्धज्वर तो हटाना ही चाहिये।

वर्तमान समय की, समूचे विश्व में फैल चुकी, महामारी कोविड-19 से भी अनेक बोधपाठ लिये जा सकते हैं।

डॉ.केतकी त्रिवेदी  
सहा.प्राध्यापक

## मैं भारतीय नारी हूँ

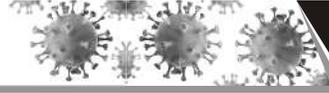
किसी से कम नहीं सब पे भारी हूँ  
मैं एक भारतीय नारी हूँ।  
मैं ममता की एक सुंदर सी सूरत हूँ  
मैं खुशहाल परिवार की एक मूरत हूँ  
मैं परिवार की इज्जत का भी गहना हूँ  
मैं इन सब भावों को मिलाकर बड़ी खूबसूरत हूँ।  
किसी से कम नहीं सब पे भारी हूँ  
मैं एक भारतीय नारी हूँ।  
मैं कभी सूर की कोकिला बनकर लता सी खिल जाती हूँ।  
मैं कभी आसमान की ऊँचाईयों को छू कर  
“कल्पना” बन जाती हूँ।  
मैं कभी लड़कर मैरीकॉम कहलाती हूँ।  
तो कभी खेल कर सिंधू-सानिया बन जाती हूँ।  
किसी से कम नहीं सब पे भारी हूँ।  
मैं एक भारतीय नारी हूँ  
मैं कभी सियासत के मैदान में जीतकर  
इंदिरा, सुष्मिता बन जाती हूँ।  
मैं कभी प्रियंका बनकर विश्व सुन्दरी कहलाती हूँ।  
मैं अपने परिवार को त्यागकर दूसरे परिवार को सजाती हूँ।  
मैं जल थल और वायु सेना में बराबर की भागीदारी हूँ।  
किसी से कम नहीं सब पे भारी हूँ  
मैं एक भारतीय नारी हूँ।

प्रियांशी जोशी  
B.Sc. II (MB)

## कविता : देशद्रोही

देश में कब तक देशद्रोहियों को बक्षते रहेंगे।  
अब तक जो आतंकी हमले हुए हैं,  
वह दिल दहलाने के लिए काफी नहीं है  
फिर उन साजिशों को  
वीर सैनिक ऐसे ही बर्दाश्त करते रहेंगे।  
पुलवामा में वार करने की रणनीति में  
देशद्रोही कितने निर्दयी बन जाते हो  
अपने प्राणों को बचाते हो, सैनिकों की आहुति देते हो।  
अरे देशद्रोहियों वार ही करना है तो  
पूरी तैयारी के साथ सामने से करते  
पीछे से वार तो बुजदिल ही किया करते हैं।  
हमारे सैनिकों का लहू अब खाली नहीं जायेगा।  
उनके परिजनों का त्याग तो जोरो से रंग लायेगा।  
जब तक सैनिकों की हिम्मत और काबिलियत में है दम  
अब ईट का जवाब पत्थर से देने का वक्त है  
छोड़ त्याग और बलिदान के गम  
गमों को तो कभी भुलाया नहीं जा सकता  
यह भी उतना ही सच है  
मात्र भाषण देने, श्रद्धासुमन अर्पित करना ही काफी नहीं है  
देशद्रोही का पता लगाकर, उसको सजा दिलाना  
और लहू का बदला लहू हो  
यह भी सौ आने सच हो।

हुसैना देवाजी वाला  
B.Com II Year



## लॉकडाउन अच्छा है

अक्सर हमारे पास जो नहीं होता हम उसके पीछे ही भागते हैं, लेकिन जब अकूत मिल जाता है तो हमें उसकी कद्र नहीं होती। ध्यान दें तो यह लॉकडाउन वहीं वक्त है जिसकी हम कामना करते थे।

मैं घर से दूर हूँ। लॉकडाउन के कारण जिस शहर में जॉब है, वहीं रुकना पड़ा। शुरूआती दो-तीन दिन तो इसी उठापटक में गुजरे कि घर से काम कैसे जमाना है, और जरूरत के सामान की व्यवस्था कैसे करना है। कुछ दिन बीते और रविवार आ गया, लेकिन आपाधापी में मुझे इसका ध्यान ही न रहा।

वहीं रविवार, जिसका लॉकडाउन के पहले दिल से इंतजार करता था, मिलने वालों को जिस दिन समय देता था, सारे काम जिस दिन निपटाने की कोशिश करता था और दिन खत्म होते-होते कुछ न कुछ रह ही जाता था, और आज जब यह दिन सहज उपलब्ध है तो इसकी याद ही नहीं रही। लिहाजा सुबह जल्दी उठा, बालकनी में चाय का कप लेकर बैठ गया।

गुनगुनी धूप आकर चेहरे पर पसरती रही। आँखे बंद की और सोचने लगा कि छुट्टी वाले दिन के लिये क्या-क्या सोचता था, क्या-क्या करना शेष है, सूची बनाई तो पन्ने से बाहर चली गई। किताबें पढ़ना, फिल्म देखना, नई रेसिपी बनाना, सफाई करना, पुराने मित्र से बातें करना, कजिन्स को वीडियो कॉल करना, बुआजी-फूफाजी से हालचाल लेना, बस खाली बैठे हुए आँखे बंद कर संगीत सुनना आदि। ये सब करने का इससे बेहतर मौका फिर कब मिलेगा।

किताबें जुटाई तो इतनी मिल गई कि लॉकडाउन के बाद भी समय चाहिये होगा उन्हें पढ़ने के लिये। कॉन्टेक्ट लिस्ट देखी तो बहुत सारे लोग थे जिनसे बात करनी थी। साफ-सफाई का भी बहुत काम फैला हुआ था। नई-नई रेसिपीज तो रोज ही बनाई जा सकती हैं काम मिल गया था। बहुत दिनों बाद चिड़िया की आवाज सुनी। अब तो गाड़ियों को शोर कान भूल चुके हैं। साफ-सफाई करते हुए जोर-जोर से गाना गाने लगा, तो रूममेट्स भी थाप देकर गाने लगे। हमने बहुत देर तक दिल खोलकर जैसा आता था वैसा गाना गाया। खूब देर तक एक



दूसरे की टांग खिंचाई की। इस समय हमें नहीं पता था कि हमारे स्मार्टफोन कहां है। खाना तो हम यूं भी मिलकर तैयार कर लेते हैं, उस दिन और मन से भोजन तैयार किया। तब से सब्जी, किराना, कचरा इकट्ठा करने वाले बंधु, सभी को धन्यवाद देना सीख लिया है क्योंकि मुश्किल वक्त में सब अपने-अपने स्तर पर जुटे थे। अंततः मैंने जाना आनंद का स्रोत दूर ग्राम में नहीं बसता। यह हमारे भीतर है, बस एक बाद उसे देखने भर की देर है। यह सकारात्मक बदलाव जीवन पुनः पटरी पर लौटने के बाद भी मौजूद रहेगा, इतना तय है।

अगर कहा जाए कि महामारी (कोविड-19) एक विश्व युद्ध है तो यह गलत नहीं होगा और हम सभी देशों के नागरिक इस युद्ध में सैनिक की भूमिका निभा रहें हैं। यदि हमें इस युद्ध में विजयी होना है तो हमें अपने घरों में रहना होगा, साफ-सफाई का ध्यान रखना होगा। अपना और अपनों का ध्यान रखते हुए इस महामारी के प्रति सकारात्मक जागरूकता फैलाना होगी।

“ कोरोना को हम भगाकर रहेंगे  
जिंदगियों को हम बचाकर रहेंगे  
वक्त बुरा हो सकता है  
जिंदगी नहीं। ”

चिराग गोराना  
बी.कॉम. (टेक्स) प्रथम वर्ष



## कविता : डरो नहीं लड़ो

चायना से आया वायरस,  
दुनिया भर में फैल गया।  
आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ईरान सहित,  
भारत को भी रेल गया।  
मौत फैलाता, खुशी मनाता,  
नाम बताता कोरोना।  
दुनिया भर दहशत फैलाता,  
नाम है इसका कोरोना।  
लोगो से लोगो में जाता, खांसी,  
बुखार जैसे लक्षण दिखालाता  
धीरे-धीरे शरीर में फैल,  
यह अपना असर दिखलाता।  
सामाजिक भेद बढ़ाओ,  
एक मीटर की दूरी बनाओ।  
हाथ न मिलाओ, गले ने मिलो,  
दूर से ही नमस्ते करो।  
तेरे आने से देश प्रदेश में,  
मायूसी सी छा गई है।  
लेकिन हम भारतवासी को,  
लड़ने की क्षमता आ गई है।  
कोरोना के कहर को हमें,  
फैलने से बचाना है।  
एकता में रहना है और,  
लोगों को जागरूक बनाना है।  
डॉक्टर, नर्स और पुलिस ने,  
हमारे लिए जोखिम उठाया है।  
आज हमें मौका मिला है,  
देश का गौरव बढ़ाना है।  
ना जाति न धर्म देखता,  
न ही देखता देश है ये।  
लोगो से लोगो में जाता,  
बड़ा भयानक वायरस है ये।  
मोदी को बात सुनो,  
स्टे होम स्टे सेफ रहो।

लॉकडाउन का पालन करो,  
और बीमारी से बचे रहों  
हजारो लोगों की जान को इसने,  
अपनी चपेट में ले लिया।  
इटली, स्पेन, न्यूयार्क को  
इसने, शमशान में तबदील किया।  
कोरोना से बचना चाहते हो तो,  
इन चीजो का उपयोग करो।  
सैनिटाईजर का इस्तेमाल करो,  
और मास्क से मुँह को ढके रखों।  
डाक्टर कहते हैं बीस सैकण्ड तक,  
हाथो को साबुन से धोते रहो,  
अगर चाहते हो परिवार की सुरक्षा  
तो यह काम दोहराते रहो।  
जान से बढ़कर कुछ नहीं जहान  
यह बात तुम ठाने रहो  
हिम्मत से चलो, हिम्मत से लड़ो  
लॉकडाउन को सख्ती से माने रहो।  
अपनी अकड़ का त्याग करो,  
सरकार से कदम मिलाते चलो,  
गरीबो की मदद करों  
जीवन में पुण्य कमाते चलो।  
ना भागना है, न छुपाना है  
इस महामारी से हमें  
डटकर सामना करना है  
सेल्फ् क्वारंटाईन में रहना है।  
दूसरो को संक्रमण से बचाए रखना है  
खांसते या छीकते समय  
रूमाल का प्रयोग करना है  
भीड़-भाड़ वाले इलाको से,  
स्वयं को दूर रखना है।  
कुछ नहीं रह जाएगा,  
सब मिट्टी में मिल जाएगा।

इंसान ही नहीं रह जाएगा,  
तो कल क्या देख पाएगां  
जो समझ रहे बच्चों का खेल,  
देखो भारत वालों  
इटली में सब हो गए फैल  
ना पैसा काम आएगा,  
ना रूतबा नजर आएगा।  
मारिया टैरेसा जैसे,  
तू भी कब्र में जाएगा।  
भारत के लोगो को मैं,  
बस एक पैगाम देती हूँ  
रोक लो इस महामारी को,  
यह संदेश देती हूँ।  
लापरवाही पड़ेगी मंहगी,  
बाद में न पछताना तुम  
अब भी नहीं सम्भलोगे,  
तो मौत को गले लगाना तुम  
हजारो लाशो को बिछा दिया इसने  
अब बारी हमारी है  
समझ जाओ इंडिया वालो,  
देश की सुरक्षा हमारी है।  
डरना नहीं लड़ना है  
देश को कोरोना मुक्त करना है।

राजलक्ष्मी कुशवाह  
बीबीए सेकण्ड ईयर





## CORONA- THE MAN MADE DISASTER

Disaster means an event that cause a lot of harm or damage. A serious event that can cause loss of life and health problem, loss of material, social and economic disruption or environmental damage. Disaster can be classified as natural and man made disaster. Natural disasters is a natural process that kills thousands of people, destroy property and environment, like earth quake, land slides, volcanic eruption etc. Man made disasters are human instigated disasters that are consequence of technological or human hazards. It include fire, industrial accidents, nuclear explosion, bio terrorism etc. All these disasters can be considered as man made due to human failure to introduce appropriate emergency. Presently the whole world is facing a man made disaster caused by corona virus. A new virus belonging to the corona virus family named as novel corona virus 2019 ncov. The virus belong to this family cause respiratory infection and cold cough. The 2019ncov also cause fever, cough and shortness in breath. Antibiotics do not work against 2019ncov and there is no vaccine against it.

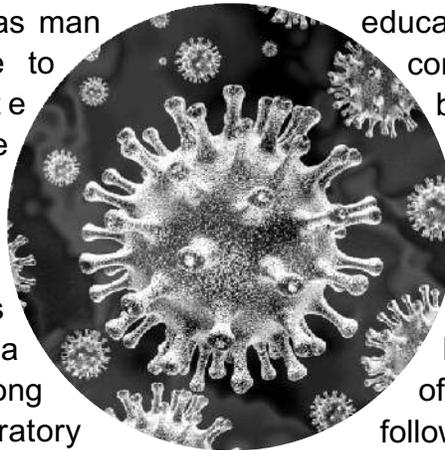
Corona virus originated in China in sea food market in Wuhan. The first case of pneumonia was reported to WHO on 31 December 2019. It was first endemic to China for the first two months of it's out break. The country failed to warn the WHO (World Health Organization) about the virus and it's out break which resulted in it's spread across the globe. When the virus reached Europe, people failed to understand it s gravity and did not follow the

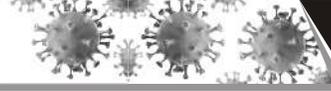
social distancing norms. So the virus kept spreading across the continent. When the European citizens realized the magnitude it was too late. The disaster had already hit the continent. Then on 30 January 2020 the Corona outbreak was declared as a public health emergency of international concern. On february 11, 2020 WHO announced a name for the new corona virus disease COVID19.

In India the first case of corona virus was reported on 30 January 2020 and up to 16 April 2020, 12759 cases have been reported in the country. The outbreak has been declared an epidemic in many states, So the educational institutions and many commercial establishments have been shut down. All the tourist VISA as has been suspended as majority of positive cases are linked to other countries. On 22 March 2020 a voluntary public curfew was announced by the honorable prime minister of the country, and then it was followed up by nation wide lock down for 21 days to follow the social distancing. On April 14, 2020 the lock down extended till 3 May 2020.

The government of India is taking all necessary steps to face all the challenges posed by growing pandemic of COVID 19. The most important factor in preventing the spread of the virus is to follow the rule of social distancing to break the chain of spreading corona virus and to provide right information to the citizens about the precautions advised by the ministry of Health and Family welfare.

**Dr. Anjali Shah**  
**Asst. Prof.**





## CORONA IS HERE BUT WHERE IS KARUNA (DAYA)?

The grave crisis that has developed World wide due to the spread of a tiny, invisible virus, reminds me about the Samudra Manthan story. The mythological churning of the milky ocean continuous churning went on for centuries in which devas and asuras both participated in the hope that great gifts would emerge. Instead, Suddenly a dark and deadly poison, the garala emerged and spread worldwide. Devas and Asuras fled in terror and it was only when shiva karunavataram collected the poison in his hands and swallowed it thus containing. It is in his own throat which turned blue (hence his name Neelkanth) that the churning continued and great gifts began to appear. If we consider the violent churning that the human race has indulged in over the last few centuries the mouthless exploitation of nature, the cruel destructions of millions of plant, Insect and animal species, pollution of air, earth and oceans the unsustainable high protein diets and consumption of strange animals and reptiles - It has at east thrown up a new garala that threatens the very existence of the human race perhaps this is nature's way of telling us to slow down world wide for a which so as to enable here to regenerated while she seems to be doing rapidly during the human lock down period.

To expect shiva to appear once again and contain this poison is to say the last unrealistic. nonetheless, we urgently need the compassion the embodied so that together, we can meet this challenge. This must extend not only to victims of the virus but to those millions whose lives have been uprooted in the process. The Sight of lakhs of



migrant workers disparately trying to work hundreds of kilometers to get back to their village was heart rending, Have we seen a countervailing upsurge of compassion?

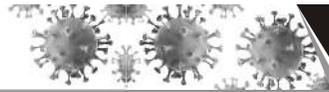
That is the karuna we need. The present cross has taught us that firstly, despite attempts by several world leaders, notably president Trump, to trash globalization, the fact remains that us swims together. The ancient ideal of vasudhaiv kutumbakam remains valid.

Secondly, it shows that our basic health infrastructure remain woefully inadequate sharir Madhyam khalu Dharma Sadhnam (शरीर मध्यम खालू धर्म साधनम्)

The body alone is the foundation for all Dharmas unless we triple the percentage of that is at present allotted to health and education. We will never we able to safe guard. The welfare of the weaker and almost Section of society.

Thirdly, This crisis has given us the opportunity to stay home, look with in and develop our intellectual and scriptural capacities, regardless of which religion. We may belong to. We have to find with in ourselves spring of compassing karuna that alone will be able to confront this deadly corona Challenge. we do not need large congregation just quite prayer and meditation are much more effective. As the upnishad says, "With in the furthest gold sheath resides the immortal Brahma That Effulgent light of lights, that is what the knowers of the atma Knoss"

**Dr. Jaya Parihar**  
**Asst. Prof.**



## THE DEVELOP OF POSITIVE ATTITUDE

Practicing positive thinking allows people to focus on their strength and accomplishments which increase happiness and motivation. The following tips to provide practical suggestions that you can use to help shift into more positive thinking patterns.



1. Take Good care of yourself
2. Remind yourself of the things You are grateful.
3. Look for proofs instead of making assumption.
4. Refrain (keep back) from using assaults (in capabilities of others)
5. Detach from Negative thoughts
6. Squash the ANTs (automatic Negative thoughts)
7. Increase Your social activity( Mingle with every one with smile to decrease your loneliness.
8. Voluntary for an organization or help another person (everyone feels good after helping feel that joy
9. Surround yourself with positive people
10. Read Positive and inspiring books(eg- Autobiography of yogi, change your brain, change your life.
11. Understand that things won't always go as you think/Planned.
12. Keep a Gratitude Journal. If you want to make your surrounding a better place then first try to become a better person be Good and cool when you are rejected from your work or from your job or with your responsibility, Then you should never give up Accept your all rejections as practice and try to learn lessons from it. then never you will repeat the same

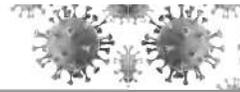
mistake in your future

13. Use Positive words to describe your life. like - How your life is going ? when ever you share your personal life with others always be positive, don't use the words like life is

Boring, Stressful, Hectic insists of using these words We should use the words Happy, Joyful, Excited, Peacefull by using these words we can easily develop our positive words to express your-self and your life.

14. Avoid complaints and complaining people because it creates Negative attitude in your self, so to avoid it you should avoid the complaints and complaining People.
15. Have solution : when pointing out problems always search the solution of your problems don't blame others.
16. Make someone smile, it should be your daily goal because it creates the positive Impact. Nothing can Dim the light which shines from within
17. The Cost of discipline is always less then the price of Regret.
18. Falling down is an accident but staying down is your choice.
19. Accept the favorable reject the unfavorable
20. You got to do what is right .
21. Be thankful to God as he blessed us with a beautiful life.
22. I hope My little information brings more Happiness in your life.  
"Be Happy", "Be Cheerful"

**Furkan Khan**  
(BBA II year)



## CORONA VIRUS FACTS VS FICTION

**Fiction :** The new corona virus can be spread by mosquito bites and from Chinese food.

**Fact :** No the new corona virus is a respiratory virus that spreads primarily via droplets when an infected person coughs, sneezes or breathes out or through droplets of saliva or discharge from the nose.

**Fiction :** Regularly rinsing your nose with saline can prevent infection with COVID-19

**Fact :** There is no evidence that regularly rinsing the nose with saline has protected people. There is some weak evidence that regularly rinsing the nose with saline can help some people recover more quickly from the common cold, but it does not prevent respiratory infections.

**Fiction :** Some claims on social media suggest that spraying alcohol or chlorine all over your body can protect against COVID-19 infection or that gargling bleach or drinking excessive amounts of water can somehow flush it out

**Fact :** There is no evidence to back these claims. Good hygiene practices including frequent hand washing and avoiding close social contact can help to reduce the risk of infection.

**Fiction :** Hand dryers are effective in killing the new coronavirus.

**Fact :** No, Hand dryers are not effective against COVID-19 but frequently cleaning your hands with an alcohol based hand rub, or washing them with soap dried thoroughly with a clean towel or air dryer.

**Fiction :** Cold weather, hot weather,

snow, eating garlic or taking a hot bath have also been suggested as ways people can prevent themselves becoming infected.

**Fact :** There is no evidence behind these claims and no evidence as yet to suggest that COVID-19 will be affected by weather or the seasons.

**Fact :** The best way to protect yourself is by washing your hands frequently and avoiding contact with anyone who might be infected. This way you can eliminate viruses that may be present on your hands and avoid infection that might occur by touching your eyes, mouth and nose.

**Fiction :** You should wear a face mask at all times when outdoors.

**Fact :** No, People who are healthy have no symptoms and have not been diagnosed with COVID-19 need to wear a mask if they are taking care of a person with suspected or confirmed COVID-19 infection.

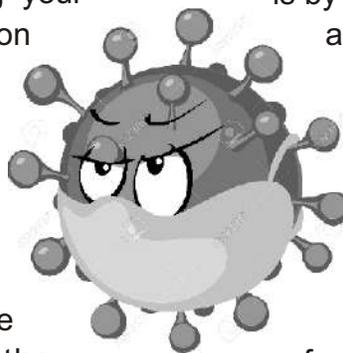
Masks are only effective if you are coughing or sneezing in which case you should be self isolating and only when used in combination with frequent hand washing and other hygiene practices.

**Fiction :** Antibiotics can prevent and treat the new coronavirus

**Fact :** Antibiotics do not work against viruses It is active against the new coronavirus.

There is no approved medicines for COVID-19 infection but those infected till now can relieve and treat mild symptoms with over the counter fever reducing medicine such as Paracetamol and aspirin.

OJ. Chaturvedi  
BBA 1st year





## NUCLEAR FAMILY AND JOINT FAMILY

A nuclear family, elementary family of conjugal family, is a group consisting of two parents and their children (one or more). It is in contrast to a single-parents family, the larger extended family and a family with more than two parents. Nuclear families typically centre on a married couple, the nuclear family may have any no. of children.

A joint family or extended family is a family that extends beyond the nuclear family, consisting of parents like father, mother and their children, uncles, aunts, grand parents and cousins all living in the same household particular forms include the stem and joint families This extended family often includes multiple generation stay together under a single roof.

Now if i talk about the difference in between both the families, it will become more easy to understand how they actually are, & a happy Family.

### **Difference between Nuclear & Joint family**

#### **Composition :**

1. A typical nuclear family consists of a husband, a wife, a couple of children.
2. A Joint Family system, the number of dependents living under the roof is much larger. Those living with joint family have number of people & many generation.

#### **Responsibility :**

1. The responsibility of a nuclear family rests on the couple.
2. The joint family system lay down a responsibility on the head of the family. The elders trained the younger ones for different occupations. Married them

gives them a start in life, and take care of the in firm and the old.

#### **Bond of unity and affection :**

1. Compared to nuclear family, there is higher bond of unity and affection among different family members and relations in a joint family.
2. A joint family, the prosperity and adversity of the family are shared equally.

#### **Subsistence :**

1. The subsistence of a nuclear family is dependent upon either on husband or wife or both.
2. A joint family system ensures a minimum of subsistence to all members of the family.

#### **Freedom :**

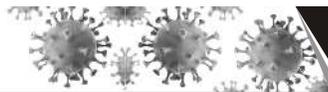
1. In a nuclear family, the young couples get more freedom. They can freely do the things that they like They can also take risk with their money & display their enterprising nature.
2. In a Joint family the individuals get less freedom. The family members have joints rights in family property and wealth. There is less scope for the development of individuality.

#### **Judicial Separation :**

1. Compared to a joint family the cases of divorce are more in nuclear families.
2. The kind of family you belong its good but living happy and deserved love we give is more important then any things.

**At last "Be safe, Stay Home Stay Safe".**

**Akshayraj Singh  
B.Sc. I Year**



## ALPHABETICAL SPORTS

- A** : Athletics, Archery  
**B** : Baseball, Basketball, Beach Volleyball, Bobsledding, Badminton, Boxing  
**C** : Canoeing, Cricket, Croquet, Cycling, Cackling  
**D** : Diving, Dodgeball  
**E** : Equestrian Horseback riding, Extreme Sports  
**F** : Fishing, Fencing, Football  
**G** : Golf, Gymnastics  
**H** : Hockey, Horse racing, Handball, Hunting, Hing Jump  
**I** : Ice-scating  
**J** : Javelin, Judo, Jet Skiing  
**K** : Karate  
**L** : Long Jump, Lavrosse, Luge  
**M** : Motor Cycle, Martial Arts  
**N** : Netball  
**O** : Orientering  
**Q** : Quada four  
**R** : Rugby, Running, Relay, Rubgey Football, Rock Climbing, Rounders Racquet Ball, Rowing  
**S** : Soccer, Surfing, Shooting, Snooker, Swimming, Skating, Soft Ball, Snow Jumping, Ski Jumping  
**T** : Tennis, Table Tennis, Rugby, Taekwondo, Triple jump  
**U** : Ultimate frisby, Underwater, Rugby Underwater hockey  
**V** : Volleyball  
**W** : Wrestling Winter Sports, Weight lighting, Water Sports, Walking  
**Y** : Yachting  
**Z** : Zorbing

**Harsh Gharia**  
**B.Com3rd Year (TAX)**

## CONID - 19

### BOTH BOON & CURSE

Since the outbreak of pandemic COVID-19 whole world has been Under Lockdown . All the great economies like India, USA, China etc. are sturggling with an invisible enemy called Corona Virus. Since virus out broked, human beings who were ruling over animals, plants and whole of the planet are now trapped in their own houses. The outbreak of pandemic has made humans to accept that they are nothing Infront of nature.

By this outbreak we can conclude that if nature can help humans, then nature can destroy them too. By human intellingence several kinds of weapons like atomic bombs, biological weapons, missiles are developed to fight people of enemy country but none of these weapons can help in the war against this invisible enemy.

But on one hand humans are being caged in their own houses the nature has started restoring itself. The chirping of little bird which got disappeared due to noise, air pollution and other human activities is now audible which got the air which got polluted is now cleaning due to Lockdown and the ozone layer which was depleting due to pollution has stated healing itself. So on one hand COVID-19 has brought misfortune from prospects of human growth, economic growth, employment etc. for human beings but on the other hand, has proved good phenomenon from the point of view of nature to get restored This pandemic can be taken as wake up call for humans that not only investing in weapons or other activities is important but the nature shall also be taken care of and whole world shall collectively think of improving the medical facilites

**Priyank Khatri**  
**B.Com III Year TAX**



## CORONA WAR (Covid-19 - The Invisible Enemy)

The world is grappling with an invisible deadly enemy. The Human Race is locked in a battle against 5 Million smaller than us. The Novel Corona Virus or Covid-19 (Chinese Originated virus in December 2019) that has emerged from the Wuhan in China has gone an unknown enemy to be feared worldwide in a matter of months.

As it continues to spread around the world bringing panic doctors. Scientist are Stirling to develop ways of fighting this previously known threat.



This Virus has shaken the whole world in a couple of months by Exempling the Raults of death & affected positive people mostly Seon in Italy, America, Spain, Brazil, London and Specially China.

Now its new land of overgrow is India. It was first eradicated in February To be seen statist. Indian govt. ordered to Start taking provisions precaution such as.

1. Wearing a Mask on your Face.
2. Use sanitizer, wash your hands consecutively.
3. No Shake hands, maintaining Distance
4. Not make a place crowded.
5. To stay at home

The Govt. Provided all sorts of facilities to people and by regarding people of India also supported the decision towards prevention of them selves.

Knowing this could have cause a big trouble to the Economy of the country. But those country people - WHO tired to save

economy last their lives, By facing a pandemic situation it is best to think for health and not for economy.

This Virus has given the toughest challenge Ever faced by the human race. But on the other side, It has affected a good vaccine for the planet's environment. The nature Trees, Plants, Ozone Layer, Atmosphere. It getting healed in a rapid way.

The positive side of this situation are

1. Planets Environment become stable.
2. Trees, Plant & Animals are not getting killed.
3. Ozone layer is healing.
4. All sorts of pollution (Air, Water) is been reduced exponentially etc.

The Corona Fighters : Doctors, Nurses, Police, Govt. Staffs Providing services, The Donations come out from coelebs Billionaires has paid the major contribution in facing these situation.

This will held to become a great example of unity.

But every Coin has 2 Sides just like that coin people minds are of both kinds where many. Morons and tools are trying to Emvot the virus and not helping others to get treated.

They don't know what will their action will become their nightmares. The consequences that no one has faced before has only one solution to stay calm, stay home and be safe for the betterment not for own self but also for others.

The dark phase will be slaughtered and the shine of happiness will Rise again and overcome it.

**ISHAN SHARMA**



## Pandemic - COVID-19

Corona virus disease (Covid-19) is a infections disease caused by newly discovered corona virus. Most people infected with corona virus. In India there are 13835 confirmed positive corona virus cases and 1767 cases are recovered and 452 deaths counts due to corona virus. Government of India declare complete lock down in country due to global pandemic - Covid 19. In my opinion this is the best way prevent spreading & combat against corona disease because due to lock down. We can break a infection cycle of corona virus & flow down spreading of Corona Virus . We can also take action to combat against corona virus, To prevent the spread of Covid-19.

1. Clean your hands often use soap & water or an alcohol based hand rub.
2. Maintain a safe distance from anyone is coughing or sneezing.
3. Don't touch your eyes, nose or mouth.
4. Cover your nose & mouth with your bent elbow or tissues when cough or

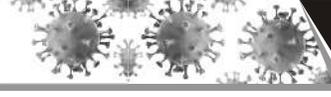
Sneeze.

5. Stay Home.

In during lock down we can develop a good habits & reset our life. such as reading, exercise, Practicing gratitude. Give time to your family, You can also healthy active lifestyle. Due to this you can improve and buildup our immunity system. We dee lock down as opportunity to rebuild our life not as threat, we can grow our personalities & become a good person. We can also eliminate bad habits & the good fact is our earth is resetting & hearing his environment. Due to lock down air pollution is decreasing. It leads to recovery of ozone layer. Due to lock down people are reconnecting with nature. At last i can say that we fight. with corona virus by cooperating with each other & maintaining social distancing strictly follow the rules of lock down.

Stay Home, Stay Safe.

**Tushar Dhosariya**  
**B.Com. Hon. II years**



# अश्रुपुरित . श्रद्धांजलि



- महाविद्यालय की सहा. प्राध्यापक डॉ. केतकी त्रिवेदी के पिताश्री तुषारकांत त्रिवेदी का देवलोक गमन दिनांक 27 अगस्त 19 को हुआ ।
- महाविद्यालय की सहा. प्राध्यापक डॉ अंजली शाह के ससुर श्री रसिकलाल जी शाह का देवलोकगमन दिनांक 9 फरवरी 2020 को हुआ ।
- महाविद्यालय के लिपिक श्री अतुल बख्शी का देवलोक गमन दिनांक 14 अक्टूबर 2019 को हुआ ।

महाविद्यालय परिवार परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हैं कि वह उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दे एवं संपूर्ण परिवार को दुःखद घड़ी में धैर्य प्रदान करें ।





## LOKMANYA TILAK SCIENCE AND COMMERCE COLLAGE, UJJAIN

### List Of Teaching and Non Teaching Staff 2019-2020

**Dr. Govind Gandhe (D.Lit.)**  
**Principal**

1	Hindi	Dr.Anita Agrawal	NET,Ph.D.,M.Phil,M.A.
2	English	Dr.Mamta Trivedi	Ph.D., M.A.
		Shri Amit Jain	M.Phil, M.A.
3	Commerce and Management		
		Dr. Akshita Tiwari	Ph.D., M.Phil, M.Com.
		Dr. Ketki Trivedi	Ph.D., M.Phil, M.Com.
		Dr. Sheetal Kumar Sharma	Ph.D., M.Com.
		Dr. Smriti Jain	Ph.D., M.Com.
		Dr. Meenal Vanvat	Ph.D., M.Phil, M.Com.
		Dr. Nitisha Toshaniwal	Ph.D., M.Phil,M.Com.
		Dr. Mamta Pandya	Ph.D., M.Phil,M.Com.
4	Computer Science	Shri Sudhir Kumar Solanki	MCA,M.Sc.
		Shri Yogesh Mishra	MCA
		Smt. Shipra Khandelwal	MCA, BCA
5	Chemistry	Dr. Jaya Parihar	Ph.D., M.Sc.
6	Zoology	Dr. Anjali Shah	Ph.D., M.Sc.
7	Physics	Shri Chandra Shekhar Sharma	M.Phil, M.Sc.
		(NCC Officer)	
8	Microbiology	Smt. Sonal Godha	M.Sc.
9	Mathematics	Mrs. Anuradha Parmar	M.Phil, M.Sc.
10	Librarian	Smt. Kiran Pandey	M.Lib.I.Sc.
11	Book Lifter	Shri Mukesh Prajapat	B.Com. PGDCA
12	Office Assistant	Smt. Ritu Hirve	B.A., PGDCA
		Smt. Monika Dhanawat	
13	Peons	Shri Kriparam Malviya	
		Shri Kailash Solanki	
		Smt. Shakuntala Gome	
		Shri Rakesh Vadnere	
14	Sweeper	Shri Nandkishor Ghavri	

# पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर जन्म शताब्दी वर्ष समारोह



## महाविद्यालय द्वारा आयोजित खेलकूद गतिविधियाँ



22 विद्यार्थी में 350 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...



Rajeev Amrit Mahotsava organised

Former M.L.A. and guest of honor... Rajeev Amrit Mahotsava was organized on Wednesday at Lokmanya Tilak Science and Commerce College...



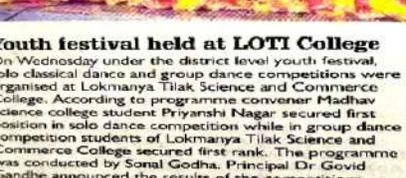
Youth festival held at LOTI College

On Wednesday under the district level youth festival... Youth festival was held at LOTI College...



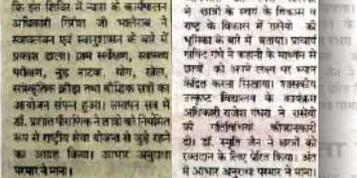
NSS students' orientation programme held

A student orientation programme was held at Lokmanya Tilak Science and Commerce College...



Srishti Tiwari selected for swimming contest

Srishti Tiwari, student of Lokmanya Tilak Science and Commerce College has been selected for national swimming contest...



Commerce quiz organised

Lokmanya Tilak Science and Commerce College organised a commerce quiz for the students...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...

दैनिक भास्कर... 24 अक्टूबर 2019... 15th Anniversary of Lokmanya Tilak Science and Commerce College...